

Pawar Public School



12th

ELOQUIM

FIREFLIES OF KNOWLEDGE

Principal's Address

Greetings to all the readers. It is with pride that PPSA has completed another edition of the e-magazine Eloquium. It is the joint effort of the entire team of students and teachers that has made this possible. Similarly the school too is on the cusp of completing another successful academic year. Coordinated efforts by the students, the faculty and the support staff has resulted in a happy culmination of this year. Let us applaud the efforts all those who have contributed towards making this successful journey.

This e-magazine is an attempt to show-case the journey of the school while it celebrated life in all its beautiful aspects. It is a repository of all that children and teachers have striven to achieve in letter and graphical representation. Enjoy the journey.



Alone one can work little but together we can work so much!

Alone one can work little but together we can work so much! With this aim , 2022-2023 Eloquium' Fireflies of Knowledge is before you which aims at different aspects of mindwork of the students in a collaborative way. Before you lies the e-magazine that brings together all the achievements, activities, events that occurred through the semester. The teachers and students in charge have worked day and day out perfecting the magazine. On behalf of the entire magazine body I would like to thank everyone for providing us with this wonderful opportunity to showcase the students and their respective achievements.

Enjoy reading!

Thank you.

**Secondary Editor-in-charge
Ms. Deepa Aanand Srinivasan.**

वाचणं हे पेरणं असतं
तर लिहिणं म्हणजे उगवणं,
उगवण्याची चिंता करीत
बसण्यापेक्षा पेरणी सुरू करा,
एक दिवस तुमचं उगवलेलं धान्य
लोक रुजवण्यासाठी घेऊन जातील...

आयुष्य म्हणजे सुखदुःखाचा खेळ आहे. मात्र माणूस सुखाचे क्षण लगेच विसरतो आणि दुःख आयुष्यभर कुरवाळत बसतो. यशाच्या शिखरावर चढताना अपयशाच्या काही पायऱ्या येणारच. पण याचा अर्थ त्या पायऱ्यावरच रेंगाळत बसायचं असा होत नाही. अपयश आल्यावर तो आयुष्याचा एक भाग आहे असं समजून पुन्हा नव्याने प्रयत्न करत राहायचे. कारण अपयशाच्या पाठोपाठ यश तुम्हाला नव्याने गवसणी घालण्यासाठी सज्ज झालेलं असतं. अशावेळी निराश मनाला गरज असते ती प्रेरणादायी विचारांची. ज्यातून स्फुर्ती घेत तुम्ही आयुष्यात सर्व काही मिळवू शकता. यासाठीच विद्यार्थ्यांना त्यांच्या भावना कागदावर व्यक्त करण्याची गरज असते. आपण पालक म्हणून किंवा शिक्षक म्हणून विद्यार्थ्यांना नेहमीच प्रेरणा देत असतो. त्यांच्या पुढे काळोखाचा अंधार उभा राहिला तर आपण सूर्यकिरणांसारख्या प्रेरणा देवून त्यांच्या पुढील अंधार नाहीसा करून त्यांच्या आयुष्याच्या वाटा तेजोमय करतो.

मराठी भाषा जशी बोलण्यासाठी आणि समजण्यासाठी सोपी आहे. तशीच ती आपल्या मनातील अनुभवांचे विश्व आहे. त्याचा मनोरा कागदावर देखील तितक्याच्या छान पद्धतीने उभा राहतो. या प्रेरणादायी कविता, लेख आणि अनुभव वाचून तुमचे मन पुन्हा नव्याने यशासाठी प्रयत्न करण्यास तयार होईल. मनाची समजूत काढण्यासाठी, मनाला उभारी देण्यासाठी नेहमीच आपली लेखणी ही भावनांसारखीच कागदावर चालत राहिली पाहिजे...

श्री. विवेकानंद जाधव
मराठी विषय शिक्षक

स्नेहिल विद्यार्थियों,

जैसा कि हम सभी जानते हैं, पिछले कुछ वर्ष सभी के लिए अविश्वसनीय रूप से चुनौतीपूर्ण रहे हैं। इस सब के बावजूद, आप दृढ़ रहे हैं और आपने आगे बढ़ना जारी रखा है इसके लिए मैं आपके धैर्य और दृढ़ संकल्प की प्रशंसा और सराहना करना चाहती हूँ। पिछले सालों में आपने जिन चुनौतियों का सामना किया है, उनका निःसंदेह आपकी शिक्षा पर प्रभाव पड़ा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उन्नति या उत्कृष्टता प्राप्त करने में बहुत देर हो चुकी है। कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से आप अपने रास्ते में आने वाली किसी भी बाधा को पार कर सकते हैं। 'सूरज' कितना भी तपे लेकिन 'सागर' का पानी नहीं सुखा सकता.... जरा विचार कीजिए।

उठो! धरा के अमर सपूतो, पुनः नया निर्माण करो।
जन-जन के जीवन में फिर से, नई स्फूर्ति, नव प्राण भरों।
सरस्वती का पावन मंदिर, यह संपत्ति तुम्हारी है।
तुम में से हर बालक इसका, रक्षक और पुजारी है।
शत-शत दीपक जला ज्ञान के, नवयुग का आह्वान करो।
उठो धरा के अमर सपूतो, पुनः नया निर्माण करो।

आपके माता-पिता और उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण वास्तव में प्रेरणादायक है और उन्होंने जो कुछ भी किया है, उसके लिए हम उनके आभारी हैं। विभिन्न चुनौतियों के बावजूद, हम डटे रहे और दूसरी तरफ मजबूत होकर निकले।

इसमें कोई शक नहीं कि जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, आने वाली चुनौतियाँ और भी होंगी। लेकिन अगर हम साथ मिलकर काम करना जारी रखते हैं तो हम किसी भी चीज़ पर नियन्त्रण पा सकते हैं। स्वयं को उत्प्रेरित रखने और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करने हेतु हमें कुछ नियमों को साधना साथ ही जीवन में उतारना भी होगा।

स्वयं के लिए स्पष्ट और यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें। आप जो हासिल करना चाहते हैं पूर्णतया स्पष्ट होने से आपको प्रेरणा और लक्ष्य साधना में मदद मिलेगी।

व्यवस्थित रहें और अपना समय प्रभावी ढंग से प्रबंधित करें। एक समय तालिका बनाएँ और उस पर टिके रहें, ताकि आप अपने समय का अधिकतम लाभ उठा सकें।

स्वयं को सकारात्मक लोगों के बीच ही रखें जो आपको हर क्षण उर्जावान बनायेंगे और प्रोत्साहित करेंगे।

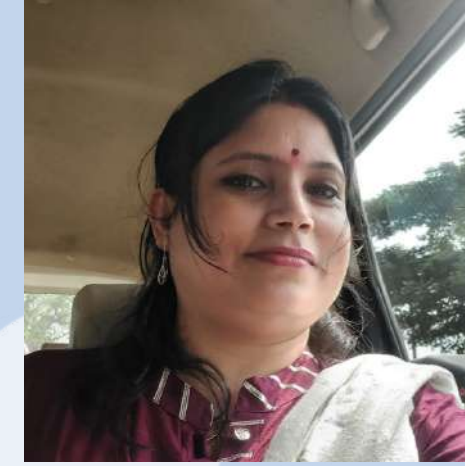
शारीरिक और मानसिक रूप से अपना ख्याल रखें। अपने मन और शरीर को शीर्षस्थ रखने हेतु भरपूर नींद लें, व्यायाम करें और पौष्टिक आहार खाएँ।

कभी हार न माने याद रखें कि सफलताएँ और असफलताएँ सीखने की प्रक्रिया का एक स्वाभाविक हिस्सा हैं।

सुनिश्चित करें कि आप पर्याप्त आराम कर रहे हैं, और उन गतिविधियों में संलग्न हैं जो आपको आनंद और विश्राम देती हैं। अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि आपकी शैक्षणिक सफलता। इसके अलावा, अपना ख्याल रखना न भूलें। आपके शिक्षक सफल होने में मदद करने के लिए सदैव तत्पर हैं एवं आपके लक्ष्य प्राप्ति में प्रकृति तथा पूर्ववत सेवाएँ और अन्य सहायता प्रणालियाँ भी तो हैं।

अंत में मैं आपको याद दिलाना चाहती हूँ कि आप महान व अपने पसंद की चीज़ों को हासिल करने में सक्षम हैं। आपके दृढ़ संकल्प और धीरज ने आपको यहाँ तक पहुँचाया है। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि आप अपनी पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना जारी रखेंगे। किसी भी कठिनाई और उलझन में अपने वरिष्ठ जनों से सहयोग व परामर्श लेना कतई न भूलें और अपना ख्याल रखना तो बिल्कुल भी नहीं। आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि निःसंदेह आप अपने शैक्षणिक प्रयासों में सफल होंगे।

हिमा त्रिपाठी
हिंदी शिक्षिका (प्रायमरी)



हिमा त्रिपाठी



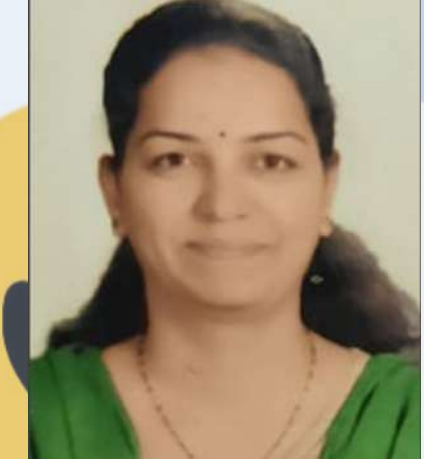
विवेकानंद जाधव



दीपाली लांडे



Deepa Aanand
Srinivasan



मंजरी फड़के

English Department Activities in 2022-23



Throughout the year the English Department had organised various activities for the students for enhancement of the language skills and learning effective communication in an enjoyable way.

The academic year began with the World Reading Day Activity in the month of April, 2022. The primary students enjoyed an hour of community reading. Each child had brought a book to read in school. For classes VI to VII, a Reading circle was organised. Students were taken outdoors where they sat in a circle and read out extracts from the books they had brought along. The students of VIII and IX drew the characters and quotes from their favourite books.

The month of June 2022 was designated as the English Activity Month for the academic year 2022-2023. Various activities were undertaken during this month. These were aimed at achieving the most important learning outcome for a language, that is, to improve the communication skills, along with creativity of the students.

The students unleashed their imagination with Rebus puzzles, Advertisements (enactments), Poster Making, Crossword and Bingo of words. There were other activities which displayed their eloquence through recitation, object talk and storytelling in the Primary section.

The secondary section had Turncoat as an activity to showcase their proficiency in expressing themselves through opposing viewpoints.

The Inter House Spell Bee Competition was also conducted in the month of June for the Secondary school. The spellers were selected through a written elimination round.

The competition consisted of three rounds, spelling round, visual round and 'unscramble round.'

July saw the English Department organizing its annual Inter School Debate Competition - Oratoria. In an overwhelming response to the invitation to participate in the debate, 11 teams from reputed ICSE and CBSE schools vied for the Best Team, Best Speaker (for) and Best Speaker (against) awards. The topic for the debate was 'Today's education system kills creativity and churns out clones'.



The Inter House Choral Recitation Competition was conducted on 16th and 17th of January, 2023 for classes VI to VIII. The students enthusiastically participated in the event.



The Inter House Choral Recitation Competition was conducted on 16th and 17th of January, 2023 for classes VI to VIII. The students enthusiastically participated in the event.

Apart from these activities the students also participated in AISM debate and Declamation competitions. The school participated in the Aventus event conducted by The Bishop's School, Kalyaninagar, where Soham Jadhav of Class X brought laurels to the school by winning the first prize in the Loudspeaker event, which was an elocution competition.

All these activities and events were smoothly conducted due to the concerted efforts of the teachers of the English Department who performed their duties efficiently.

Sumita Ghose
HoD (English)

Positive Parenting



Positive parenting enhances love, openness and understanding in the relationship between parents and their child. It also ensures that the child develops all the right qualities.

1. Happy and loving family- A happy family is the most comfortable ground for children to grow up and become successful people. Good family relationships help your children feel secure and loved. They help you feel good too. To make your family a happy and loving one, encourage each member to understand and take care of each other. Inspire them to express their love and respect for each other and spend time together.
2. Unconditional love- Your love should not depend on your mood or on your child's achievements. Love them even when they make mistakes or fails at something. Give lots of hugs and kisses. The positive effects of unconditional love, includes high self-esteem, emotional health and positive self-worth.
3. Reasonable expectations- Your child is an individual. Look at your child's strengths and weakness, interests and talents. Each child is unique. Don't set your expectations based on your dreams. Be clear and consistent. Every child has his or her interests and potentials. Encourage them to enhance their strengths and improve upon weaknesses. Do not pressurize and compare them with other children. Try to keep your expectations realistic
4. Appreciation- Shower genuine praises on your child. Appreciate their efforts and do not focus too much on what the child is doing wrong. Avoid labeling your child as shy,

slow, naughty. A child's greatest emotional need is to feel appreciated. A valuable boost to a child's self-esteem can be attained when you appreciate your child and motivate them. In life, to have healthy self-esteem and self-confidence, we all need appreciation and motivation. Growing kids need a lot more motivation and appreciation for self-confidence than we adults do.

5. Communication- Positive communication is about making the time to listen to each other, listening without judgment, and being open to expressing your own thoughts and feelings. When you have positive communication in your family, it helps everybody feel understood, respected and valued, and this strengthens your relationships. Your child learns how to communicate by watching you carefully. When you talk with your child (and others) in a respectful way, this gives a powerful message about positive communication. Not all communication happens in words, so it's important to pay attention to the feelings that your child expresses non-verbally. Communicating well with children improves your bond with them, and encourages them to listen to you.

6. Give freedom- Let your child makes choices and takes decisions. Give them the freedom to think and dream big. Instead of overprotecting, allow them to behave like a child.

Let them be what they want to be. By allowing your children to have input in some of the minor decisions, they can begin to feel important and have confidence in their abilities to do so.

Everyone wants to feel like they play an important role in the family. By allowing your children to help decide for example- entertainment or snack types, you give them a place in the family where they realize their voices are heard. Child needs to learn that not all decisions have a good and positive outcome and we learn from this process to make better decisions next time.

7. Let your child learn from failures-As a parent, it's difficult to see your child try something and fail. But failure can be a great teacher. Let your child make mistakes and take small risks. If they are allowed to face disappointments sometimes, they will learn to handle situations. Always express your trust in them to make them courageous and face the world.

8. No punishments- Never hit the child or try to discipline them in anger. When the term discipline is used, it is often in a sense that implies punishment. Discipline always has a silent "self" in front of it because it's about controlling yourself also. If the child is stubborn, throws tantrums and refuses to listen, divert their attention. Logically explain the impact of child's actions. Be firm but polite. We want our children to do the right things. We need to help our children to develop self-discipline, but always remember one thing" How would you want to be treated if you were in your child's position?"

9. Time investment- Quality time is more important than quantity time. Quality family time can happen anywhere. It's about making the most of the time you spend together. A hug, a kiss or a pat on the back can do wonders. Make sure that both the parents spend quality time with the child. One of the best and most obvious things about spending quality time with your child is developing stronger relationships or a strong bond with the child.

And remember-

There are little eyes upon you and they're watching night and day;

There are little ears that quickly take in every word you say;

There are little hands all eager to do everything you do;

And a little child who's dreaming of the day he will be like you.

Believe in yourself, and believe in your child. Be a role model.

Do not worry that your child is not listening to you, worry that the child is watching you. Fill your life with happy moments and enjoy it to the fullest, make the most of childhood, parenthood and life.

COUNSELLING DEPT

Science Department

A rainbow is the product of physics working for your appreciation of beauty; and this year the Science department worked towards making the students realise this.

This year the teachers from the Primary and the Secondary sections worked towards experimenting with methods to differentiate instruction in class. The aim was to address the diverse learning styles and infuse an element of fun in a

technical subject like Science. The teachers read and searched on differentiation techniques, implemented the same in class and discussed the methods with the others by providing their feedback. Some of the methods implemented



the same in class and discussed the methods with the others by providing their feedback. the methods and discussed were Learning stations, Choice grids, Peer tutoring, Role plays, Experiential learning through challenges given to students and demonstrations.

The science fair 'Drishtikon', was based on Applied Science. The students explained the science behind every day phenomenon and objects in the most interesting and creative manner which the invited dignitary, teachers, students and parents enjoyed and also participated in. Some of the themes covered were Sports and Science, science behind some of the historical monuments like



the Singing Pillars of Hampi, Science of Everyday Things like simple machines, shares and stock market, currency exchange and

games based on Science, Maths and Computers.

On the horizon are creative, yet effective revision activities and Sci-Pi, a Maths integrated challenge.

Looking forward to another year of activities and challenges.

Fiona Rozario

HOD, Science Department

Department of Mathematics Annual Report Academic Year 2022-23

Mathematics has great practical value. Everyone uses it in every form of life. It makes immense contribution, both directly and indirectly, to the development of all occupations. It disciplines the mind. It develops thinking and reasoning power.

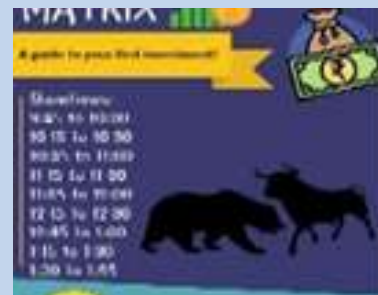
Keeping the above values in mind, Department of Mathematics worked diligently towards achieving the set objectives.



For primary level house wise Bingo activity and Fractions in daily life . using food material like chapati, fruits, chocolates, peanuts etc. was conducted.

During science exhibition a big chunk of concepts related to mathematics like "Make My trip, Money Matters, Make Your Money work, Unsung Mathematician" was taken to give the gist of application of mathematics in day-to-day life.





Positive involvement of students, mathematisation of their thoughts and construction of the concepts with the scaffolding by teachers have motivated the mathematics department to continue this kind of experiments for the next academic year too.

Cell meeting which was conducted on 24th August 2022 and 17th November 2022 was attended by mathematics department teachers to get the updates regarding CISCE syllabus and the approach expected. The gist and learnings of the workshop conducted by Padma Prabhu was briefly given to all the teachers teaching Mathematics. Few teachers attended webinar on 4th August 2022 conducted by Rajeswari Subramanian on "Teaching Math Using Visualisation"



Mathematic department meeting was conducted once in every month where in teacher^b shared their ideas of different techniques of teaching and learning through microteaching as well as discussion. Teachers

discussed their take aways from various webinars, cell meeting and workshops they have attended. Teachers

discussed the books to be referred as text book after studying various books of different publications in detail. Department conducted regular tests and activities and evaluated students' performance in class interaction, submission of assignments, presentations etc.

Ms. Laxmi Kamath
HOD (Mathematic Department)

Annual Sports Day Report - Primary Section

The Annual Sport event, 'Spoorti' for Std I to V was held on Friday, 16th December, 2022 and Saturday, 17th December, 2022 at Pawar Public School, Hadapsar with great zeal and enthusiasm. The programme began



with the lighting of the torch, which represents the endeavour for protection and the struggle for victory; it also

symbolizes the light of spirit, knowledge and life. This torch was relayed all around by the selected students The Annual Sport event, 'Spoorti' for Std I to V was held on Friday, 16th December, 2022 and Saturday, 17th December, 2022 at Pawar Public School, Hadapsar with great zeal and enthusiasm. The programme began with the lighting of the torch, which represents the endeavour for protection and the struggle for victory; it also symbolizes the light of spirit, knowledge and life. This torch was relayed all around before being placed on its

stand near the sstage. The Principal declared the Sports meet open by releasing the balloons along with the torch bearers, the HM and the coordinator. The torch bearers represented it true to the spirit and passed on the flame of peace and harmony that lit up the school premises. The Principal, Mr. Devendra Kumar motivated the students and encouraged them to exhibit a fair play. The programme began with a mesmerizing chicken dance by the students of std I and II. The students of Std. III, IV and V took the painstaking efforts for their Taekwondo and Lazim displays. The various formations and strength demonstrations were the eye catching moments during these presentations. Parents applauded for that extravaganza and the efforts taken by the teachers in shaping up the students. The Pawar Public School's 'Music Band' students exhibited a wonderful show that revealed their sense of discipline and dedication towards their skills. The most awaited moment! The final races for 100 metre running, 4 x 50 metres Relay Race and Obstacle Races were conducted with great enthusiasm among the students as well as parents. Students played fair and earned points for their respective houses. 'Gold medals are not made of gold. They are made of sweat, determination and a hard to find alloy called guts was proved right by the athletes and it was time to honour them. The parents witnessed their wards being felicitated and their happiness knew no bounds. .



The student of std. V expressed his gratitude towards the parents, teachers, students and the supporting staff for devoting their time through the 'Vote of Thanks'. The programme concluded with the proud tune of the National Anthem.

Annual Sports Day Report -Secondary Section

If there is one field of life which teaches us the most valuable lessons about perseverance, patience in fact what constitutes a perfect character, it is sports.



This particular event develops a sense of friendliness among the children and matures their team spirit. It helps children to develop mental and physical toughness.

Pawar Public School believes that sports is an integral part of education and therefore children are taught various sorts of games and gross motor skills in very early stages to keep their value in life.

After a hiatus of two years due to the lingering fear of the COVID-19 pandemic, the school organized one of its most signature events, SPOORTHI on 22nd and 23rd December 2022 .



The meet commenced with the torch lighting by the students who have represented the school in SGFI and Nationals from the four houses namely- Himalaya, Sahyadri, Vindhya and Nilgiri followed by the declaration of the Sport meet open by the Principal Mr. Devendra Kumar.



Fun time with Relay Race , Obstacle Race and Tug- of- War between the teaching and the non- teaching staff added to the enjoyment. Kho-kho, Kabaddi amongst others made it a thrilling experience for children and their teachers. The winners who made it to the victory stand felt proud of being awarded the medals and certificates and appreciation from the Principal Mr. Devendra Kumar , Head Mistress Ms. Nitta Grover and also from the Coordinators Ms. Maya Ghule and Ms. Ritu Saxena.



At the end of the day, students departed with a clear smile on their faces as the Himalaya House emerged as House Champions. It was a day filled with sportsmanship, enthusiasm and memories to cherish.

E-MUN Virtuous Reflections



The 3rd Edition of the e-MUN Virtuous Reflections was hosted by Pawar Public School Amanora, on the 25th and 26th of June, 2022. Though the pandemic may have left an impact on our daily lives, this year brings with it new opportunities and challenges. The session was inaugurated by Mr. Devendra Kumar (Principal, Pawar Public School, Hadapsar) and Ms. Reema Bhattacharjee (Head Mistress for the secondary section).

This MUN witnessed a participation of 55 students from schools all over Pune, who were divided into four committees (UNGA SOCHUM, UNEP, WTO and the IP). It provided a wonderful platform to enhance leadership, diplomacy, analytical thinking, and many more skills. This served as a stepping-stone for the amateur delegates to participate in many such events in the years to come. This conference helped the students to discover their skills and ambitions.

अहवाल – विषय मराठी (शैक्षणिक वर्ष- २०२२-२३)

दूरसंचार प्रणालीद्वारे शिक्षण देणे हळू हळू बंद झाले व हसत खेळत सर्व विद्यार्थी प्रत्यक्ष शाळेत आले. भाषेची उद्दिष्टे श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन साध्य व्हावीत व विद्यार्थ्यांमध्ये उपजतच असणा-या निरीक्षण, निवेदन, संकलन, सादरीकरण आदी क्षमतांचा विकास घडावा यासाठी मराठी विषय शिक्षकांनी नियोजनपूर्वक प्रयत्न केले.



बैठक- प्रत्येक महिन्यामध्ये मराठी विभागाची बैठक होते. विचारांची देवाण घेवाण, समस्या निराकरण केले जाते. याचवेळी नियोजना प्रमाणे शिक्षक सूक्ष्म अध्यापन करतात. त्यामुळे एखादा पाठ्यघटक रंजकपणे कसा शिकवावा यासाठी नवनवीन कल्पना, युक्त्या यांचा वापर कसा करावा यावर चर्चा केली जाते. मराठी फलक लेखन हा सर्व शिक्षक व विद्यार्थ्यांसाठी कुतूहलाचा विषय असतो. नवनवीन माहिती, सामान्यज्ञान यासोबतच विविध भाषिक खेळ, कथा- कविता नियोजित फळ्यावर लिहिल्या जातात. यात शिक्षकांसोबत विद्यार्थी देखील आपला सहभाग नोंदवतात.



बैठक- प्रत्येक महिन्यामध्ये मराठी विभागाची बैठक होते. विचारांची देवाण घेवाण, समस्या निराकरण केले जाते. याचवेळी नियोजना प्रमाणे शिक्षक सूक्ष्म अध्यापन करतात. त्यामुळे एखादा पाठ्यघटक रंजकपणे कसा शिकवावा यासाठी नवनवीन कल्पना, युक्त्या यांचा वापर कसा करावा यावर चर्चा केली जाते. मराठी फलक लेखन हा सर्व शिक्षक व विद्यार्थ्यांसाठी कुतूहलाचा विषय असतो. नवनवीन माहिती, सामान्यज्ञान यासोबतच विविध भाषिक खेळ, कथा- कविता नियोजित फळ्यावर लिहिल्या जातात. यात शिक्षकांसोबत विद्यार्थी देखील आपला सहभाग नोंदवतात.



आय. सी. एस. ई. बैठक - शिक्षकांना योग्य मार्गदर्शन मिळावे यासाठी आय. सी. एस. ई मंडळाच्या मराठी विभागाकडून समन्वयिका सौ. आशा कुशारे यांनी दूरसंचार प्रणालीद्वारे बैठक घेतली. महाराष्ट्र सरकारच्या नवीन नियमाप्रमाणे द्वितीय भाषा व तृतीय भाषेसाठी कोणती पुस्तके शाळेत वापरावीत यावर मार्गदर्शन केले. इयत्ता दहावी साठी परीक्षा व प्रश्न पत्रिकेचे स्वरूप समजावण्यात आले. इतरही घटकांवर चर्चा झाली.



Ms. Abira Mishra, the Principal of PICT Model School, was the guest of honor for the closing ceremony. Speaking on the occasion she told the students the three things she wants them to take away from this MUN should be the importance of questioning, cooperative learning and respect for differences. She wished that the students can consider to represent the country in the United Nations as a career option in the near future. She also appreciated and thanked the educators for organising and training the students. As the session concluded the winners for Best Delegate, High Commendation, Special Mention and Verbal Mention from different committees were declared. There was an award each, for Best IP and Verbal Mention for the International Press.

This MUN has helped the students to explore their strengths, empower themselves to face challenges and become responsible citizens. The 3rd Edition of the e-MUN Virtuous Reflections was immensely successful with the determination and hard work put in by the entire secretariat.

Ms. Afreen Shaikh.

Facilitator, Pawar Public School.

उपक्रम - प्राथमिक व माध्यमिक विभागात पाठ्यघटकांवर आधारित उपक्रम वर्गात राबविले गेले. भाषा विषयाशी इतर विषयांशी सांगड घातली गेली. कविता लेखन, नाट्यछटा, कारागिरी, दगडावरील रंगकाम, मातीच्या भांड्यांवर वारली रंगकाम, घोषवाक्य लेखन, तक्ते, विविध खाद्य पदार्थ तयार करणे इत्यादी उपक्रम राबविले गेले. विज्ञान प्रदर्शनाच्या उद्घाटन प्रसंगी विद्यार्थ्यांनी विज्ञानावर आधारित स्वलिखित भारुड सादर केले जे विशेष कौतुकाचा भाग ठरले. मराठी तृतीय भाषा शिकणे विद्यार्थ्यांना रंजक व्हावे यासाठी विविध शैक्षणिक साहित्याचा व नवनवीन तंत्रज्ञानाचा वापर केला जातो.



जतन व संवर्धन संस्कृतीचे - आपली संस्कृती, परंपरा याची विद्यार्थ्यांना माहिती व्हावी यासाठी शाळेत भोंडल्याचे आयोजन करण्यात आले. विद्यार्थ्यांनी व शिक्षकांनी मोठ्या उत्साहात यात भाग घेतला. मराठी विभागातर्फे माध्यमिक विभागासाठी गटनिहाय पोवाडा गायन स्पर्धा व लोकनृत्य स्पर्धा घेण्यात आली.

महिना उपक्रमांचा - मराठी भाषा दिनाचे औचित्य साधून फेब्रुवारी हा महिना मराठी उपक्रमांचा महिना आहे. यामध्ये इयत्तेनुसार विविध उपक्रम व स्पर्धांचे आयोजन करण्यात आलेले आहे. त्यामध्ये विद्यार्थ्यांसाठी बडबडगीत, काव्यगायन/वाचन, थोर हुत्तात्मे वेशभूषा व माहिती, वक्तृत्व स्पर्धा, कथाकथन, स्वलिखित कविता सादरीकरण, पथनाट्य, मुलाखत लेखन, अभिवाचन अशा स्पर्धा होणार आहेत.

डॉ. उज्वला काळभोर
मराठी विभागप्रमुख

हिन्दी प्रतिवेदन (2022-2023) जीवन भर है सीखना, जिस मानव का ध्येय। लड़े किसी रणक्षेत्र में, रहता सदा अजेय॥

कार्यशाला

काउंसिल द्वारा 8 अगस्त, 2022 को नवीनतम प्रश्नपत्र व आंतरिक मूल्यांकन पद्धति पर चर्चा करने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें

श्रीमती रचना सूरी एवं श्रीमान नरेंद्र कुंभार ने भाग लिया।

सूक्ष्म शिक्षण

हावर्ड गार्डनर के बहु-प्रतिभा सिद्धान्त के अनुसार प्रत्येक बालक में अनेक प्रकार की प्रतिभाएँ होती हैं, उनके अंदर छिपी इन प्रतिभाओं को निखारने व विकसित करने हेतु विभिन्न शिक्षण पद्धतियों का प्रयोग किया जाना चाहिए। हिन्दी विभाग के शिक्षकों द्वारा पठन-पाठन की प्रक्रिया को उत्साहवर्धक, प्रभावी एवं सार्थक बनाने हेतु प्रत्येक माह नवीनतम शिक्षण पद्धतियों का प्रयोग करते हुए सूक्ष्म शिक्षण किया गया। इससे सभी शिक्षक विभिन्न आधुनिक, समसामयिक व प्रासंगिक पद्धतियों से अवगत हुए।



पुस्तक समीक्षा

हिन्दी विभाग के शिक्षकों द्वारा सुप्रसिद्ध लेखकों की पुस्तक समीक्षा की गई। इस गतिविधि के माध्यम से शिक्षक महान लेखकों के विचारों, उनके संदेश व उनकी भाषा शैली से परिचित होने में समर्थ रहे। वे उनकी बहुचर्चित पुस्तकों को पढ़ने के लिए प्रेरित हुए।



उपलब्धियाँ

विद्यालय की दो छात्राओं, सुश्री भारवि पोपट और सुश्री आयुष्मा लेकुले द्वारा देवकीनंदन अंतर्विद्यालय वादविवाद प्रतिस्पर्धा में भाग लिया, जिसका विषय था- 'जीवन में सफलता के लिए मेहनत से ज़्यादा भाग्य महत्वपूर्ण है।' उन्होंने इस प्रतिस्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त करके हमें गौरवान्वित किया।



गतिविधियाँ

भाषा एक ऐसा साधन है, जिसके द्वारा हम अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करते हैं। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमें भाषा कौशल एवं जाँच-पड़ताल, तर्क, संप्रेषण जैसे अनेक कौशलों की आवश्यकता होती है। देश की संस्कृति, रीति-रिवाज, खान-पान, रहन-सहन, वेश-भूषा, जीवन मूल्यों की पहचान और भाषा प्रयोग आदि से रूबरू करवाना भी भाषा की ही ज़िम्मेदारी है। अतः हिंदी सीखने-सिखाने का दायरा इतना व्यापक होना चाहिए कि भाषा के सभी सहायक तत्वों से उसका संबंध निरंतर बना रहे।

हिंदी शिक्षण में वे तत्व अवश्य निहित होने चाहिए जो आवश्यक मूल्यों का पूर्ण रूप से संचार करें। मूल्यों की शिक्षा किसी विषय के रूप में पढ़ाकर या उपदेश



देकर नहीं दी जा सकती बल्कि पठन सामग्री और कक्षा के क्रियाकलाप इस प्रकार नियोजित होने चाहिए कि सच्चाई, ईमानदारी, संवेदनशीलता, सहायता, सहयोग, कल्याण भावना, सेवा-कार्य जैसे मूल्य निष्पादित हो सकें। उपयुक्त विषयों, कथानकों और जीवनियों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम और नाटकों का आयोजन करके छात्रों में नैतिक मूल्यों का विकास किया गया।



भाषिक खेलों, गतिविधियों और क्रिया-कलापों के द्वारा बच्चों को जीवन कौशलों को विकसित करने का अवसर प्रदान किया गया, जैसे समस्या निवारण, आलोचनात्मक सोच, संप्रेषण, आत्म चेतना, तनाव से विचलित न होना, निर्णय लेना, सहानुभूति आदि। इस प्रकार सफल जीवन जीने तथा एक ज़िम्मेदार नागरिक बनने के लिए महत्वपूर्ण कौशलों व मूल्यों का संचार करके बच्चों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया गया।

श्रीमती रचना सूरी
विभागाध्यक्षा
हिन्दी विभाग

SST Report 2022-2023

“The Secret of making progress is getting started.”

Activity based learning facilitates students to learn self-direction and develop critical thinking skills for problem solving at all levels of education.

Cell Meetings:

The cell meetings were conducted by the Council which was attended by our teachers. The reduction of syllabus and examination pattern was addressed in the meetings. History Cell Meeting was conducted on 28th September, 2022 by Ms. Rashmi Ramesh. It was attended by Ms. Taniya Mukherjee. Geography Cell meeting was conducted on 20th October, 2022 by Ms. Reshma Gomendes and Ms. Sulochana Devi. It was attended by Ms. Madhumita Shaw.

Activity Galore:

The SST Activity month had various activities which were conducted from 2nd August to 29th August. Students from Std III to Std X participated with full gusto and zeal.

An inter house Quiz competition was organized for Classes IV and V. The theme was India. This event witnessed enthusiastic preparation by the students.

A Fancy Dress Competition was conducted for the students of Std III on the theme of Freedom Fighters of India. Students dressed as Freedom fighters and showcased their versatility. It was a delight from the beginning to the end to watch them in an array of glittering costumes. They prepared themselves by sharing information about the characters they depicted. What mattered the most in these competitions is that they enjoyed participating.



A Snakes and Ladders activity was conducted for classes VI based on States and their Capitals. This method of gamification enabled the students to learn the concept effectively with more enthusiasm and fun.

Gibberish activity was conducted for class VII based on topics in History and Civics.

Students were able to communicate ideas beyond and through this it helped break the pattern of continual verbalization.

A Crossword Activity was conducted for class VII, where the students were encouraged to solve the crossword based on the History, Geography and Civics syllabus, it proved to be an excellent way to stimulate their thinking process and challenge themselves to apply what they have learnt.

A Taboo activity was conducted for class IX based on the History and Geography chapters of Term-I.

Through this activity students were able to enhance their vocabulary, It helped the students recapitulate the content in a more congenial way.

The What's the Good Word Activity which was executed for class X enabled the students to understand each other's ideas better and to have a satisfaction of getting their thoughts across more effectively.



Teachers also conducted quizzes, role plays and mock tests as a part of their revision and recapitulation.

Micro-Teaching:

Micro-teaching sessions were conducted every month by the teachers of the department according to a given schedule to share the variety of teaching techniques. This helped improve intellectual skills and interaction. It also helped in developing the efficiency in teaching a particular topic.

Department Meetings:

Every month a departmental meeting was held to discuss various aspects of teaching, question paper pattern, marks allocations and execution of activities.

Naomi Solanki.

Head of Department

Social Science.

Report on a Training Session by Lead Innovation

'Education is a universal human being right, essential to bridge the gaps in human well- being, equity and opportunity.'

Gina Cosentino.

A very impactful session on bridging gaps of students' education was hosted by Ms. Ashlesha Thakur, a passionate trainer with a strong belief in empowerment of students' education, the CEO and the founder of Lead Innovation with full of enthusiasm and creative activities..

The session was held on 13th August,2022 at the Multipurpose Hall in Pawar Public School. The session began with the brainstorming 'Bingo' activity where teachers interacted a lot and got to know each other with a new identity. A proven strategist Ms. Ashlesha Thakur focused on important points like learning gaps between online and offline education and making learning a fun.

'Student Agency' a new concept brought up during the session where students will be self- reliant for their own learning.. Different aspects of Active Learning, Collaborative Learning, Higher Order Thinking skills, Differentiative Instructions were discussed in brief.

The session was then fragmented into two parts. In the first half, the Math , Science and Computer teachers discussed about Question paper analysis and benefitted from the new learning , that is,. Types of Errors [Conceptual, Grammatical etc.]. The techniques of attention grabbers to avoid monotonous

teaching learning were also practiced. The importance of multilingual approach in teaching learning process was made very clear to us. A demonstrative practical on reading comprehension and assessment of comprehension were held where teachers experimented and analyzed the comprehension attempted by the students. The practicality of adopting Flipped Learning was thoroughly discussed. The specific levels of reading comprehension such as Literal, Interpretive and Evaluative or Critical Reading were also made easier to understand.

Towards the end, a strong affirmation was made on empowering students' education with the proud and loud voice by the teachers. The vote of thanks was proposed by Ms. Sukanya with the perfect sense of gratitude towards the speaker and teachers. The honourable host Ms. Ashlesha Thakur was then felicitated by the Principal Mr. Devendra Kumar.

It was an interactive, informative and thought-provoking session.

Ms. Deepali Bhandari.

Annual Report On Computer Department Year 2022-2023



During the academic year 2022-2023 many activities and events were organized. The event TECH CHASERS was a huge success. Student participation was overwhelming and enthusiastic. In the other Inter School competitions too, the students came out with flying colours winning prizes.

In the first term, the students of Std. VI to VIII had made a PowerPoint presentation on new technology. Peer Tutoring was done based on the prescribed syllabus by std. IX and X. The students confidently introduced the subjects and responded to the peers' queries. The students' confidence was boosted by this activity, which also taught them how to think critically, do independent research, and use technology effectively.

The students of std. V to IX had enthusiastically participated in creating Billing software, ATM Machine, Make My Trip Website, 3D Games, Photo Editing, Uses of Canva.com and many more such projects for the Science Exhibition.



The Inter-School Compuskills Championship was organized by Acharya Shree Vijay Vallabh School, Pune. Miss Sneha Patil and Miss Vritti Kamble of Std. VI A won cash prizes and trophies for the best creativity in Scratch Programming.

The Inter-School Compuskills Championship was organized by Acharya Shree Vijay Vallabh School, Pune. Miss Sneha Patil and Miss Vritti Kamble of Std. VI A won cash prizes and trophies for the best creativity in Scratch Programming.



The Inter-House 'TECH CHASERS' IT Competition was conducted on 16th December, 2022 for std. VI to VIII and 19th December, 2022 for std. III to V.

The Inter-House 'TECH CHASERS' IT Competition was conducted on 16th December, 2022 for std. VI to VIII and 19th December, 2022 for std. III to V. The motive of organizing it to expose and enhance student's practical understanding of the subject matter by providing a platform to practice. It helps students to become successful, build teamwork, and assist in improving their skills.

The competition was based on the theme 'Artificial Intelligence'. The students from std. III to std. VIII presented various applications using MS Paint, MS Word, Scratch Programming, HTML and MS PowerPoint.



Computer as a subject arouses interest among most of the students. It is the duty of the computer department faculty to keep this interest alive. We have worked as a team throughout the year and achieved success when

students of the ICSE 2022 batch scored 100% in the Computer Applications. We will strive to keep up the hard work and dedication for innovative teaching methods.

Sarika Kulkarni
(HOD Computer Department)

A SESSION ON 'SAVE SOIL'

'The soil is the great connector of our lives, source and destination of all. Without proper care for it, we can have no life.' - Wendell Berry.

As we are on the brink of 'soil extinction', we need to take corrective measures to renew and conserve the soil. The consequences in the next 25 years would be disastrous. Water depletion is visible but the soil erosion is not. We are terribly unaware of how impoverished our soil is. With the great thought of soil conservation, a session on 'Save Soil' was held on Tuesday, 19th April, 2022 for the students of Std. 5, 6 and 7 in the Multi-Purpose Hall. Mr. Pratap Survase - Member of Isha Foundation, Mr. Charuhas Damale- All round personality in the fields of Music, Cartoon fame also the member of Isha Foundation, accompanied by Ms. Gitanjali Gupta hosted the session.

The students were enlightened on the need of soil conservation and the importance of the same. The difference between water depletion and water pollution was made very clear to the students. The important points like Role of microbes and importance of topsoil layer were discussed. Students were asked questions based on the video shown to them. Students enthusiastically answered the questions. Emphasis on strong policies for the soil conservation and involvement of the Government for the same cause were brought up skillfully in this session. Students were assigned a task to write a letter to our honourable Prime Minister to adopt strong policies for soil conservation. They need to write the letter either on a postcard or a plain sheet of paper, submit the same to the respective Class Teachers before 26th April, 2022.



Students learnt a lot from this session and advertised the slogans based on Save Soil. Overall, it was an interactive, informative and effective session for students to create awareness about the importance of soil conservation for the present and future generations.

Ms. Deepali Bhandari.

ANIMAL FASHION SHOW



Students of Jr.Kg held the Animal Fashion show on Friday, 30th September, 2022. Students were excited for the fashion show. Our shining stars beautifully dressed up as animals panda, tiger, giraffe, butterfly, rabbit, bear, goat, monkey, lion, cat, etc..

They were very enthusiastic while performing the fashion show. The students from both the batches performed well. They confidently expressed themselves as the animals they were dressed as.

This activity gave our little ones a deeper understanding about different types of animals, how to take care of them and how they are important to us in our day to day life.



COMMUNITY HELPER

The Community helper activity was organized in Pawar Public School for the students of Jr Kg on 26th August, 2022. In their respective classes. The students were dressed as different community helpers and enacted the character. All the students performed very beautifully.

Everyone was dressed as a community helper and enacted their character perfectly. They dressed up as different helpers like doctors, soldiers, teachers, farmer, etc. and spoke a few lines on their respective character. Students from all six sections eagerly participated in this activity.



Through this activity the students were able to bring out their hidden talents. They also learned the importance of community helpers and their impact on the life.

Fruit Salad Activity



"A healthy outside starts from the inside" To imbibe this thought, the Salad Making Activity was conducted by the Junior Kg. Class in Pawar Public School, Hadapsar, Pune on 29th July, 2022. It helped the reinforcement of the importance of fruits and how it nourishes us to keep our body and mind healthy.

The students were explained that the fruits have their own benefits, some keep us hydrated, some make our bones stronger, some give us fibre and they reduce the risk of diseases. So the children should eat at least few pieces of fruits daily and avoid junk food. The children had come with a variety of their favourite fruits, washed and chopped for the Fruit Salad Activity. They were explained how we get fruits—from the market, gardens and orchards. The importance of washing and peeling the fruits was explained. A few fruits are cut and eaten without peeling. Thereafter the sweet and citrus fruits were mixed and nuts were also added, chat masala, lemon, and salt made it a yummy fruit salad.



The reinforcement of the texture of the fruit, single and multiple seeds, seedless fruits was done, whether the fruit is eaten raw or cooked and what are ripe fruits and the various preparations from the fruits was discussed.

The children were excited to wear the master chef caps and it was pleasant to see the little chefs mixing the ingredients and preparing the delicious salad.



The activity was very fruitful and aroused the children's interest in fruits and eating all types of fruits.

Puppet Show – Junior Kg



Puppetry is a form of theater or performance that involves the manipulation of puppets by a human called the puppeteer. Puppets are extremely versatile. Puppets can model all types of manners and emotions, giving children a way to relate and understand a variety of different behaviours. Feelings such as patience, understanding, acceptance, self-control, and empathy can be addressed and explored through a puppet show. They are wonderful tools to trigger the attention of early learners and increase the motivation of students.

Keeping in mind the enormous benefits of a puppet show, the preprimary teachers put up a splendid puppet show on Friday 8th April, 2022. The show was graced by the presence of our Principal Mr. Devendra Kumar and the Headmistress Mrs. Nitta Grover.

The children got to watch and enjoy the story of 'Little Red Riding hood' unfolding before their eyes. Fascinating puppets made the kids jump in excitement during the show. They were thrilled when the puppets talked and moved.



The puppet show not only entertained the little hearts but also taught them a lesson 'Never talk to Strangers' and 'Always listen to your elders'.

Children were wonderstruck while watching puppets perform before them. The squeals and the laughter of the students was the proof of the joy and fun they experienced during the show. The whole show was undoubtedly, a visual treat for all.

Grandparents Day

"Grandparents hold our hands for just a little while, but our hearts forever".

Grandparents help teach family culture, tradition and history. There's no doubt about it, that grandparents are valuable in the lives of their grandchildren and play an integral role. Grandparent's day was celebrated at Pawar Public School on Thursday, 30th June, 2022.

The students and teachers of Jr.Kg were prepped for the event which was held in two batches that ran from 9:00 a.m. to 10.00 a.m. and 12.00 noon to 1:00p.m.



Students as well as grandparents actively took part in the Grandparent's Day Celebration. The guests were embraced with a welcome song, the Principal's address, followed with games. There were activities planned starting with Four Corners and then Guessing the song. The winners were awarded with gifts.

Gatherings and celebrations were not possible due to the Covid pandemic. After a lapse of two years this was an excellent effort by the entire team of Jr.Kg to make this event memorable.

The grandparents expressed their gratitude and love towards the teachers and commented on how special they felt. Grandparents Day was a memorable one for the children as well as the grandparents, who left with happy memories, loads of appreciation and heaps of blessings to the school and its staff.



The efforts put in by school were colossally appreciated by the parents.

Kudos to the whole team for boosting the morale of the Grandparents! All-in-all it was a beautiful and blessed morning with Love All Around !

Show and Tell Activity – Transport



Many of us have fond childhood memories of bringing our beloved items to school and showing them to our classmates.

Show and tell activity was conducted on Friday 16th December, 2022 in the classroom. The activity was related to the monthly theme – Transport.



All the children were very excited to show their favourite toy vehicle. They spoke well and confidently about their favourite toy.

Show and tell helps the children to build effective communication and listening skills that are essential for a young child's learning. This activity is a fun way of learning that will serve as a solid foundation for future learning.



Animals Fashion Show



Animals Fashion Show for the children of Nursery was conducted on 15th December, 2022. The purpose of conducting this Fashion Show was not only to blend learning with fun but also to develop confidence in the students by giving them an opportunity to get on the stage and speak in front of an audience.

Children came dressed up in their colourful Animals costumes and spoke few lines about the Animals which they had dressed as. The effort and hard work of children and the parents were highly commendable.

Students displayed their talents on their theme in a very unique and cheerful manner. They were smartly dressed and participated with much enthusiasm and enthralled everybody with their endearing act.

Std 1 -Math Bingo Activity





Yes, Math can and should be enjoyable...lots of fun at times. A math bingo game turns learning math into an exciting experience kids will love and they'll keep coming back for more! The Math Bingo activity was held on 8th June 2022 in all std 1 divisions. The activity was conducted House wise .The teacher distributed the bingo cards to everyone, then teacher asked the questions. The house which got the maximum cross out on their Bingo cards was the winner. Overall the activity was enjoyed by all the students Bingo is a fun and engaging way to learn any math topic! The activity was conducted by Std.1 teachers.

Std II- Math Bingo Activity

MATHEMATICS is not about numbers, equations, computations, and algorithms: it is about UNDERSTANDING"

William Paul Thurston.

A little competition can inspire Math students to greater achievements. It challenges students to use their math skills in a novel and creative way. It also provides a challenging and engaging Mathematical experience i.e., both competitive and educational.

To encourage kids to dive into their independent learning by experiment or by doing, Pawar Public School hosted Math Activities for grade II on 8th June, 2022. Bingo activity was conducted in which the questions were read by the teacher and the answer were given by students. Those who got the answer would tick the box with the same answer. In this way, those who complete the full grid were the winners. In this way, the activity was conducted. Students participated with full interest and enthusiasm. It was a fruitful activity with full enjoyment.

English activity conducted in the month of April, 2022

'Dialogue Reading'

An activity of reading dialogues was conducted in all the sections of Class 3. The activity was based on the first lesson 'The Tale of Two Mice' by Beatrix Potter. Students did the role play of the city mouse, village mouse and the narrator. Students exchanged the dialogues given in the textbook.

The students enjoyed reading the dialogues. It was great fun for them to act as a mouse. Students read the dialogues in groups and enjoyed the activity.

Report on EVS Activity Standard I



Name of the activity: Animal Mask making Activity

Date: 21/12/2022 & 22/12/2022

Class: I (A,B,C,D,E)

Teachers Name: Miss Sayali, Mrs Shilpa, Miss Noorun, Miss Ashita & Mrs Maya

Brief Summary: All the students had prepared mask of various animals. They were very creative and made sure they had used all the house materials. The students came up and spoke about their respective mask for about 2-3 minutes. (I C student spoke for 10 minutes). They were very happy and excited about this activity.

Learning Outcome: They were able to speak fluently for 2-3 minutes without making any mistake. They learned many new things about animals and enjoyed.

Students were able to: Learnt new and difficult words related to the animals. Explained the importance of animals on Earth and significance in our life.

Life Skill: Effective Communication, Self Awareness, Creative Thinking

Report on EVS Activity - Std. I

Name of the activity: House making activity (best out of waste)

Date: 27 and 28 July 2022

Teachers Name: Sayali C., Shilpa B., Noorun I., Ashita A., Maya P.

Brief Summary:

The competition focused on bringing an understanding among the children about preserving the environment by reusing and recycling waste material. Fantabulous ideas were demonstrated using material like newspaper, boxes, coconut shell and so on

Students are learning their new lesson on Our Needs - Shelter. Grade 1 Teachers conducted an inter house competition on 27 and 28 July 2022. It was conducted house wise. All the instructions and rules about this activity was communicated to the students and parents well in advance through message center. Students were judged on the basis of their conceptual understanding on Shelter topic. Students had made different models of shelter like kutcha house and pucca house. They had brought their houses to school. They were explaining what is kutcha house and pucca house, Different types of houses, where do we find them, different parts of house, different rooms in the house and so on. Each student performed their best.

Learning Outcome:



Students were able to tell about what is a kutcha house and a pucca house.

Life Skills: Creative thinking, self-awareness, kinesthetic photos

Ms. Sayali Chavan

Social Science Activity Report Std-IV

Date: 18th July to 22nd July, 2022

Standard: 4-ABCD

Subject: Social Science

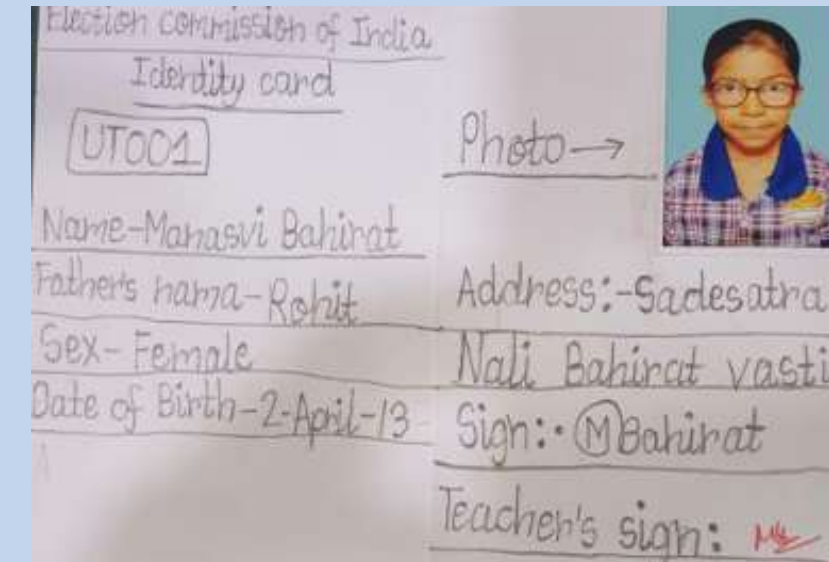
Coordinated by: Ms. Rajitha Reddy, Ms. Manisha Sathe and Ms. Afreen Shaikh

Theme/Event: Voter Identity Card

Voter Identity Card was conducted for class IV during their regular periods.

The purpose of the activity was to inculcate a sense of responsibility towards the country by exercising the duty of voting. Students were able to create their own identity cards using their personal information which is mandatory. They perceived that the identity card is an important document issued by the Government of India.

Ms. Rajitha Reddy



BIRD FEEDER ACTIVITY (Class I-V)



On 29 April 2023, students from classes I to V conducted an activity by putting handmade bird feeders. These bird feeders were put up on trees and different places in the school campus. Most of the bird feeders were made from waste materials lying at students home and reuse of empty plastic bottles.



Arrangements were done for grains and water containers along with the feeders. Students enjoyed this activity as lot of creativity was observed in them while making the feeders. Students collected information of different birds and the ones getting extinct. Importance of saving birds and making arrangements for birds as it becomes difficult for them to find water and grains in the month of May was the main concern. Overall the activity was conducted in smooth and systematic way.

Animal Fashion show



It is much easier to show compassion to animals. They are never wicked- Hail Selassie

Students of Jr.Kg held the Animal Fashion show on Friday, 30th September, 2022. Students were excited for the fashion show. Our shining stars beautifully dressed up as animals panda, tiger, giraffe, butterfly, rabbit, bear, goat, monkey, lion, cat, etc..



They were very enthusiastic while performing the fashion show. The students from both the batches performed well. They confidently expressed themselves as the animals they were dressed as.

This activity gave our little ones a deeper understanding about different types of animals, how to take care of them and how they are important to us in our day to day life.

KHULA AASMAAN ART COMPETITION

15th April is celebrated as World Art Day, it helps to reinforce the link between artistic creations and society, encourages greater awareness of the diversity of artistic expressions and highlights the contribution of artists to the society.

Pawar Public School, Hadpsar, celebrated World Art Day on Wednesday, 13th April, 2022 by organizing 'KHULA AASMAAN' Art Competition" with a lot of zest and pride for students of Classes I to X and the entire school staff. The students were given topics for their drawing. Std.I had Maharashtra as their topic, Std.II Kerala, Std.III Kashmir, Std.IV Punjab, Std.V Rajasthan, Std.VI Ajanta, Std.VII Wildlife, Std.VIII History and Heritage, Std.IX Travel Dairies and Std.X Connecting India. The School staff was asked to draw on any one of the themes from -online school/Offline school, Landscape and Traditional Art. The students and staff enjoyed the competition. The hidden artist in many students and staff got an expression on the drawing sheets provided by the Art Department.

It was not only a relaxing and rejuvenating experience for the teachers and other staff members but also helped them to discover their hidden potential. The artwork encouraged the students and improved understanding of self and developed a greater sense of confidence. Art work by students introduced teachers to varied avenues of students' self-expression and allowed them to use the creative side of their brain.

Ms.Akshada Gaikwad
Art Teacher

Primary Picnic

A picnic is more than eating a meal; it is a pleasurable state of mind.

Our school organized a picnic for the primary classes. The buses were fully packed with students and teachers headed for Prathamesh Resort and Adventure Park for classes I to IV and Sunny's world for class V. The students were extremely excited to reach the destination. All the students kept singing songs in the bus till they reached the venue. After entering the gate, we were welcomed by the resort staff, we all were served with breakfast of idli chutney and poha, the next event was a magic show which all students looked forward to. The magician performed some amazing tricks which both students and teachers enjoyed a lot. Next the students went for the adventure activities and enjoyed a lot. After the activities we all took the students for a bullock cart ride which the students enjoyed a lot. After a tiring and fun packed morning, we all headed for lunch. The dining hall, filled with the fragrance of food triggered our hunger and we all relished multi-cuisine food. The next event was the Dj Dance. All students danced on the floor with great energy on the thumping dance numbers. Even the teachers could not resist the luring temptation of the dance floor. Later the students were allowed to play in the park.

The school buses started homeward journey at about 3:30 p.m. At about 6:30p.m.the buses entered the school campus. The parents had already been waiting for their children. Everyone had a big smile on their faces indicating they had had a great fun. It was a wonderful opportunity for all the children to strengthen their bonds and everyone came back to the school rejuvenated.

Report on Math Activity January 2022 (Primary) Classes I-V

"MATHEMATICS is not about numbers, equations, computations and algorithms: it is about UNDERSTANDING"- William Paul Thurston.

A little competition can inspire Math students to greater achievements. It challenges students to use their math skills in a novel and creative way. It also provides a challenging and engaging Mathematical experience i.e., both competitive and educational.

To encourage kids to dive-in to their independent learning by experiment or by doing. Pawar Public School Hosted Math Activities for grade (I-V). In this activity the innovation was shown by each and every child.

Starting from grade-I where children used creative patterns to make beautiful bookmarks. The idea was to integrate art with math. Children came up with innovative ideas to make their own patterns. They cut the front of appropriate greeting cards into 2-inch-wide strips and punched a hole at the top of each strip and attached a yarn tassel.

Children decorated the backs of the strips with markers and crayons.

Fun bookmarks for kids encourage them to care for their books and maintain them well



Grade II. conducted an activity on 'A Variation in Patterns'

The students were asked to make different Patterns on the floor in their houses using different material like Rangoli colours, flowers (artificial, natural) leaves and other objects available with them. The focus of the session was to develop the young children's ability to spot mathematical patterns and educate them about appropriate rules to understand Patterns.



The students were asked to make different Patterns on the floor in their houses using different material like Rangoli colours, flowers (artificial, natural) leaves and other objects available with them. The focus of the session was to develop the young children's ability to spot mathematical patterns and educate them about appropriate rules to understand Patterns.

As a part of extended learning 'Maths Quiz' was conducted in by students of grade III. Students of all houses from Grade 3 participated in the quiz. Each house was divided equally. There were in all three rounds..

The main objective of the quiz was to encourage children to look beyond their textual knowledge and relieve the tension of their daily work routine. Children exhibited a good team spirit.

Students of grade IV organised an activity on 'Nature of Math'. Symmetry is found everywhere in nature. It is a property when one half of an object or a shape is the mirror image of the other. Students were informed to draw any four objects showing lines of symmetry for each object. By doing this activity students Observe and identify patterns in nature, Understand the lines that divides a shape into two matching halves is called the line of symmetry, explore symmetry in familiar 3D shapes and create a pattern with more than one characteristic.

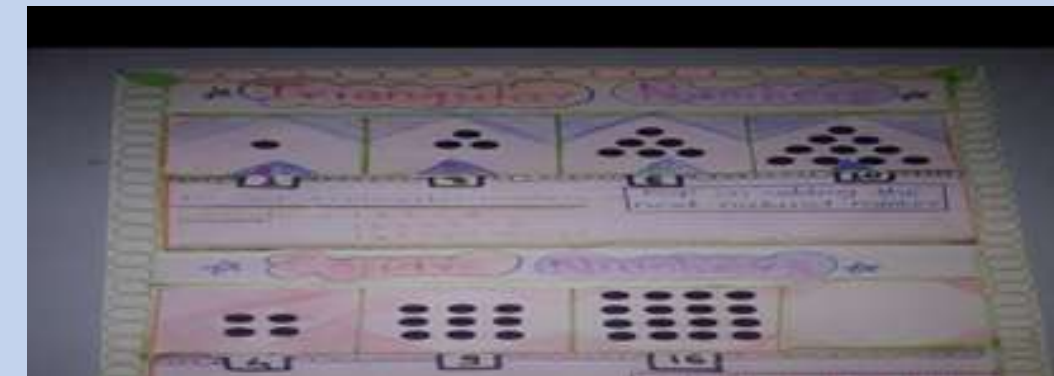
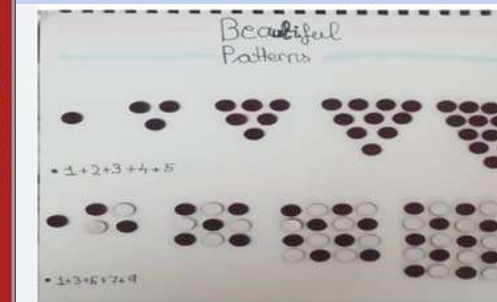
This activity Help the child to apply his/her knowledge for practical purpose and to develop concepts through self-exploration by relating geometrical shapes with real life situations.

Grade V students were asked to create triangular and square to make number patterns, they used binds of different colours to do this activity. They were asked to find out the rule which led to the next pattern in progression.



The basic goals of the math activity like to reinforce knowledge by venturing beyond pen-and-paper approach, to link Mathematics with different subjects and real-life situations and to revise concepts taught in an informal manner .

The event helped the students in identifying their capabilities and motivated them to learn and expand their present knowledge. This activity enhanced the inquisitiveness of the students thereby building confidence, mental prowess, and learning at the same time.



These activities were very well organised and were fruitful. Children participated and enjoyed every second with enthusiasm.

Janmashtami Celebration Report – Pre-Primary Section



The students of the Pre-primary section celebrated the birthday of Lord Krishna with great devotion and enthusiasm on 18th August, 2022. The students of the Pre-Primary section came dressed as Krishna and Radha. The idol of Lord Krishna was placed in a cradle decorated with fresh flowers and was swung by The Principal and Head-mistress. The Govindas (students) were overjoyed to form a pyramid and break the 'Dahi Handi' to grace the occasion. They were overwhelmed to dance to the music. The birth story of Lord Krishna was told to the students and yummy prasad was distributed among them.

This whole occasion brought together signifying unity and faith.



Germination of Seeds



Watching seeds grow is an amazing science lesson for kids as they are very curious about life and growth of living things.

As part of the experiential learning the Germination of seeds activity was conducted in the month of September 2022 with the aim to demonstrate how plants develop from seeds for the students of Sr.KG class. The students germinated the seed in different containers under the guidance of the teacher and noticed the growth over a week's time. It gave them the opportunity to see up close how a seed grows and what was actually happening under the ground. They also learnt about the suitable conditions for a seed to germinate. Their happiness was on the peak when they saw a little plant growing.

The awesome seed growing activity turned out amazingly well, and the students loved watching the plant grow each day.

Sports Day for Senior KG



The Sports Day for Senior KG was celebrated on the 8th and 9th of December, 2022.

The program started at 9:00am. All the students participated with great enthusiasm. The Principal Mr Devendra Kumar inaugurated the Sports Day by lighting the torch. He addressed the students with a motivational speech related to sports and released the balloons and declared the Sports Day Open. The program started with March Past by the students of Senior KG. After the March Past the children performed a dance followed by the pyramids and dribbling the ball. The races like 100 meters, ball dribbling with foam, scoop and ball, globe making with hulla hoop and obstacle race were also conducted for the students of Senior KG.





Activities for parents too were organized. The Prize distribution ceremony took place after all the sports events were conducted. In the end our Principal thanked everyone for their valuable presence and support and congratulated the children for their exceptional performance.

the competition and cheered their houses. Himalaya house team emerged as the winning team.

ANNUAL SPORTS DAY “Spoorti 2022”

**Sport teaches you how to play by the rules,
It shows you how to win and how to lose,
It teaches you how to play as a part of team
And it teaches you how to rely upon yourself.
- Diane Kenny**

Sports day is one of the most favourite events in the school calendar. It is a very important event as it encourages and emphasizes the significance of physical exercise for the students. Physical activity increases the metabolism and is good for health. Playing a sport regularly keeps children fit forever.

During the COVID-19 pandemic, when most of us were reluctant to walk out of our house, we realized the necessity of having Sports Day more than ever. It is more important for children to be as active as possible. Doing physical movements, such as walking or stretching, helps ease muscle strain, relieve mental tension and improve blood circulation and muscle activity.

Keeping this in mind Pawar Public School, Amanora Park Town conducted “e-Spoorti 2021” a virtual Sport’s Day for the Primary section from 16th to 22nd December with great zest.

Sports Day was announced well in advance for students to have ample time to prepare themselves physically and mentally. Various innovative games were planned to focus on the development of the gross motor skills and the mental agility of children.

On the sports Day, students were geared up, wearing their house uniform to, perform the activities.

We planned 3 different activities for each class, out of these 3 activities 2 were physical activities and third activity was the integration with the other subjects like Art and craft, Science in which we asked students to draw and colour, salad making and its importance, etc.

From first 2 activities we selected first 3 winners from boys and girls but for third activity we selected three best students from the class. Rank holders were given e-certificates.

Social Science Activity Report (Std-IV&V) The Interhouse Quiz Competition



The Interhouse Quiz Competition’s final round was held on 4th Aug, 2022 for the students of IV and V in the Multipurpose Hall. This competition helped them to swell the vista of their knowledge and encouraged teamwork. Questions based on India’s culture, heritage and diversity were enquired. Students gave their best in answering the questions. Students of std 4 and 5 witnessed the co

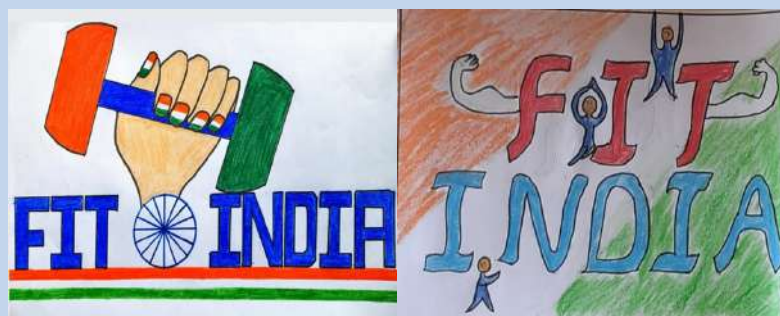
Day 1- 16 December 2022

Standard -V

Activity 1: Throwing Accuracy Activity

Activity 2: Circuit Training- Endurance.

Activity 3: Write "FIT INDIA" in any font and colour it.



Day 2- 17 December 2022

Standard -I

Activity 1: Exchange objects with rolling

Activity 2: Collecting cotton balls with spoon.

Activity 3: Draw and colour Olympic rings.



Day 3- 20 December 2022

Standard -II

Activity 1: Pillow tuck and extension

Activity 2: Collecting the clay balls.

Activity 3: Making Vegetable Salad



Day 4- 21 December 2022

Standard -III

Activity 1: The Avengers Drill

Activity 2: Captain America Hydra Punches.

Activity 3: Making Fruit Salad.



Day 5- 21 December 2022

Standard -IV

Activity 1: Chair Shoulder Tapping

Activity 2: Touches the sky with glory.

Activity 3: Draw and colour the picture of your favourite Sport's person



Parents and teachers encouraged the children by clapping and cheering for them. It was an immense pleasure to see our little champs performing the activities with great energy and enthusiasm.

The main objective of this Annual Sports Day was to bring out the sportsman's spirit in all the students and that was well accomplished.

All the students, parents, and teachers thoroughly enjoyed each day.

Abhay Mahadeo Jagtap

PE Teacher

Pawar Public School.

Events: Round the clock

REPORT – PICNIC

Pawar Public School, Hadapsar had organised an adventurous and thrilling trip to Magic Mountain, Lonavla for the students of class 6 and 7 on 17th December, 2022 and had also planned an educational tour for class 10 students to ADTSIAC Science Innovation and Activity Centre, Baramati on 12th of November, 2022. The students of classes 6 and 7 enjoyed a lot and had a good time with their friends. They all enjoyed the adventurous rides like Z Force, Turbo Force, Super Splash etc. They learnt many new things from the picnic like being together, waiting patiently for the rides to get started etc. The educational tour which was planned for the students of Class 10 was also an amazing tour. The main topics were Science and Social Science. All of them understood the topics clearly with the help of models, props and presentations. They also visited the Peppermint Clothing Textile and gained the knowledge of machines used there. While returning they visited the Sharadchandra Pawar Museum which included ancient weapons, drawings, sport trophies etc. Both the trips turned out to be a huge success and surely will be a memorable one.

Jae Amit Palange
VII D

Journalism - A key to our Bright Future



Let us begin with, What is Journalism?

It is the production and distribution of reports on the interaction of events, facts, ideas, and people that are the "news of the day" and that informs society with at least some degree of accuracy. The word, a noun, applies to the occupation (professional or not), the methods of gathering information, and the organizing literary styles.

Have you wondered about what being a journalist would look like? What skills would you need to be a journalist?

How do journalists do their job?

Or heard that journalism is a dangerous career?

"I still believe that if your aim is to change the world, journalism is a more short-term weapon."

This quote by Tom Stoppard instills in us the importance of journalism and mass communication for a better future. Today, the world is full of corruption, poverty, and health issues, which have not yet been addressed completely. Mass communication is required enormously to make people aware of the circumstances and problems faced by society and collectively find a solution to these problems. Journalism can help us to resolve these issues. By writing articles and catchy stories, we can direct the minds of people toward sustainable living. So, do you think this can be done only by adults? The answer is simply 'no'. Even young students can use their pens to create awareness. An organization called 'Via News Didi' trains children to raise their voices against corrupt practices and spread awareness in society. Our school gave us this golden opportunity to become a part of a 1 - month course organized by them. We filled out a google form which was very interesting and contained 3 situations/topics on which we had to write a short writeup. We were also given a blog site, where we had to read an article as homework for the first day. We were given an email from which we could log in and create our own page, on a website, YouthkiAwaaz.com. This course was full of learning and taught us many things. We were taught how to take effective interviews of people from various classes of society. This increased our curiosity to know different people a lot. We were also told the different parts of an article and how to write interesting stories and articles with refined words and catchy titles.

We came, we quizzed, we conquered !

“Competition gives us energy. It keeps us focused.”

An engrossing and interesting Inter-House Quiz Competition, 'InQUIZitive' was organised by the teachers of Pawar Public School, Hadapsar. It was a healthy competition among all the four houses – Himalaya, Sahyadri, Vindhya and Nilgiri and I was delighted to be a part of it.

Ms. Deepa Srinivasan was the anchor of the event. Ms. Madhumita Shaw was the quizmaster, Ms. Taniya Mukherjee was the scorekeeper and the IT and tech-related work was handled by Ms. Sadaf Khan.

The competition started by welcoming the audience. The anchor briefed us about the rules and flow of questions. All the participants were ready. There were four rounds with sets of 2- 3 questions for each team. Each round asked questions based on general knowledge. They were in the form of MCQs, One Word Answers, Audio-Visual and RAT-A-TAT, which meant answering ten questions in a span of two minutes.

All the participants as well as the audience not only enjoyed this event, but also got to learn many things. Each team was trying their level best to answer the questions. Some got them correct and the others didn't, but everybody relished the moment.

Few questions were straight-forward, could be answered speedily, while few needed a little bit of thinking and logic. Nevertheless, each question was worthwhile.

The interesting part of the competition was the 'Audience Questions'. After each round, before starting the next round, the quizmaster asked a few questions to the audience. The one who answered correctly got a 5-star chocolate. This made the audience feel that they were too a part of the event and further increased their interest in witnessing the competition. The hall was filled with euphoric spectators, who kept cheering their houses after each correct answer. The Quiz Competition was a fantastic way to boost the knowledge, cooperative and time management skills and never stop trying attitude of the students.

The fourth round ended and the quizmaster was ready with the results. Nilgiri House won the First Position, followed by Vindhya House securing the Second Position and Sahyadri House got the third position. Everyone gave a huge round of applause. The certificates were given away by the Headmistress of Secondary section, Ms. Reema Bhattacharjee.

Finally, the Vote of Thanks was delivered and the event ended successfully.

The Quiz Competition proved to be remarkable and would be remembered by the students vividly.

Devshree Patil
IX A

This accelerated our interest in writing. Many people who had taken up their profession as journalists and reporters were invited to address us and tell us their views on this career. They also explained to us the difference between Real news and Fake news and how to identify it and be safe from rumors. They told us the meaning of propaganda and how it is used to gain popularity. These valuable pieces of information stopped us from believing in every piece of news and taught us to check and question. We were given homework after every session which consisted of an individual as well as a team assignment. We enjoyed doing our homework and now we know how to take an interview and identify fake news, propaganda, and many other things. We were taught in a fun way. We were shown memes about fake news and were told to make them too! This way of learning was enjoyed by everyone and whenever it was time for a session, we would get very excited. This was an enthralling experience and improved our writing and interviewing skills. It also changed our way of thinking and believing.

This program was a thing that we will never forget. It put us on a path to becoming journalists. We would suggest anyone who is interested in journalism take part in the next batch of this course.

Devshree Patil and Aseem Chavan, IX A.

My Favourite Toy



My favourite toy is a car. Like any other toy cars it has four wheels, doors and windows.

It has eight seats. I have many types of toy cars.

I have a fancy car, three hot wheels cars, remote control car and a transformer car.

When I will grow up I will buy the world's fastest car.

Its name is Koenigsegg Jesko and its top speed is 480km/h(310mph).

Ayansh Prajapati

Class: 1-E

Prepare the child for the road, not the road for the child”

“

My favourite parenting motto has always been, “Prepare the child for the road, not the road for the child.”

Yet even so, it’s hard not to be a 'Snowplough Parent' in an age of Snowplough Parenting. It’s hard not to clear every obstacle in our children’s path so they can be happy now – getting what they want, when they want it.

But when we clear the road for a child, we make their life too easy.

We don’t allow them to build life-coping skills they’ll need down the road to handle life’s hard realities.

It’s hard to admit this, but part of a parent’s job is to help our kids not need us.

Most of all, I hope I can love my kids enough to not make their life too easy. It’s a tall order for any parent whose heart breaks whenever their child is unhappy, but one we must all work toward if we want our kids to reach their full potential as healthy and well-adjusted adults.

Let’s not overprotect our children,

Let's prepare our children for the road & stay blessed forever!

Lakshmi Sailaja Koppolu (Sukruthi Koppolu’s mother-1 E)

My Christmas Holidays

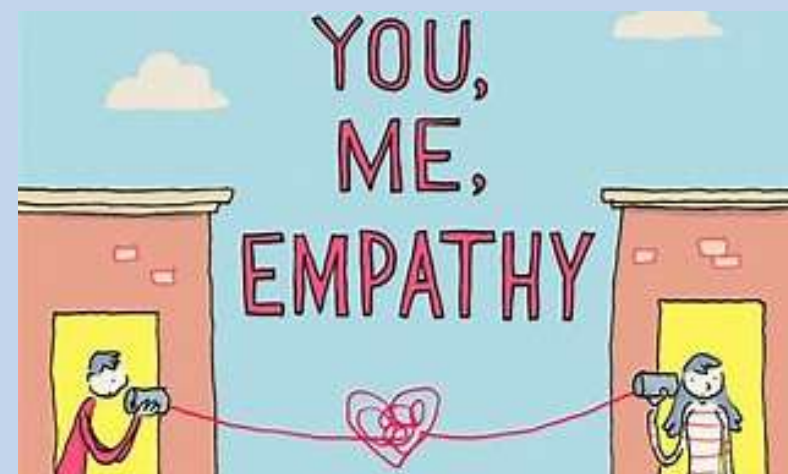


Holidays are always fun. This Christmas I went to watch the movie "Circus" in Cinepolis. It was so funny and it made me laugh a lot. Then on Christmas day I got many gifts from Santa. One of them was my favourite, where we needed to paint our own wooden magnetic animals and stick them on the fridge. On 31st evening I had a new year party. I invited my friends Aarohi, Ishan, Rethika and Shrushti. We all had such a good time together. Next day I went to Imagica theme park. My favourite ride was Mr. India, where they showed us a video and next, we needed to help the main character to rescue few kids from a bad guy Mogambo. That was really exciting. I had lots of fun in this vacation but I missed my school and class mates.

Aashriya Singh

3C

Acrostic poem on Empathy



E - Empathy is very important.
M - Making the world a better place.
P - Putting yourself in others shoes.
A - Ask if you want to help.
T - Treat others the way you want to be treated.
H - Help each other.
Y - You could be a better person.

Nidhi Tupe

III E

My Bunny



This is my! Bunny
He acts very funny.
He will swallow an entire carrot
Or try to mock a parrot.
He will role down the floor
And hit the door
His fur is soft as silk
His coat is white as milk
He is funnier than the circus staff
And for sure will make you laugh
He looks really cute
And eats all the carrot roots
Riddhi Jain
III C

My Sister



I have a sister her name is Netra
It is her dream to visit Petra
She likes to eat cupcakes, She also likes to eat
pancakes
Which our mother makes
She comes behind me like a tail
And because of her, our family members send us
mails
My friends always try to pull her cheeks
But she gets angry and she beats
She never likes to sleep and plays at night
She peels a banana and eats bite by bite

Purva Rawte
III E

Rainbow



R- Really big
A- A mixture of water and sunlight
I- It is in the sky
N- Not seen always
B- But we can see it on a rainy day
O- On the cloud in the sky
W. Wonderful!

Aadish Chaudhari
III A

Grandma



G- Greeting me when I come.
R- Reading with me and we're done
A- Asking me should we rest?
N- No, Grandma not now
D- Do play with me please.
M- Mom says it's time to sleep.
A- And I say goodnight Grandma.

Aarohi Wankhade
V D

My Sweet Grandma



G- Grandma, my sweet grandma.

R- Ready for anything I want.

A- And telling me good stories!

N- Never gets angry on me!

D- Dear grandma always taking care of me

M- My dear grandma looks very pretty!

A- Always I Love you grandma. My lovely grandma.

Aditya Dhamdhare

V D

Football



Playing Football is my hobby
I love to play it, be it ground or a lobby
It is fun to pass
And take it to the goal-post across
It is fun to get drenched in sun
To get the ball I have to run
Soccer is its another name
I don't play it for fame.
It is my best time pass.
Now and forever I am considered crass.

Rohan Saxena

Class IV C

The Magical Flower



Once upon a time, there was a girl. Her name was Lily. She was 12 years old. She loved plants. One day she was wandering around, when she saw her friend, Violet. Violet said "Hello Lily! I've got some flower seeds for you," Lily said. "Oh wow! That's great, thank you". She took the seeds and left happily.

At home she planted the seeds and watered them with tender love and care. After a few weeks when the lively spring season came knocking, the plant blossomed and a beautiful rainbow coloured flower smiled forth and smelt like a fragrant rose. She adored the flower and its aroma.

After a few weeks summer knocked at the gates. Lily saw that the flower smelt different (unlike a rose it smelt of fresh jasmine), not wilt and changed colour to a bright red and orange. Lily was amazed at the sight of the flower. Unable to reason, why the changes, she asked her mother about the transformation. Mom who was just as confused said, "Let's wait a while and carefully note the changes."



Summer soon gave way to monsoons. The plant and its flower were becoming more mysterious with the passage of each day. The flower now smelt of lilies and its hue changed to a dark blue and violet with spots of white. Lily noticed these changes with awe and dumbfounded. She had not told anyone about the magical flower as no one would have believed her.

As expected, winter brought in new alterations to the magical flower. The air was full of the scent of lavender. The flower now was Snow-white, with a dash of pink speckled with blue. Oh! Is this a beautiful dream or is it just pure magic.



Lily decided to share this with her friend Violet. She reluctantly plucked one of the many flowers and presented it to her friend Violet saying, "This is a magical flower, the secret of which only we know. If we keep the secret, we will be friends forever." Together they enjoyed talking about the beauty and magic of the flower. Till date the two are BFF and happily share their secret.

Maahi Prateek
III C

Inspiring Story of Ratan Tata

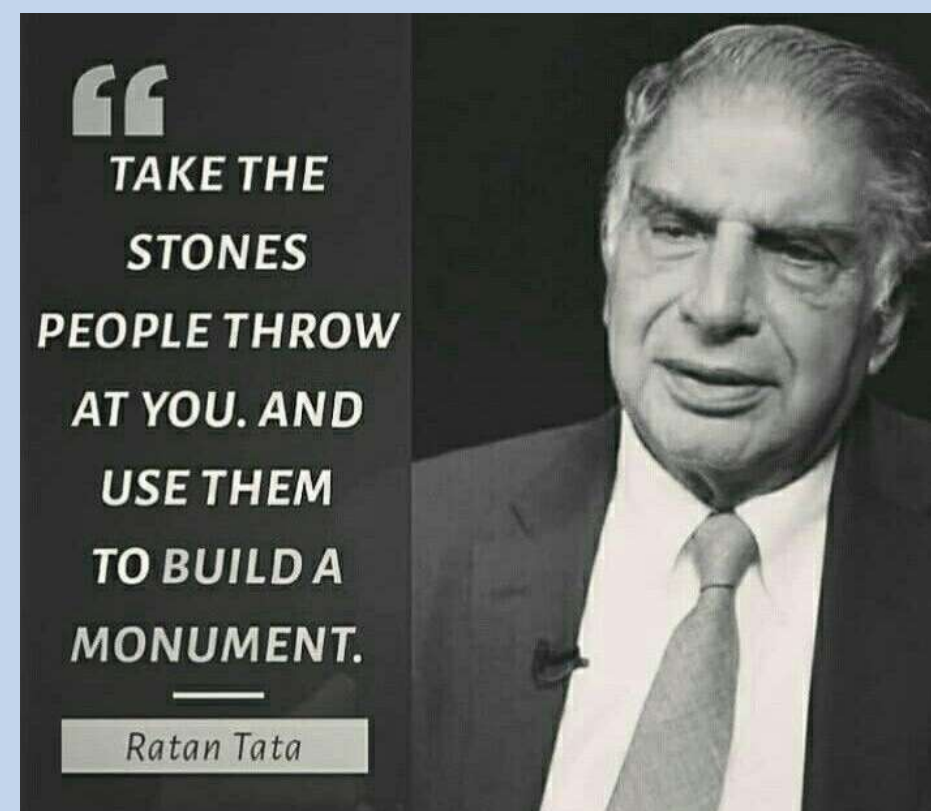


I had visited Taj Palace in Mumbai last year and got an opportunity to know more about Mr. Ratan Tata. It's been called as a revenge story of Mr. Ratan Tata over Ford, but I consider this as a very inspiring story.

One of India's most ambitious businessmen and the chairman of Tata sons, Ratan Tata has been credited for revolutionizing the Indian car industry, by producing some of the most successful cars.

However, success is not something easy to get and no exception to his journey as well. The course of his career and the entire country's car market would have been different if American carmaker Ford had bought Tata Motors back in 1999. Interestingly, Ford was all set to buy Tata but Mr. Ratan Tata changed his mind after he felt "humiliated" by Bill Ford.

In the 1990s, Tata Motors developed a car named Indica. It was a breakthrough moment in the Indian car market history as all the previous cars were either sourced or were made in partnerships with foreign countries. However, the Indica could not generate desired revenue for Tata Motors due to low sales.



Soon, Mr. Ratan Tata understood the problem and decided to sell the car division to save his company. He met Ford chairman Bill Ford for the discussion. The meeting lasted for 3 hours during which Mr. Ratan Tata was apparently 'humiliated' by Bill Ford who went on to say that he is doing a favour on Mr. Ratan Tata by buying his car division.

Ratan Tata came out of the meeting and decided not to sell his car division to Ford and instead returned to work even harder on his company. Nine years later, in 2008, the US market collapsed, affecting the entire world and economies. However, Tata stayed stable and turned the tables.



Ford was on the verge of bankruptcy and was looking for a suitable buyer for their Jaguar - Land Rover division. Tata saw this as the perfect opportunity and bought the brand. Ford chairman Bill Ford thanked Ratan Tata and said "you are doing us a big favour by buying JLR."

Subsequently, Tata transformed JLR into one of the most successful ventures in the car market. Within a few years of the buyout, JLR made a dramatic turnaround and is the mainstay of Tata Motors's finances.

Mr. Ratan Tata let his work speak for himself rather than engaging in verbal duels with his opponents. It is truly an inspiring story for all.

Advay Karole
IV-A

Visit to Imagica



Today, I woke up at 5:30 in the early morning to go to Imagica. I was extremely excited. Then, I brushed my teeth and started to eat my food, bathe and pack my bag. My mother was still packing her bag. I said, "Hurry up mother" She said yes. My father was 1 hour early. For lunch, we had pickle sandwiches, cupcakes, Huber and Holly ice - cream and sprinkles. I wanted to eat the sprinkles. But, alas, my mother said no. So, we went in my father's car and drove off to Imagica.

After we arrived, I wanted to go on the Faris Wheel. Soon, my father told me that my cousins and friends were coming. I was even more excited that my friends Aarushi, Shribani, Saachi, Urva and my cousins Vitasta, Aarana, Ronak and Aditya were coming. That means we were going with 11 people. I wanted to sit on the Faris Wheel with my friends and cousins. But eight people could sit in each compartment. I sat with Vitasta, Aarana, Aarushi, Shribani, Saachi, Urva and Ronak. We had so much fun.

Aditya refused to go because he was scared of heights, just like my mother. My father is claustrophobic. Then, we went to the spinning sky obstacle. You have to sit on a seat and it will spin you to the sky! All my friends were scared. Except for Urva and Aarushi. Only my father, Aditya, Ronak, Aarushi and Urva were on the ride. Even I was scared. We tried other rides like the waterpark, which was scary, the haunted railway, which was scary and the VR ride. I was the scaredy cat amongst my friends. At least I had fun. Soon, it was noon at lunchtime. We were eating all the things available in our basket. We saw Aarana feeding the ducks, coming in a line. But suddenly, the squirrel bounced .



On my cousin, Ronak's sandwich and grabbed it. It was so kind of Urva to give him her sandwich. Soon, my cousins were starting to talk with my friends and they connected. We booked a hotel for the night. We had lots of bunk beds. I slept with my friends and my cousins were sleeping on the other side. It was 3:00 when I heard the sound of a disco party. My parents couldn't even listen to it! I joined the disco party. We all danced and boogied: Until we heard footsteps. We dropped the mic. It was my parents.

It was morning, and everyone, including me, was sleepy. We danced for 3 hours straight.

We came home by following our routine and returned to sleeping on each's shoulder. We will never forget this funky trip!

Aishani Saraf

IV C

Visit to Diamond Waterpark.

It was summer season, my family and me decided to go to a waterpark. We looked for some waterparks, and we found Diamond Waterpark in Pune suitable for us. So we decided to visit it.

We started packing all the stuff we wanted to take there. We packed some packet of chips, water bottles, sunscreen cream and extra clothes. We were very excited to go there. We sat in the car and soon we reached there. First, we needed to get the tickets to enter. So, we quick took the tickets and entered. As soon as we entered we were surprised to see its beauty.

There were number of rides, a wave pool and of course rain dance! We first went to the kids' pool. The kids' pool had medium size pool and slides and there was a huge bucket at the top and once it got filled it drops huge amount of water down on us. When we went on the slides we were a bit scared at first but we started enjoying it afterwards.



We played for an hour and then we felt hungry. So we sat at one place and ate. After eating we went to the wave pool. The wave pool had big waves coming towards us. We played there for some time and then it was time to leave. I didn't wish to leave but we had to. I had a lot of fun there! I will never forget this memorable trip.

Nakshatra Kurkute
IV C

My Pet, Olly



It was an eventful evening when my brother and I were returning from a birthday party, we saw a golden retriever puppy named, Olly.

We started playing with it. It was a playful pup. We had a strong desire to own a pup too. We enquired about the person from whom they had taken this puppy. They gave us the phone number and also told us



that they have a puppy to sell. We called that person and asked him to deliver the puppy at our home. Now the biggest hurdle was to convince my father to accept that puppy. Somehow we convinced our father and started waiting for its arrival. Finally, the puppy arrived on a warm summer morning of the 1st day of May. It was brought in a small vegetable basket. A small ball of golden fur with a sticky, wet, black nose sniffing everything around made us fall in love with her. It stole my father's heart and he named her Cookie. We admired her play, moving in circles to hold her own tail, running madly in the garden and biting all the shoes that she got. We celebrated her monthly birthdays for a year, took her out for long walks and trained her for following instructions. She too followed everything like an obedient child. Since then cookie is our most loved family member and we all love her a lot.

Rohan Saxena.

IV C

Lego



My favorite toy is Lego. Of course, Lego toy doesn't need any introduction as it's a favorite toy for lot of kids. LEGO is one of the most popular and widely used toys in the world and has become an internationally recognized brand. A subculture has developed as well with movies, games, competitions and six themed amusement parks.

But for those who doesn't know, LEGO, it's a type of building toy. LEGO bricks are colorful plastic building blocks that can be joined together easily to make a tower, house, and more. LEGO bricks are joined together by studs on the top, and holes in the bottom of the brick commonly known as the brick-and-knob connection. Let's talk about the History of Lego.

LEGO blocks originated in the Billund, Denmark, workshop of Ole Kirk Christiansen, who began making wooden toys in 1932. Two years later he named his company LEGO. Christiansen made wooden toys for children. He made and sold his first plastic LEGO sets in the 1940s.

The name 'LEGO' is an abbreviation of the two Danish words "leg godt", meaning "play well".

This toy is one of the most mind-blowing and interesting child games. The constructor Lego is one of the games for children which are not only an entertainment but also education. The process of creating different impossible structures was absolutely useful for developing my imagination and creative thinking. Constructor Lego is designed so that its parts can be connected in many ways, inventing each time a variety of designs. You can build pirate ships and knights castles, play ambulance, police, fire brigade and thus to learn the world around you and show imagination and create everything by yourself.



Lego helps in our brain development. As researchers have discovered, construction block play, including with LEGO Bricks, offers a full spectrum of benefits to the budding mind. Some of these benefits are found in the usual areas, such as math, spatial activities and early engineering skills. Others are more surprising, especially social skills.



Now, the time to know some interesting facts about Lego. You know which country buys the most Lego sets per person, Any guesses? You think India? Actually, No. Germany is the number-one Lego market.

Another fact is,
There are over 180 distinct colors in the Lego rainbow.
Yes, 180 !

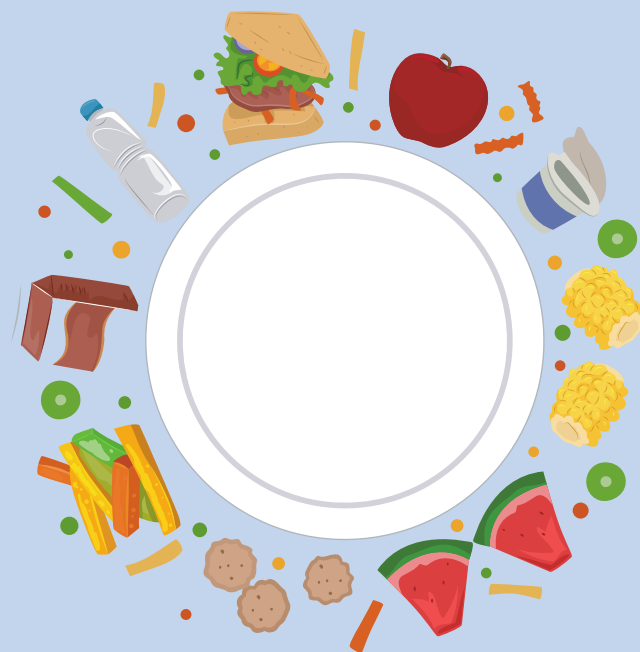
Lego was named as the greatest toy of all time by industry experts, thanks to its combination of fun, creativity and value for money.

Advoay Karole
IV A

FOOD

My mummy makes food,
That is very very good
The food is very yummy,
It fills up my tummy
The food she makes is delicious,
And even very nutritious
She makes tasty food,
That freshens up my mood
We always like to taste,
And never let it waste.

Ms. Rohee Kadaam
V A



BOOKS

Books are my buddy,
They always help me study
The world slows down it's speed
When I read
The magical words,
Fly in my mind like birds
They make me smart,
which help me with my creative art.

Ms. Anusha Yadwad
V A



Math Fact



9 is also known as the magic number. This is because if you multiply a number by 9 and add all the digits of the new number together, the sum will always add up to 9. For example:
 $8 \times 9 = 72$ and $7 + 2 = 9$

Kiaan Dawda
5D

Mental Health and Well Being



"Your mental health is everything – prioritize it. Make the time like your life depends on it, because it does."

Good mental health is an important part of healthy development. It helps students build positive social, emotional, behavior, thinking and communication skills. It also lays the foundation for better mental health and wellbeing later in life.

Mental health is the way students think and feel about themselves and the world around them. It affects how students cope with life's challenges and stresses.

Students with good mental health feel loved, safe and secure in their environments. They also feel happy and positive about themselves most of the time. And they can manage sad, worrying or angry feelings and bounce back from tough times.

At times, like these, we must take good care of our mental health and wellbeing. We should develop the good habits like daily exercise and Yoga, should be spending quality time with our family and friends, stay away as much as possible from mobile and social media, share your concern with family or teachers. Develop healthy eating habits. All these will keep your mental health strong and will give you strength for future growth.

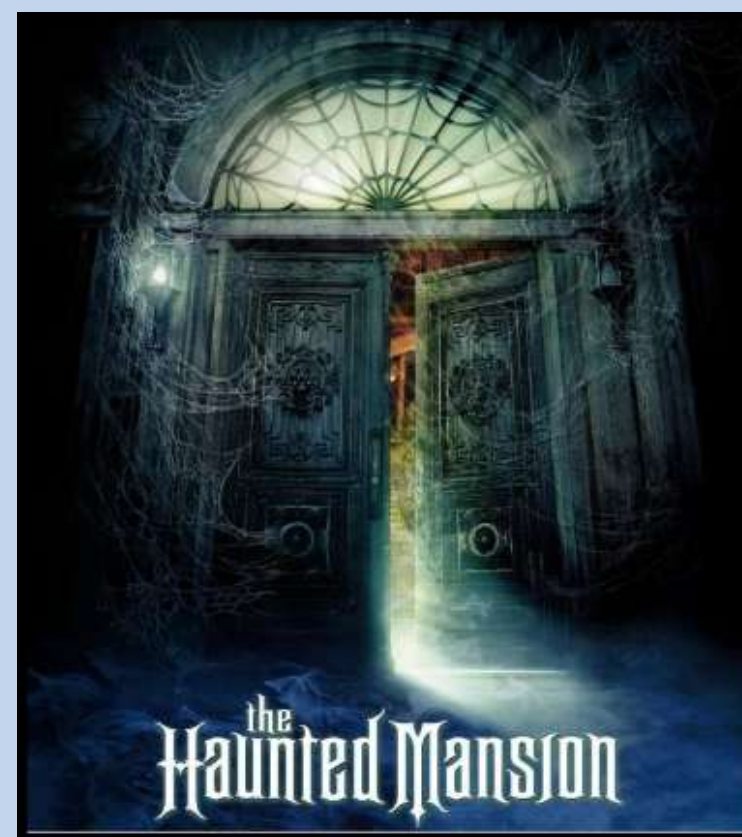
Aashinya Saxena
5D

My Beautiful Mother



My mother is the most beautiful of all
Our times together are the best, big or small
She's amazing and terrific in every way
When she holds my hand, it leads to warm days
Every moment with her is fun
She's bright and radiant as the sun.
Sachi Sarda
V C

A Stormy Night



Once, on a stormy night, a lonely traveller was travelling by a village called Dikani. The traveller stopped at an old mansion, as the weary traveller was about to enter the mansion, a stranger warned him and told that it was haunted. It had ghosts inside; different kinds of sounds were heard. The traveller who did not believe in ghosts for decided to stay in the mansion, while he was preparing to sleep, he heard strange noises in the house, the door was creaking, the wind was howling, suddenly a gust of wind smashed the utensil from the shelf on the floor.

The traveller froze with fear, covered his face with a sheet and tried to sleep but couldn't. He decided to investigate. On close examination he found a broken window hanging on the hinges swaying in the strong wind and producing creaking sound, he even saw a broken window pane through which the wind was rushing in, producing a howling sound. He concluded that it was so foolish of him to get scared of such a trivial thing. The next day he called all the village heads and told them about his discovery. Everyone was convinced after seeing the proofs and decided to convert that mansion into a heritage site and get revenue from it for the betterment of their village. They thanked the traveller.

Mukund Varma
V C



A Trip Down the Memory Lane Academic Year 2022-23

The day, April 4, 2022, has been etched in our memories. The first day of this academic year in post-pandemic era seemed more overwhelming than ever before. One could easily observe the mixed feelings of excitement, joy, and confusion among the students, parents, and teachers at Pawar Public School, Amanora.

The hardest part about attending school remotely is maintaining a routine and motivation to an extent that, our class students now have much better appreciation for classroom-based learning. Everyone realizes how important it is to be physically present in the classroom, to interact with friends, and to share opinions about different subjects with each other and with their teachers.

Fifth grade is an extremely important time for us to cement the skills we've gained throughout the primary grades and lay a solid foundation for the years ahead.

Online to offline transition was not the only unique aspect of this academic year. This is the year where our respected teachers embraced creative ways of imparting education. We had more than what we could ask for – collaborative learning, outdoor learning, game-based learning, hands-on learning, and experiential learning.

Participating in 'Drishtikon' Science Exhibition was an incredible experience. It provided a platform for the entire class to showcase their application of knowledge in the field of Science, Maths, Computer and Art. In addition, the event helped us hone our presentation skills in front of a diverse set of audience. In summary, it was a great collaborative learning experience –
"Alone we can do so little; Together we can do so much"

This is also the year where we enhanced our English language vocabulary playing a game of Bingo! Nobody in the class ever thought playing housie can be so much *fun-n-learn*.

Teaching students to apply knowledge & skills in a real-life setting is the ultimate goal of education. Tech Chasers competition was one of the events held this year that steered us to apply the Microsoft Word skills coupled with out-of-the-box thinking and imagination to create a flyer on Artificial Intelligence.

Having a science park in our school's backyard is something to be very proud of. It was a wonderful opportunity to engage in experiential learning by trying out the mechanism of simple machines like a pulley, a lever, and an inclined plane.

PPS fifth graders are no longer considered cute and naïve. If anything, they are mature enough to cast a vote on their own. To better understand how a democracy functions and the significance of fair elections, our SST teacher

(respected Rajitha ma'am) held an election for the selection of Class Representative. Selected candidates ran an effective campaign. On the day of election, the entire class visited a makeshift polling booth to cast their vote. Votes were counted and the candidate who secured the maximum number of votes was anointed as our Class Representative.

All study and no play makes Jack a dull boy. Spoorti (Annual Sports Day) offered us the perfect opportunity to participate in various sporting activities. There were both team-based and individual sporting events where we all participated with full energy, enthusiasm & zeal. Events like Dodgeball, running race, Obstacle race, Relay race, Taekwondo and the Lezim performance were super fun to participate and watch.

School picnics are the most exciting things that children love. Our school is kind enough to organize a day-long picnic to an Adventure Park. I am sure all of us are super excited to join the extravaganza that will unfold on January 20, 2023.

Throughout this academic year, we've developed a strong sense of personal responsibility for our own learning in class and through homework.

Three Friends



Words are powerless to express gratitude for our respected Class Teacher, Prajakta ma'am. She always tried to use simple methods to teach us seemingly difficult topics. When someone behaves inappropriately, she immediately disciplined them. Prajakta Ma'am inculcated the importance of never thinking negatively and be polite and honest with everyone around. Thank you so much for keeping us engaged, learning and laughing.

All that we have achieved this year wouldn't have been possible without the kind support of our respected Principal, Mr. Devendra Kumar, our headmistress, Mrs. Neeta Grover and our Coordinator, Mrs. Ritu Saxena.

We all feel extremely privileged to study in Pawar Public School, Amanora, where we are provided with ample opportunities to explore, expand, and excel.

Thank you!

Mishika Jain Class 5-B

In our Nursery class, there were 20 student names,
We three were one of them
Our roll numbers were five, nine and thirteen,
Which were carved on one of our tiffins
As we were tiny toddlers we used to cry,
But when we saw friends smile, the tears used to dry
We had a code language that was, high five for hi,
And stamping legs for bye
That's why we are best friends forever,
And friends that are clever.

Pranavi Kadav [5A]

Aradhya Phadtare [5A]

Underwater World



Do you know there is some other world underwater?
The blue sky there is a water
As you go deeper and deeper, the darkness goes higher and higher...
As you go around to explore the aquatic city
You'll find water animals that are quite pretty
The flora is not quite like aloe vera.

BUT WAIT, THERES SOMETHING FISHY IN THE UNDERWATER WORLD
the garbage thrown by us decrease the breathing capacity
and decreases the glorious of the city
so take a pledge to keep the Aquatic City clean
as the observation of God is very keen
and don't be mean to clean this wonderful scene

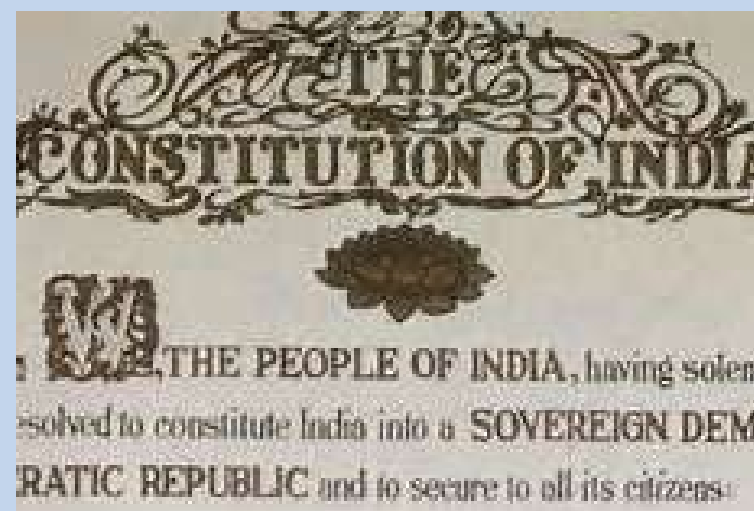
Kian Dawda

V D

Poem on Raziya Sultan



Unique from all rulers,
Chosen by Iltutmish as the successor,
She was not liked by others,
But incompetent were her brothers.
Safeguarded the empire,
Without rest or tire,
Proved to be the right heir,
Nurtured the Sultanate with love and care.
Anusha Kulkarni, Class VIII A



Our Constitution

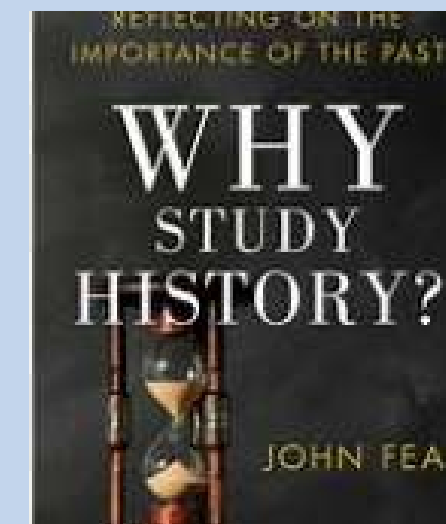
Constitution, a book of basic laws and principles,
Describes the rights and duties of its citizens,
On January 26th it was enforced on its way,
And started to be celebrated as "The Republic Day",
Justice, Liberty, Equality and Fraternity are its objectives,
This was the Constitution's perspective,
Universal Adult Suffrage meaning the right to vote,
In the constitution, this was made a note,
Sovereign, Socialist, Secular, Democratic and Republic is its
nature,
People breaking it will be in danger.
Pavanee Date
VIII A



Alauddin Khilji

Alauddin Khilji is his name,
He gained a lot of fame.
The Deccan he aimed,
He was good in the market game,
Going for Padmini was his only shame.
Introduced market reforms, like never before,
Discipline was followed to its core,
'Dagh' and 'Chehra' were improvised,
Daily commodities were not over priced
Killed by his own slave,
His empire was taken not gave.
Gauri Sonawane , VIII A

An Acrostic Poem on History



Hear the stories
Interwined the events
Sing the praises of heroes
Teach the triumphs
Offer respect for the fallen
Rediscover loss of memories
Yesterday's forgotten lessons
Nikunj Sahu
IX A

Poem On History

History history not so boring,
If paid attention can be scoring!
Freedom, ruling, justice and war
from my house near to far!
Old is gold is what we learn,
which makes this subject so fun!
Kings, queens clever and cunning,
or some British ruler fuming!

History history its so fun,
Islam Christians monks and nun!
Discovery of fire and invention of
wheel,
Or the freedom fighter in jail who
were given so little for meal
India Pakistan partition also we
learn,
which makes this subject so fun!
learn big names and dates,
and about cunning rulers we hate!

Ancient and medieval and modern age,
Everything on a single page!
And king's army who mistook,
Everything in a single book!
And when british left india free
And when the poor jailer plee!
And a few incidents that are tragic
Hmm, history is full of magic!
So history is the best,
and a lot better than the rest!
Aanya Sharma
VIII D

History of Pandemic

There have been 4 worst pandemics since 1720. Pandemic occur all around the world, and don't last just for a year or so but may last longer. These diseases are contagious therefore spread badly. How are viruses created? Either Viruses are multiplied in labs as a part of experiments and are leaked out on purpose or unknowingly or they are transmitted from other animals to humans. Not all viruses cause harm to human beings. Viruses are considered as living beings only when they enter any organism's body.

Starting with Covid-19 which was leaked out from a lab of Wuhan (China) in 2019. The first case of Covid was found in December 2019, later on spreading to other countries. Basic precautions for such pandemics are to maintain social distancing and if any symptoms diagnosed, shouldn't be neglected. Viruses like these cause deaths, which could also lead to a sudden imbalance in population. There are also economic and social loses like, students being affected by the school closures, poverty, unemployment, gender gap, etc. Not only Covid cause such loses but also the other pandemics cause such deprivations. The Great Plague of Marseille had started spreading from Marseille (France) in 1720. It lasted approximately till 1723. The Great Plague is also known as the black death for the reason that people affected with this curse had blackened tissues. First case of Cholera patient was found in India in 1817. The symptoms of this virus are dehydration and diarrhea. Cholera is caused by infection of the intestine due to contaminated food or water. This disease can also be life threatening. Spanish flu is one of the deadliest global pandemics, whose first patient was found in 1918 in



Kansas (United States). Estimated of 500 million patients detected overseas had been infected in four consecutive waves. Head ache, soar throat and fever are some of the common symptoms of Spanish flu also known as Influenza.





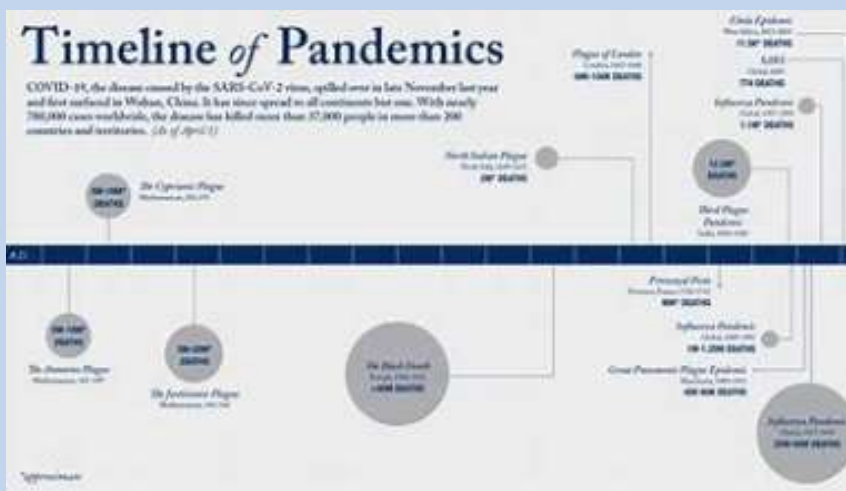
The Never Ending Story of the 1918 Pandemic

Hats off to the front line workers who have always shared a hand for help to make our world a better place to live during these pandemics. Humans being a smart animal, have created a solution to vaccinate people. This makes the line true:

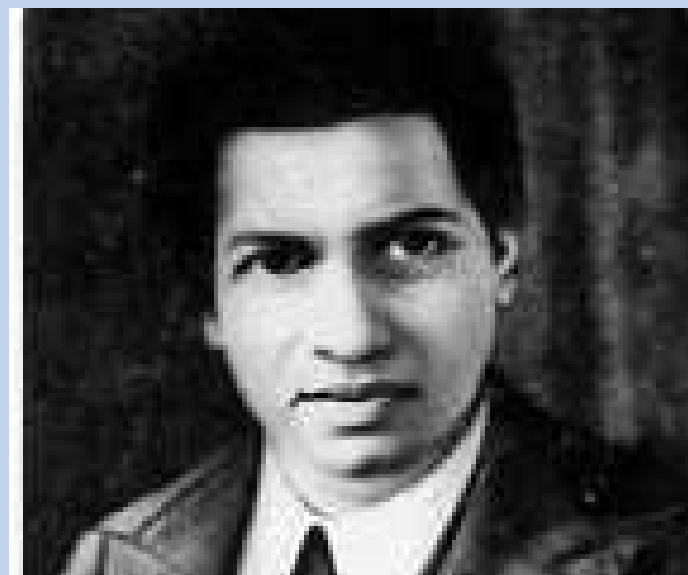
'Out of the mountain of despair, a stone of hope'
-Martin Luther King Jr.

Mrunalini Thombare

IX A



Srinivasa Ramanujan:The Great Mathematician



Srinivasa Ramanujan is a Great mathematician who gave many contributions in maths without any formal training in the subject.

He was born on 22nd December ,1887. Ramanujan was born in Erode,Tamil Nadu to Komalatammal and K. Srinivasa lyenger. When his father went to an astrologer in Tamil Nadu,The Astrologer told him that his son wouldn't be able to live a long life. Despite being unhappy about it, Ramanujan's father knew that his son would succeed one day.

In his early life,Ramanujan went to a school in his village and was very keen and fond of mathematics.He studied a lot about the subject and also solved equations and sums of higher classes and college mathematics,which his friends couldn't solve. Ramanujan taught himself more about Mathematics and received a scholarship for being a state mathematics topper so that he can finish his college education. After finishing college he gave an entrance

examination for a job so that he can support his family's financial condition. He failed at the entrance exam and his parents were disappointed and thought that their son always keeps solving mathematics which is not at all helping to keep their financial situation stable.

So Ramanujan shifted to his friend Radhe Krishnanan's House to live and study for his entrance examination.He worked for hours but he failed again. However, he was not disappointed and started studying again. In his third attempt, he passed the entrance examination and got a job as a clerk at Madras port trust. Ramanujan used to work and get time for researching mathematics and solving theorems.One day his mentor at the office saw him solving mathematics and was tremendously fascinated by his work. He thought that Ramanujan work was valuable and planned to send it to various professors of many colleges especially in England for publication. Unfortunately Ramanujan's work got rejected at first,but when it was sent to Professor G.H Hardy and J.E littlewood it received an applaud from them and Ramanujan was called to Cambridge University in England.He showed his mathematical skills to them and became the first Indian to be recognised as fellow of Trinity College, Cambridge. Ramanujan was also awarded the Bachelor of arts degree by research,for his work on Highly composite numbers. He also invented the Hardy- Ramanujan number which is 1729. It is the smallest number which can be expressed in two cubes in two different ways.

Ramanujan was diagnosed with tuberculosis and vitamin deficiency in England. In 1920 ,he returned to India and died on 26 April ,1920 at the age of 32.After that, his brother compiled his notes about Mathematics.He is still remembered and on 22nd December,every year his birthday is celebrated as National Mathematics Day .

$$P(n) \sim \frac{1}{4n\sqrt{3}} e^{\pi\sqrt{2n/3}} \quad (n \rightarrow \infty).$$



We all should idolize him and his work which is fantastic and really valuable. His house, where his family moved after his birth is now known as Srinivasa Ramanujan Monument. Hollywood also made a film based upon him, which is known as "Srinivasa Ramanujan: The man who knew Infinity."

Priyal Khandelwal
IX D

CHANDRAGUPTA MAURYA- 'A NOBLE MAN'

Chandragupta Maurya was the founder of the Mauryan Empire in India. He was one of the major figures in Indian history. He defeated and conquered Dhana Nanda under the counseling of Chanakya also known as Kautilya.

Chandragupta's early life was tragic and disheartening. His father died in a battle of the Moriya clan. Chandragupta's uncles had made a cowherd adopt him. However, when he grew up, the cowherd sold him to a hunter. Dhana Nanda was the last ruler of the Nanda dynasty. He was a vile and heartless person who did not wish the welfare of anybody except himself. He had a corrupted monarchy and treated his people poorly. Chanakya believed in the path of honesty and dreamt of a prosperous and integrated India. According to a historian, Nanda had insulted Chanakya in front of many people and this was the utmost reason why Chanakya was so determined to defeat Dhana Nanda. Chanakya spotted Chandragupta and understood his talent and started training him. It was said that Chandragupta's father was a great ruler of the Maurya Dynasty. Experts presume that the loss of Chandragupta's father made Chandragupta agree to Chanakya to let him train him.

Gradually, Chandragupta became an expert in defense and intelligence after countless years of training with Chanakya. They both then started forming an army of their own. They trained the army and prepared them for the worst that might come. After several battles and gaining over some territories, Dhana Nanda finally accepted his defeat and submitted his empire to Chandragupta. He formed the Mauryan Dynasty and ruled the domain of Magadh at the age of 21.

Seleucus I Nicator was a Macedonian general in Alexander's army. He bought Persia and Bactria under his control, giving a front-facing empire to Chandragupta. They both fought several wars and finally accepted to ally. Seleucus married his daughter Helena to Chandragupta. It is assumed that Helena was 16 years old while Chandragupta was 39 years old when the pair got married. However, he had already married Durdhara (daughter of one of his uncles). Chandragupta only married Helena to form a harmony between him and Seleucus. He had a son named Bindusara from his first wife Durdhara.

Unfortunately, Chandragupta's death was unknown and unclear. He retired from being a king and joined a group of Jain monks. It was assumed that fasting was the cause of his death. Chandragupta Maurya was undoubtedly a great ruler despite his devastating and dreadful childhood. He pushed down all his fears and insecurities and succeeded in his life. He helped Chanakya gain his self-respect which was once humiliated by the Dhana Nanda. He treated his subjects and ministers equally as his own. He did not discriminate against anyone and chose the path of truth.

Shruti Gholap
IX B

History of My India

Indian History is very unique. As different rulers overpowered each other, different parts of India were broken down and new states were formed with different policies and styles of living. Some of the rulers were very peaceful and kind, like Akbar, while some were very cruel and rude like Allaudin Khilji, who started the Khilji Dynasty. Cruel rulers, like Allaudin, were making all the decisions not for the betterment of our country, but the betterment of themselves. India, at that time was known as the 'Golden Bird' because of its splendid riches, gold, spices and food of all kinds. Driven by the glorious riches of our country and land very fertile, many rulers from faraway lands came to India to establish their supremacy, but due to the able and powerful rulers of ancient India, like Akbar, Chhatrapati Shivaji Maharaj and Sambhaji Maharaj, those kings didn't get a chance to overpower India. As time passed, Aurangzeb had the major part of India under his control and was an unjust ruler. After his death, his successor Bahadur Shah I succeeded the throne. Starting from him, the rest of the successors of Aurangzeb, were incapable of handling such a vast empire. India was divided into many different provinces with different rulers, ruling independently. Due to this, India was not united and had constant quarrels between each other. Taking the advantage of this divided India and inefficient rulers, kings from distant lands came in India to establish their power in our country. One of the greatest powers in this case, was the British power. The British ruled over India for more than 150 years. They plundered and routed India and took away all the riches. People suffered a lot under British rule, until our brave freedom fighters like Mahatma Gandhi, Netaji Subhas Chandra Bose, Sardar Vallabhbhai Patel, Sarojini Naidu and many more came forward and fought against the unjust British power. India was once again united with a Parliamentary Democracy and a government for the people, by the people.

I wish our India is united forever and comes at the supreme position in every field.

'United we stand, divided we fall!'

Devshree Patil

IX A



A smile in the woods

A smile in the woods
Hiding demons
Not a smile within
Hard to stop the poison tree
Hard to smile within
Always in the fear of a blackout
All I can do is
To smile in the woods
I don't want to hurt
They want me to hurt
Surrounded by them
Dwarfed by them
But I control, they can't
I just want to be left alone
Alone and smiling within
But they bring me closer to the blackout
Second by second I am losing myself
I want to smile within ,
In the woods no longer
It's time to forgive
Time to cut the poison tree

Charanpreet Reddy

IX B

Clay Modeling Activity: Australia



The activity was about creating a clay model of physical Australia.

Students had to depict all the physical features of Australia using clay. The activity was held on the 17th of November.

The students had to make the models in groups according to their individual Houses. It was an inter-house activity. The day before the activity, our Geography teacher, Mrs. Juilee Motadoo, informed everyone about the activity. The class started discussing with their housemates about who will bring what

We were instructed that we needed to bring 6-7 colours of clay and a base available at home with the outline of Australia drawn on it.

On the day of the activity, in our Geography class, the teacher took us down to the pickup area of the school. We went down with all the required material. Everyone sat down and started making the models. The goal was to depict the main physical features of Australia, i.e, the Eastern Highlands, the Western Plateau, the Central Lowlands, the Great Artesian Basin, the Murray-Darling River Basin, the surrounding seas and oceans, the Coastal Lowlands and the Great Barrier Reef.



Everyone completed their projects just in the nick of time. Each House's model was lovely but I would agree that the

Himalaya House Made the best one. After the class got over and all the models were submitted, everyone left for the lunch break. This activity was indeed a fun and exciting one. The students having fun simultaneously learned about the physical features of Australia. They also learned how to do a project in a team. Everyone got a chance to express their ideas and share their own material for the betterment of their own Houses.

Tanush Chaudhary
VII C

Story Of A Rupee Coin

Once in a mall there was a game zone. There were many games in the zone. There was a cash counter present in that game zone. In that cash counter there was a note of Rs 50 who was arguing with a one rupee coin that he was great than the coin .Suddenly, a note of rupees 100 got up and started arguing that he is greater than rupees 50 note .Both of them started arguing that who is great now a note stood up and it was Rs 500 he started acting like a boss but now one boss note stood up and it was Rs 2000 all other was scared now till this time our 1 rupee coin was silent he had no value among all of these no one was using him to pay a gave a change one day the coin was very sad that he left that cash counter he was feeling that he is not of any use he was crying in one of the corner of the gaming zone at that time a boy entered in the zone he wanted to play a Shooter game but he needed a Rs 1 coin still he didn't had a coin he just had the notes of rs 50 rs.100,500 and rs 2000 but they were of no use suddenly he found a coin fallen on the ground that coin was the one who left the cash counter now the coins fell that he is also some use the only thing was he didn't know of what use he was the boy took the coin and put it in the machine and started playing the game now the coin was not alone there were many coins now in the machine they all became friends and notes were bore tell now as they didn't had anyone to tease. They were missing the coin and now they felt that they were of no use.

Shreyas Bhoite
VII D

I Tried My Best

I wake up with a bunch of stories,
running at the back of my mind,
Some please me while,
Some seem to underestimate me,
But, it's a part of my beautiful life.

These are the memories I bore
It isn't a weight,
It's a precious burden.
Just like how a dad carries his son on his shoulder,
Just how a mother holds the infant's hand forever.

The day I feel small and still carry on,
The day I skyshoot but again the parachute falls too,
I climb up and rise,
Even if it's a step forward, i still strive.

I have no slightest clue,
about how my life is set,
but before I take the last breath of my life,
You will hear me say,
"I know it was hard, but I tried my best"

Quote:

"Failing sometimes feels like falling and if it scrapes hard then getting up seems impossible, but as long as you keep trying no matter how hard the journey is even standing up again on your feet serves as an achievement"

Maahi Srivastav

"Dreams don't work unless you work towards achieving them. And in the end, they are not your dreams that shine, it is you who shines while chasing your dreams and following your heart" said his coach. Mann gaped at the man standing in front of him with an open mouth. He was standing at the most important crossroad of his life and had to choose between his heart and his mind. What should he choose? The life of a successful engineer that his parents aspired him to become or the life of a talented badminton player? Mann stood rooted to the ground while his mind wandered back to the day when all this had begun.

Mann Tripathi, a class 11 student had just been enrolled in the most prestigious coaching institute in the country in order to clear the engineering entrance exam – JEE. His father had a government job and his mother was a teacher. His parents were no exception to the common dream of almost every Indian parent based on the belief that to be successful in life you had to be either an engineer or a doctor. Mann was unconvinced. He had always dreamt of becoming a professional badminton player, having won several tournaments during his early years. However, his parents disagreed thinking of it as a monetarily risky choice and they couldn't afford him a professional coach.

He studied at institute but for a month and realized that Physics and Mathematics were not at all his cup of tea. He knew he would regret it later on if by chance he scored well in the entrance exams. But he had already walked a kilometer in the direction. Taking a U- turn was not possible now. He sighed, thinking that his dreams seemed almost as unreachable as the stars themselves.

While cycling back home one day, a poster caught his eye.

“ VISHWANATHAN ROSHAN'S BADMINTON COACHING ACADEMY”

Mann was overjoyed. He had heard news of Vishwanathan Roshan's retirement, but what a coincidence that the famous badminton player had opened his classes at a place just a few minutes away from his college campus. He finally saw a ray of hope!

His heart had already decided. Next day, instead of going to his college, he went directly to the academy. He sat there watching Mr.Roshan train his pupils with complete devotion. He even maintained a book in which he noted all the moves, the normal mistakes and their solutions. He practiced the same at home without anyone's knowledge.

And the best thing was that the students were so engrossed in the training that nobody noticed him. This continued to be his routine, until one day when he forgot his notebook at the academy itself! The next day, he went to the academy with the hope of finding his precious notebook but was surprised to find Mr. Roshan himself waiting for him with Mann's book in his hand. Pointing at the book he said, “I see that you have been carefully studying my moves. Now, I am curious to see you play.” Saying this, he called a boy named Harsh. As far as Mann knew, Harsh was the best player there, and even Mr.Roshan found him challenging at times. The competition began and surprisingly Mann won. “It would be an honor to be able to coach a rare talent like you free of cost. Come from tomorrow for training. ”

This was completely unexpected! Mann couldn't have dreamed about this even in his wildest of dreams. He started practicing daily under the supervision of Mr.Roshan. Days turned into months and months into a year. “ Mann, there is a tournament coming next week and I find you a perfect candidate for it. The top players will be nominated for the national games. Let's start the preparations.”
“Excuse me, coach. Actually I ...”

“What happened? ”

“Actually my parents don't know that I have been training...”And then Mann told him the entire situation-the truth.

The coach went numb, but did an excellent job of not showing his disappointment. “Mann, follow your heart and I assure you that you will never regret it.”

Mann followed his heart's voice. He played the tournaments, won a gold and even got selected for the National level. He would now represent Maharashtra and was awarded 2 lakhs.

Unknown to the entire scenario due to their busy work schedules, Mann's parents were shocked when the truth finally dawned on them when the coach told them the entire story. Honored to have a son like Mann, they happily supported him, but only after a few reprimands! Working harder than ever, Mann went on to win a gold medal in the Olympics. After all, one should be fearless in the pursuit of that which ignites a fire inside you.

Aayushya Lekule

X

Problems that tourists face

There are many tourist found in our country and in the whole world .Tourists are very important for a country's economy. Tourists often like to travel in various places, but they also face some problems while travelling. Now you will think what problems do tourists face ,they are happy while travelling ,but there are some problems which tourist face like 'no idea of where to stay' .Tourists often have planning done, but there are some tourist who have done just little planning and those tourists face more problems .Sometimes tourists are not prepared to decide to which place to travel in a particular City or a country .Often they don't know which hotel of which resort is good to stay or where they can get good food .Once me and my family went to Hyderabad by a train .when we reached ,there were many Taxi driver and many guides. They all invited us .They just had a competition between themselves we were very confused but we took a decision to not to take a guide or a taxi we decided to take buses or rickshaw. as we were existing from the station one guides stopped us and requested to get guided by him we told him that we don't want a guide. But still he didn't left us we faced a lot of problems in this Hyderabad tour because of not doing perfect planning .After that we never went anywhere without planning.

Shreyas Bhoite
VII D

“LE PANGA”

Kabaddi is one of the most interesting games. Kabaddi is basically a combative sport, with seven players on each side played for a period of 40 minutes with a 5 minutes break.

There are many different levels like Regionals, State level, National level, Z.P, H.G.F.I etc. | also like to play kabaddi. | had gone for the national level. First, | went to regional where | played with many players from different schools. | gave my best in the match and due to efforts | got selected for nationals. Our national match was in West Bengal at Kolkata.



At the national level | played with many players from various states. There were a total of 21 states for the matches. The most powerful state | felt was Uttar Pradesh and Jharkhand. They gave almost all the teams tough competition. In the end, the final winner was Uttar Pradesh(UP).

Playing Kabaddi is not easy. If anyone wants to be a good kabaddi player he/ she must be healthy, fast, and active. The main objective of this game is to grab points by raiding into the opponent's court and touching as many opponent players as possible without getting caught on a single breath. Each player, chanting "Kabaddi! Kabaddi!"

-Sai Hande
VIII D



Aarohi Wankhede
III D



Aditya Dhamdhare
III D



Prisha Kunte
III D



Sairaj Sakkargi



Prisha Kunte
III D



Prisha Kunte
III D



Reva Dhore
III A



Tanishka Hingane
III D



Shourya Pawar
III A



Reva Dhore
III A



Rajlaxmi Kamthe
III A



Shreya Kamble
III A



Paras Ladkat
III A



Akshat Bhosale
III A



Akshat Bhosale
III A



Abhidnya Salve
III A



Mrunmayi Shinde
III A



Shreasha Mirkale



**Prisha Kunte
III D**



Shreasha Mirkale.



Abhyuday



इयत्ता पहिली मराठी द्वितीय भाषेच्या विद्यार्थ्यांना माझा भारत या पाठावर आधारित भारतातील विविध प्रतिकांचे तक्ते तयार करून आणण्यास सांगितले. त्यामुळे विद्यार्थ्यांना भारतातील प्रतिकांची माहिती समजली.



इयत्ता तिसरी मराठी द्वितीय भाषा या पुस्तकातील पाठ 26 रोपटे पाठावर आधारित उपक्रम झाडे ही आपली जीवन संपत्ती यावर तक्ता तयार करणे यासाठी विद्यार्थ्यांना शाळेत असणाऱ्या वेगवेगळ्या फळझाडे, फुलझाडे, औषधी वनस्पती यांची माहिती सांगण्यासाठी शाळेतील बागेत व परिसरात फेरफटका मारण्यास देण्यात आले .यामुळे विद्यार्थ्यांना जवळून झाडांची पानांची फुलांची माहिती समजल

इयत्ता तिसरी मराठी द्वितीय भाषा या पुस्तकातील कविता 24 ट्राफिक दादा कवितेवर आधारित वाहनांच्या नियमांचे तक्ते व चिन्ह याद्वारे विद्यार्थ्यांना माहिती समजली.
इयत्ता तिसरी



'दिवाळीची सुट्टी'

मी नेहमी दिवाळीची वाट पाहत असतो. कारण सगळे एकत्र भेटतो आणि सगळे मिळून दिवाळी साजरी करतो. माझ्या कुटुंबासोबत भेटवस्तू एकमेकांना देतो.

यावर्षी मी असं ठरवले गरीब लोकांना मदत करायची आणि त्यांना फराळ आणि नवीन कपडे द्यायचे. दिवाळीचा सण प्रत्येकाच्या जेवणात आनंद आणतो दिवाळीचे पाच दिवस कधी संपले काही कळलच नाही. दिवाळी सणाला मी वेगवेगळ्या प्रकारे फराळ खाल्ला आणि नवीन कपडे सुद्धा घातले. वेगवेगळ्या प्रकारे फटाके फोडले त्यानंतर मी पुण्यात फिरलो मी खूप खेळलो. त्यानंतरचे काही दिवस शाळेतील गृहपाठ अभ्यास पूर्ण करण्यात गेले. अशा प्रकारे मी माझ्या दिवाळीच्या सुट्ट्यांचा मनसोक्त आनंद घेतला.

एवढ्या सगळ्या धमाल आणि मजेदार गोष्टींमुळे मला हा सण खूप खूप आवडतो.



आदिज चौधरी

इयत्ता — २ ब

एक भेट



तसे तर सगळेच विषय माझ्या आवडीचे पण चित्रकला हा माझा जास्त जवळचा. एके दिवशी शाळेतून येताना मी एक मोठा बॅनर पाहिला त्यावर सुरेंद्रदादाचा फोटो होता. आता तुम्ही विचार करत असाल की, सुरेंद्र दादा कोण? तर खराडी चंदननगर येथील माजी आमदार श्री. बापूसाहेब पठारे यांचे लाडके चिरंजीव. तसं मी सुरेंद्रदादा बद्दल माझ्या वडिलांकडून खूप ऐकलं की, सुरेंद्रदादाला समाजसेवेची खूप आवड आहे. गोरगरीब लोकांसाठी काही तरी करावं. त्यांची सुखदुःख वाटून घ्यावी. यामध्ये सुरेंद्रदादाला खूप आनंद वाटतो. हे ऐकल्यामुळे माझ्या मनात सुरेंद्रदादा विषयी खूप आदर निर्माण झाला. मग काय मी ठरवलं की दादाचं चित्र काढायचं. मी चित्र काढायला घेतलं आणि बघता बघता दादाच छान चित्र तयार झालं. मग मी ते माझ्या बाबांना दाखवलं बाबांना ही ते खूप आवडलं. बाबांनी आणि मी ठरवलं की सुरेंद्रदादाला प्रत्यक्ष भेटून ते चित्र द्यायचं. मग दुसऱ्या दिवशी सकाळी शाळेला सुट्टी होती. मी सकाळी लवकर उठून तयार झालो. आम्ही दादाकडे घरी गेलो. मी चित्र दादांना दाखवलं. त्यांना पण ते खूप आवडलं त्यांना माझ कौतुक वाटलं. मग दादाने केलेले कौतुक ऐकून मला खूप आनंद झाला. दादा बरोबर झालेली माझी ही भेट कायमस्वरूपी माझ्या लक्षात राहिल.

आदित्य ढमढेरे

इयत्ता : तिसरी - ड

फ्लेमिंगो सोबत घालवलेला दिवस

30 डिसेंबरला आम्ही व माझ्या बाबांचा मित्र परिवार 'भिंगवण' गावाजवळील 'उजणी' धरणाच्या परिसरात गेलो होतो. या ठिकाणी दरवर्षी हजारो 'फ्लेमिंगो' पक्षी स्थलांतर होऊन येतात.

आम्ही तेथे पोहोचल्यानंतर जेवण केले व थोडा वेळ आराम केला. मग सगळे सेफ्टी जॅकेट घालून बोटिंग करण्यासाठी निघालो. मला खूप उत्सुकता वाटत होती. आम्ही बोटीत उतरल्यानंतर पाहिले तर सगळीकडे पाणीच पाणी आणि वर निळेभोर आकाश! बरेच पुढे गेल्यानंतर आम्हाला 'फ्लेमिंगो' म्हणजेच 'रोहित पक्षी' दिसले. वा! काय सुंदर पक्षी आहे हा.

याबरोबरच इतरही खूप पक्षी होते. जसे पेंटेड स्टॉक, बदक, बगळे, सीगल, जांभळी पानकोंबडी असे बरेच पक्षी. प्रत्येकाचे वेगवेगळे आकर्षण. हे म्हणजे पक्षांचे 'माहेरघरच' आहे.



याबरोबरच इतरही खूप पक्षी होते. जसे पेंटेड स्टॉक, बदक, बगळे, सीगल, जांभळी पानकोंबडी असे बरेच पक्षी. प्रत्येकाचे वेगवेगळे आकर्षण. हे म्हणजे पक्षांचे 'माहेरघरच' आहे.

ऑक्टोबर ते मार्च दरम्यान खूप पक्षी स्थलांतरित होतात. खूप नयनरम्य वातावरण होते. सुंदर जलाशय व त्यात आकर्षक पक्षी; धरणाच्या पाण्यात बोटिंग करत-करत हे पक्षी पाहण्यात तीन-साडेतीन तास कसे निघून गेले समजले पण नाही. निरनिराळे पक्षी, त्यांचे ठराविक ऋतूत वेगवेगळ्या देशातून होणारे स्थलांतर हे सगळेच चकित करणारे होते. त्याचसोबत धरणाच्या गोड्या पाण्यातील मासे आणि त्यांचं रुचकर जेवण म्हणजे -'सोने पे सुहागा!'.
डोक्यात सुंदर फ्लेमिंगो आणि जिभेवर गोड्या पाण्यातील माशांची चव, तृप्त पोटाने आणि तृप्त मनाने जुन्या वर्षाला निरोप दिला आणि नव्या वर्षाच्या स्वागताला तयार झालो!

अद्वैत कदम
इयत्ता पाचवी अ

'सिंहगडावर एक दिवस'



शाळेला उन्हाळी सुट्टी लागली आणि आम्ही सर्व मुले आई-बाबांकडे फिरायला जाण्यासाठी हट्ट करू लागलो. शेवटी सिंहगडावर जाण्याचे ठरले. मी माझा भाऊ आई-बाबा मामा-मामी मावशी माझे मावस भाऊ आणि बहीण असे सर्वजण गाडी करून सिंहगडावर गेलो. सिंहगड चढताना आई मला प्रत्येक गोष्टीची माहिती सांगत होती. तेव्हा मला तानाजी चित्रपट आठवला शिवाजी महाराजांचे कार्य किती महान आहे. त्या दिवशी मला कळाले. दिवसभर आम्ही खूप मजा केली. परत एकदा सिंहगडावर गेलो तर तेथील आठवणी लिहून ठेवण्याचा मी नक्की प्रयत्न करेन.

आरव प्रशांत चव्हाण
इयत्ता दुसरी तुकडी ब

शिक्षणाचे महत्त्व



शिक्षणाचे महत्त्व अपार आहे. माणूस स्वतःच्या विकासासोबत आपल्या समाजाचा, कुटुंबाचा, नातेवाईकांचा विकासही करू शकतो. शिक्षण आपल्या उज्वल भविष्यासाठी, पुढच्या पिढीच्या हितासाठी एक महत्त्वाचे साधन आहे. शिक्षणाच्या मदतीने आयुष्यात काही उत्तम व उच्च दर्जाचे साध्य करण्याची ताकद असते. शिक्षण प्रत्येकाला पुढे जाण्यासाठी, यशस्वी होण्यासाठी आणि जीवनात आव्हाने जिंकण्याची क्षमता येण्यासाठी एकमेव असा मार्ग आहे जो कोणत्याही क्षेत्रात आवश्यकतेनुसार ज्ञान संपादन करते. जीवनात यश, सन्मान आणि ओळख मिळवण्यासाठी सर्वासाठी हे अत्यंत महत्त्वाचे साधन आहे. प्रत्येक नागरिकाने शिक्षण घेऊन मूलभूत हक्क बजावला पाहिजे. समाजामध्ये शिक्षणाशिवाय जीवन कठीण होते म्हणून प्रत्येकाने शिक्षण हा आपला पहिला हक्क बजावला पाहिजे. सावित्रीबाई फुले म्हणतात, "विद्येविना गती गेली, गती विना मती गेली, मतीविना शुद्ध खचले, इतके अनर्थ एका अविद्येने केले" याचाच अर्थ असा आहे की, 'माणसाचे जीवन हे विद्येशिवाय शून्य आहे, व्यर्थ आहे.'

विद्या म्हणजे 'शिक्षण'. जर शिक्षण नसेल, तर माणूस अज्ञानी राहतो. तो प्रगतीपासून वंचित राहतो आणि जर व्यक्तीची प्रगती होत नसेल, तर त्याच्या बुद्धीचा विकास होत नाही. म्हणून अज्ञानाला दूर करून ज्ञानाकडे जायचे असेल तर आपल्याला शिक्षण घ्यावेच लागते. 'जरी शिक्षणाचे मूळ कटू असले तरी त्यावर येणारे फळ हे गोडच असते.' याचा अर्थ असा आहे की, जीवनात शिक्षण नसेल तर जीवन अर्थहीन आहे म्हणून हे जीवन जगण्याचा काही उपयोग नाही म्हणून जीवन जगायचे असेल तर प्रत्येकाने शिक्षण हे घेतलेच पाहिजे.

आर्यन वर्णे
इयत्ता पाचवी अ



‘स्त्री’ शिक्षणाचे महत्त्व

आपल्या समाजात पूर्वी मुलींना शिक्षण घेण्यासाठी विरोध होता परंतु शिक्षण घेण्याचा अधिकार सर्वांना आहे व असलाच पाहिजे कारण शिक्षण घेण्याला खूप महत्त्व आहे. आपले आई वडील आपल्यासाठी काम करून, कष्ट करून आपल्याला शाळेत घालत असतात.

परंतु ते वयस्कर झाल्यावर सर्व जबाबदाऱ्या आपल्या खांद्यावर येतात. म्हणजेच आई. वडिलांची काळजी घेणे, त्यांना वेळेवर गोळ्या देणे ई. बरं, गोळ्यांवरची माहिती वाचण्यासाठी शिक्षण किती महत्त्वाचे आहे! आणि हे सर्व कळण्यासाठी, धान्य, भाजी, वेगवेगळ्या गोष्टी आणण्यासाठी पैसे लागतात मग हे पैसे येतात कुठून? तर नोकरी केल्यावर..... आणि नोकरी करण्यासाठीआपले ‘शिक्षण’ हे खूप महत्त्वाचे आहे.

आपण आपली जबाबदारी नीट पार पाडल्यावर, नोकरी केल्यावर, मोठे झाल्यावर, जो अभिमान आपल्याला आपल्या आई-बाबांच्या डोळ्यांत दिसून येतो तो पाहून समजायचं की आपल्या पालकांनी आपल्यासाठी केलेले कष्ट सार्थकी लागले. आपण त्यांना समजून घेऊन, शिक्षण घेऊन, मोठे होऊन ‘खुश’ केले.

म्हणूनच तर एका स्त्रीच्या आयुष्यात वडील, भाऊ, नवरा व मुलगा ही नाती खूप महत्त्वाची असतात कारण इतिहासातील अनेक उदाहरणे आपल्याला वडील सुशिक्षित व खंबीर पाठिंबा देणारे असल्यामुळे तयार झालेल्या ‘गार्गी’ आपल्यासमोर घेऊन येतात. तर भाऊ शिकलेला, समजूतदार असला तर एखादी बहीण ‘विमल मोरे’ यांच्याप्रमाणे प्रख्यात लेखिका, समाजसुधारक बन् शकते तर ज्योतिबा फुले सारखा नवरा असेल तर सावित्रीबाई फुले बन् शकतात.

म्हणूनच तर शिक्षण खूप महत्त्वाचे आहे आणि सर्व भगिनींनी जसे जमेल त्याप्रमाणे अथवा खास प्रयत्न पूर्वक शिक्षण घ्यावे व स्वतःला ‘स्वावलंबी’ बनवावे!

प्रणवी कडव
इयत्ता पाचवी अ



गमती जमती

शिव आहे माझा भाऊ, आम्ही शेअर करतो खाऊ.
मम्मा म्हणते गोदू प्ले, मग आम्ही खेळतो क्ले.

आजी बाबा लावतात जीव, नातवंड त्यांची सलोनी शिव.
पप्पा माझे चालवतात जहाज, आठवण येते त्यांची आज.

मराठीच्या तासाला होतो मला आनंद,
गोष्टी समजून सांगतात सर विवेकानंद...

सलोनी घुले

2 – अ



पत्रलेखन
नातीचे आजोबास पत्र

प्रिय आजोबा,
सप्रेम नमस्कार, आमच्या वार्षिक परीक्षा नुकत्याच संपल्या एक मे ला निकाल जाहीर होईल आणि त्यानंतर उन्हाळ्याची सुट्टी आहे. यावर्षी मी, इरा, आई आणि बाबा पूर्ण महिनाभर गावी राहणार आहोत. या सुट्टीत मी तुम्हाला व आजीला वाचण्यासाठी एक सुंदर पुस्तक घेऊन येणार आहे. मला तुमची व आजीची खूप आठवण येते. कधी एकदा गावी येऊन तुम्हाला भेटते असे झाले आहे. इरा तर सारखे आजी-आजोबांकडे जायचे असे म्हणते. उड्या मारत असते. या सुट्टीत मी तुमच्याकडून खूप गोष्टी ऐकणार आहे. तुम्हाला शेतात काम करायला मदत पण करणार आहे. आपल्या कवी कपिला गायीच्या वासरासोबत खूप खूप खेळणार. आजीला माझ्या आवडीचे लोणचे व पापड बनवून ठेवायला सांगा. बाबांनी तुमच्यासाठी नवा कोट आणि आजीला नवी पैठणी घेतली आहे. येताना सोबत घेऊन येऊ. लवकरच भेटू.

तुमची लाडकी नात,
स्वराली साळवे
[इयत्ता पाचवी अ]



दिनांक. ७ जानेवारी, 2023.

‘कारागिरी’ या पाठाशी संबंधित ‘महाराष्ट्रातील विविध कारागिरांच्या कारागिरीचा अभ्यास करून कोणत्याही एका कारागिरीची निर्मिती त्याचे प्रदर्शन भरविणे’ हा उपक्रम घेण्यात आला.

विद्यार्थ्यांनी सुट्ट्यांमध्ये महाराष्ट्रातील विविध कारागिरांविषयी माहिती मिळवून स्वतःच्या हाताने विविध वस्तू बनविल्या. या वस्तूंचे प्रदर्शन दिनांक 7 जानेवारी रोजी इयत्ता पाचवी अ आणि ड या वर्गात भरविण्यात आले.

त्यांनी सादर केलेल्या या कलाकृतींना पालकांनी व प्रेक्षकांनी भरभरून प्रतिसाद दिला व कौतुक केले. महाराष्ट्रातील कारागिरी कोणती, त्याविषयीची माहिती विद्यार्थ्यांना मिळावी आणि पारंपारिक वारसा पुढे चालावा हा या उपक्रमा मागील उद्देश होता.

मित्र

जीवाला जीव लावणारे ,
प्रसंगी आपला जीव घेणारे मित्र
प्रेमाने दोन घास भरवणारे
नकळत आपला डबा संपवणारे
दुःखाच्या वेळी आपल्याला खांदा देणारे
चुकलो तर रडवणारे
खोडी करणारे , खोडी करायला लावणारे
दुःखी झालो तर हसवणारे
चूक झाली तर झापणारे
दुःखी झालो तर हसवणारे
शिक्षकांना त्रास देणारे
पण त्याचा आदर करणारे
नावापुरते नाही, गरजेपुरते नाही
पैशापुरते नाही ,हौसेपुरते नाही
जीवाभावाचे मित्र असतात.
(नील देशमुख १० ड)

आजीची माया

आजीची माया असतेच अशी
मनाच्या कुपीत जपून ठेवावी जशी
आजीची माया असतेच अशी
मुरंब्याची गोडी वाढावी जशी
आजीची माया असतेच अशी
तूपरोटी साखर खावी जशी
छान छान गोष्टी म्हणजे आजी
लहानपणीच्या भरपूर आठवणी म्हणजे आजी
जत्रेतील खूप मज्जा म्हणजे आजी
गोड खाऊचा डब्बा म्हणजे आजी
डोळ्याची पापणी लवते जेव्हा जेव्हा
आजी मला तुझी आठवण येते तेव्हा तेव्हा

(भार्गव कामथे ७ ब)

निसर्ग

निसर्गाचे सौंदर्य कधी अनुभवले का ?
हिरवी गार झाडी - झुडपे कधी पाहिलीत का?

कधी असतो पावसाचा हा खेळसारा ,
तर कधी सुटतो सोसाट्याचा वारा

ओल्या माती चा वास दरवळे,
असतो आनंद मग चोहीकडे

झाडांवर येतात सुंदर सुंदर फुले,
कोमल जणू ती लहान लहान मुले

मला आवडतो फार फुलांचा वास ,
कारण ती असतातच इतकी खास

इतका सुंदर आहे हा निसर्ग ,
करू नका तुम्ही नष्ट याचे हे सौंदर्य.

(गीतांजली निकम ९ब)



माझी आई

जशी की ती झाशीची राणीच,
पाठीवर घेऊन आम्हास पुढे आली,
हिम्मत दिली, प्रेरणा दिली,
प्रेम दिले, संस्कार दिले,
अशी ही माझी, माझीचआई।

बहीण झाली, मैत्रीण झाली,
कधी-कधी शिक्षिका ही झाली,
आयुष्यभर पाठीशी राहून मार्गदर्शक ही झाली
अशी ही माझी,माझीचआई।

गरीबीतून पुढे आणले, गरिबीतून आणले पुढे
बरोबर शिक्षण ही दिले, सोबत शिक्षण ही दिले
धीर कधी खचू दिला नाही, खचू दिला नाही धीर
तू करत जा होत जाईल,तू करत जा होत जाईल,

शिकवण नेहमी देत गेली,
अशी ही माझीआई, माझीचआई।

अशिक्षित ती माझीआई पण,
कर्म केले शिक्षितानपेक्षा जास्त,
अशी ही माझीआई, माझीचआई।

फक्त आम्हा बहिणभावांना, केवळ लेकरा बाळानाचघडवले नाही
मार्गी लावले असे नाही, सगे-सोयरे आपले -परके
तर खूप जणांना मदत केली,
मग ती असेल भावनिक, आर्थिक,
अशी ही माझीआई, माझीचआई।

जरी जुन्या काळातील असली तरी,
माझी आई राहिली नेहमी आधुनिक विचारांची,
अशी ही माझीआई, माझीचआई।
सौ.शोभा तुकाराम पाटील

आई

आई तुझी माया,
जशी झाडाची छाया!

आई तुझे सांगणे,
हेच माझे मागणे!

आई तुझे बोलणे,
जसे तुझ्याकडचे सोने!

आई तुला माझे धन्यवाद,
तू रहावे सुखी हिच माझी
परमेश्वराकडे साद!

(तन्वेंषा लोखंडे ६ ब)

पर्यावरण वाचवा

झाडे लावा, झाडे जगवा"
पोपटा सारखे बोलू नका.
पर्यावरणाला वाचवण्यासाठी,
थोडे तरी प्रयत्न करा.

"पाण्याविना नाही प्राण"
हे नक्की आहे खरे.
सोन्या पेक्षा मौल्यवान,
पाण्याचे महत्व, तू जाण बरे.

"स्वच्छ भारत, सुंदर भारत"
असा निर्णय घ्या की.
एक पाऊल पुढे ठेवा,
उज्ज्वल भविष्यासाठी!

"प्रदूषण हटवा, पर्यावरण वाचवा
करा पाणी व्यवस्थापन."
निसर्गाचे कराल जरसंवर्धन,
तरच तो करेन आपले संरक्षण!

(स्वस्ती घोडेकर ६ अ)



स्वराज्य तोरण

(म्हणी व वाक्प्रचाराचा वापर करून लिहिलेले प्रसंग लेखन)

संपूर्ण मावळ प्रांतावर जेव्हा मुघलांचा राज्य पसरला होता, तेव्हा महाराष्ट्रातील मराठीशाहीचा अंत होणार हे निश्चित होते. पण, शिवाजी महाराजांसारखे शूर व पराक्रमी राजे जिजामातेच्या पोटी जन्माला आले. जिजाऊंनी शिवाजींना स्वराज्याचे स्वप्न दाखविले व पूर्ण करण्यास सांगितले.

शिवाजी महाराजांनी जिजाऊंच्या आज्ञेनुसार त्यांच्या मावळातील सवंगड्यांना गोळा करण्यास सुरवात केली. 'थेंबे थेंबे तळे साचावे'तसे तान्हाजी मालुसरे, येसाजी कंक, बाजी पासलकर, कान्होजी जेधे, इत्यादी जिवलग मित्र जमवले. त्या सर्वांना जिजाऊंनी आशीर्वाद दिला व सांगितले, 'केल्याने होत आहे रे, आधी केलेची पाहिजे.' नुसते स्वप्न पाहून स्वराज्य निर्माण होणार नाही, त्यासाठी धडपड करावी लागते.

मग सर्वांनी रोहिडेश्वराच्या मंदिरात जाऊन स्वराज्यस्थापनेची घेतली. रोहिडेश्वराच्या जवळ कानद खोऱ्यात उंच डोंगरावर एक जुना किल्ला होता. गनिमी काव्याच्या वापर करून आदिलशहाच्या बेसावध असलेल्या सैन्यावर हल्ला चढविला. अचानक झालेल्या हल्ल्यामुळे किल्यातील गाफिल सैनिकांची इकडे आड तिकडे विहीर अशी परिस्थिती झाली. त्यांना धड पळून ही जाता येत नव्हते व स्वतःचे रक्षण ही करता येत नव्हते. त्यामुळे शिवाजी महाराजांनी तो प्रचंड किल्ला जिंकला. तेथे असलेल्या मराठी सैनिकांना आपलेसे केले पण तेथिल देशमुख व देशपांडे हे वतनदार मात्र आदिलशहाच्या चाकरीत राहण्यास पसंत करीत होते. तेव्हा शिवाजी महाराजांनी त्यांची कडक शब्दात कान उघाडणी केली. स्त्रिया, मंदिरे व शेत यांची वाईट परिस्थिती ऐकून वतनदारांचे डोळे उघडले. अशाप्रकारे लोकांची मने व तोरणा किल्ला जिंकून शिवाजी महाराजांनी स्वराज्याचे तोरण बांधले.

चला मैदानावर

मराठीच्या तासातून काढून थोडा वेळ बाई तुम्ही न्या आम्हांला खेळायला खेळ खेळावर आधारित पाठ कविता असेल जेव्हा सर्व मिळून जाऊ मैदानावर तेव्हा ...

चला चला आवरा जाऊ मैदानावर नाहीतर बसावे लागेल वर्गातच दिवसभर खेळ कोणता खेळायचा यावर नका भांडू चला मिळून खेळूया विटी आणि दांडू सूर पारंब्या, आट्या-पाट्या, सागरगोट्या, लगोरी, खेळायचे हे खेळ मजाच आहे न्यारी अभ्यासही करू आणि खेळू आम्ही खेळ घालू आम्ही जीवनात सर्व गोष्टींचा मेळ खेळातूनही शिका जीवनमूल्ये आणि शिस्त आयुष्य बघा होईल कसे तंदुरुस्त आणि मस्त ...
(इयता सातवी अ द्वितीय भाषा मराठीचे विद्यार्थी)



मी पाहिलेले सूर्यग्रहण

मंगळवारचा (२५ नोव्हेंबर) दिवस होता. मी आणि माझे आई - बाबा काही कामा निमित्त बाहेर गेलो होतो. अचानक आम्हाला उशीर होत आहे हे माझ्या निदर्शनास आले. मग मी माझ्या आई-बाबांच्या लक्षात आणून दिले की आज सूर्यग्रहण आहे. बाबांनी लगेच घड्याळाकडे कटाक्ष टाकला तेव्हा लक्षात आले की आपण सूर्यग्रहण पाहण्यासाठी घरी वेळेवर पोहचू शकतो त्यानुसार आमच्या गाडीने वेग पकडला. दिवाळी असल्यामुळे रस्त्यावर शुक्रशुक्राट होता. गाडीने भराभर अंतर कापत पुढे जात होती. पाच वाजून पंधरा मिनिटांनी घराच्या गेटपाशी येउन थांबलो. घाईघाईने सूर्यग्रहण पाहण्यासाठी लागणारा चष्मा हुडकू लागलो. इकडे-तिकडे पळापळ करत असताना समोर ठेवलेला चष्मा अदृश्य झाला. माझ्या समोरच ठेवलेला चष्मा आईने मला दाखवला तेव्हा चष्मा पाहून हायसे वाटू लागले. चष्मा घालून अंगणात सूर्याला न्याहळू लागलो प्रथमच सूर्यग्रहणाचे दर्शन झाल्यामुळे मो थोडासा अचंबित झालो. पुढील सूर्यग्रहण भारतात तब्बल १३ वर्षांना बघायला मिळणार हे ऐकून मी थोडासा हिरमुसून गेलो. चष्मा लावून सूर्यग्रहणाचे ते अद्भुत दृश्य मनात साठवण्याचा प्रयत्न करू लागलो. सूर्याला वेध लागले, काही काळातच सूर्य ग्रहणातून बाहेर पडला आणि सर्वत्र स्वच्छ सूर्यप्रकाश पडला.

(अर्णव जगताप ६ ब)



लाडकी आजी !!

आई ची ती आई
म्हणे नको घाबरू गं बाई

तू लढ साऱ्या जगाशी
मी आहे तुझ्या पाठीशी

अभ्यास व कामाची दिलीयं तिने शिकवण
व जगायला शिकवले आहे चांगले जीवन

खूप दिले तिने संस्कर
त्यातलेच एक म्हणजे मदत व परोपकार

सांगायची ती करायला कष्ट
शिकवताना प्रत्येक गोष्ट

ती आहे सगळ्यात मोठा आधार
बनली आम्हा नातवंडांची शिल्पकार

आमच्यातच जायची ती रमून
पण दमली नाही कधी आमच्यासाठी झटून

ती करायची खूप प्रेम आणि माया
काळजी नसायची जेव्हा असायची तिची छत्र-छाया

तू नेहमी असशील माझ्या मनात
कोणी घेऊ शकत नाही तुझे स्थान या जगात

लाडके होतो आम्ही सर्वात तुझे
नात आहे तुझी हे भाग्य आहे माझे
सगळ्यात आहे विशेष व्यक्ती जी
ती आहे माझी लाडकी आजी !

(गीतांजली संजय निकम ९ब)

आजोळच्या आठवणी

मी माझ्या आजोळी गेले होते. तेव्हा मी पाहिले की आज तिथे खूप गर्दी आहे. त्यावर आजीला विचारले व आजी म्हणाली, "आज सोमवार आहे. आज आठवड्याचा बाजार आहे." नंतर मी आजीबरोबर मंडईत जाण्यासाठी हट्ट केला. तिने मला स्वतःबरोबर भाजी मार्केट दाखवायला नेले.

मी खूप आनंदी होते. कारण आज मी भाजी मार्केट बघायला जाणार होते. आजीने मला बजावले होते की ,तिकडे खूप गर्दी असते. म्हणून मी तिचा हात सोडायचा नाही. मी आजीचा हात पकडून भाजी मार्केटच्या दिशेने निघाले.

जसे, आम्ही भाजी मार्केटच्या जवळजवळ जाऊ लागलो. तस-तसे भाजीवाल्याचे आवाज माझ्या कानावर येऊ लागले टोमॅटो -टोमॅटो, वाटाणा- वाटाणा प्रत्येक जण स्वतःकडची भाजी कशी ताजी आणि स्वस्त आहे .हे येणाऱ्या - जाणाऱ्या माणसांना पटवून देत होते.

आजीआणि मी ही सगळीकडे फिरत- फिरत चांगली स्वस्त आणि ताजी भाजी कुठे मिळते ते पाहत होतो. मला माझ्यासारखी आणखी काही लहान मुलेही त्यांच्या आईबरोबर तिकडे आलेली दिसली. मंडई खूप मोठी होती .त्यामुळे मी थोड्याच वेळात चालून चालून खूप थकले .मग आजीने मला तिथे काही खाऊची दुकाने होती त्या खाऊच्या दुकानातून खाऊ घेतला व तोही मी खाल्ला. आजीने खूप साऱ्या भाज्या घेतल्या त्यानंतर आम्ही घरी जाण्यासाठी निघालो.

हा माझा मंडईतील फेर फटका मी कधीच विसरणार नाही.

(कादंबरी कदम पाचवी ड)

प्रसंग लेखन - शब्दसमूह

माझ्या वार्षिक परीक्षेनंतरच्या उन्हाळ्याच्या सुट्टीमध्ये मी माझ्या आजीआजोबांच्या गावी गेलो होतो.ते गावातल्या चौकाच्या दक्षिणेच्या पहिल्या तिठाच्या बाजूला राहतात. एके रात्री, मी माझ्या आजीकडून एक दंतकथा ऐकत होतो. ती कथा होती शिवाजी महाराजांची. 'शिवाजी महाराज जिज्ञासू होते. त्यांच्याकडे जिवलग मित्र होते. ते शिवनेरी गडाच्या तटावरून चौकामधल्या तितिक्षा असलेल्या लोकांचे कष्ट पाहत होते. एक शिपाई आला व बोलला" टांकसाळात नाणे बनत नाहीत." परम दानशूर महाराजांना खजिन्यात दानासाठी पैसे नाहीत. शिवाजी महाराजांनी मग नजीकच्या तोरणा नावाच्या गडाची स्वारी करण्यास ठरवली. पुढच्या दिवशी स्वारी केल्यावर त्यांना २ धातूची मोठे हांडे भरून सुवर्णमुद्रा मिळाल्या . त्यांनी शिवनेरीच्या चौकात जत्रेची दवंडी दिली.' मी मधूनच विचारले, 'आजी, पण त्यांच्याकडे दैनिक किंवा नियतकालिक नव्हते का?" "नाही रे खुळ्या, त्याकाळी दवंडी दिली जायची. हे दैनिक वगैरे आता आले आहे.' मी 'बरं' म्हंटले व आजीने परत सुरवात केली. 'जत्रेत सगळेजण आले. फेरीवाले व मिठाईवाले मुलांना खाऊ व खेळणी देत होते. दरवेशी,मदारी आणि गारुडी, त्यांच्या कलेचे प्रदर्शन करत होते. सोनार, चांभार, कुंभार, शिंपी व लोहार त्यांच्या वस्तू विकत होते. सगळेजण खुश होते. अश्या ह्या अद्वितीय शिवाजी महाराजांचे, द्वीपकल्प भारतातील खूप मोठ्या भागावर स्वराज्य पसरले होते. चला आता. झोप बरं ' असे म्हणून आजीने दिवा विझविला.

(-सम्यक पाटील, ७-बी)



फुगे विकणाऱ्या मुलीची मुलाखत

(पाठावर आधारित उपक्रम)

मी, सम्यक पाटील. माझ्या घरा जवळच्या भाजीमंडईत फुगे विकणाऱ्या मुलीची मुलाखत मी घेतली.

सम्यक: तुझे नाव काय?

फुगेवाली: तुलसी

सम्यक: तुझे वय काय?

फुगेवाली: १२-१३ वर्ष असेल.

सम्यक: भाऊ बहिणी आहेत का?

फुगेवाली: एक भाऊ आणि तीन बहिणी आहेत.

सम्यक: ते काय करतात?

फुगेवाली: मोठ्या दोन बहिणी वडिलांसोबत एका कारखान्यात कामाला जातात. लहान भाऊ व लहान बहीण आईसोबत चौकांमध्ये फुगे आणि खेळणी विकतात.

सम्यक: तू कुठे राहतेस?

फुगेवाली: भाजीमंडईच्या पुलाखाली राहतो.

सम्यक: तुला हे फुगे कोण आणून देतात?

फुगेवाली: मला हे फुगे माझे वडील आणून देतात पण ते कुठून आणतात ते मला माहित नाही.

सम्यक: तू कोठे कोठे फुगे विकतेस?

फुगेवाली: मी मंदिराजवळ, बागेजवळ, शाळेसमोर, रस्त्याच्याकडेला, भाजीमंडईमध्ये आणि चाळीत फुगे विकते.

सम्यक: तुला अंदाजे किती रुपये मिळतात?

फुगेवाली: १ फुगा १० रुपयाला आहे. मला कधी कधी ५० तर कधी १०० रुपये ही मिळतात. हे पैसे मी वडिलांना देते.

सम्यक: तुला फुगे विकायला आवडतात का?

फुगेवाली: हो. फुगे विकतांना मला नवीन माणसे दिसतात, नवीन ओळखी होतात. छोट्या छोट्या मुलांना मला आनंद देता येतो.

सम्यक: तुला शाळेत जायला आवडेल का?

फुगेवाली: हो. मला शाळेत खूप लहानपणापासून जायचे होते पण काम केले नाही तर पैसे मिळणार नाही. मग बाकीच्या गोष्टी कसे करणार?

या मुलाखतीनंतर ती पुढे निघाली कारण एक जागी थांबून तिला फुगे विकत येणार नव्हते.

(-सम्यक पाटील, ७-ब)



आयुष्याचे खरे दर्पण

तास न् तास आरशात पाहून स्वतःशीच हसणाऱ्या ललनेकडे पाहून आरसा म्हणाला, "हे ललने, सौंदर्य म्हणजे काय?"
ललना लाजली आणि एकटक त्याच्याकडे पाहून म्हणाली,
"तुझं माझ्याकडे नजर रोखून पाहणं म्हणजे.... सौंदर्य.
माझं स्वतःकडे पाहून हसणं म्हणजे..... सौंदर्य
आणि....."

आरसा तिला मध्येच थांबवत म्हणाला, " हे ललने, तुला खरे सौंदर्य म्हणजे काय? ते सांगतो, आयुष्याचा खरा आरसा तुला दावतो."
असे म्हणून आरसा म्हणाला-
रोपाला कळी येताना त्यात होणारे बदल म्हणजे....सौंदर्य
जन्म देताना पोटाला पडणाऱ्या वळ्या म्हणजे.....सौंदर्य
भाकरी थापताना हाताला लागलेल्या चटक्यांचे व्रण म्हणजे.....सौंदर्य
जळण जमवताना पायात रुतलेल्याकाट्यांच्या जखमा म्हणजे.....सौंदर्य
भांडी घासताना राखेत माखलेला हात म्हणजे.....सौंदर्य
शेतात राबताना पाठीला आलेला बाक म्हणजे.....सौंदर्य
पदके मिळवण्यासाठी मैदानावर काळवंडलेली काया म्हणजे.....सौंदर्य
रणांगणावर शौर्य गाजवताना शरीरावर झालेले घाव म्हणजे..... सौंदर्य
मुखावरी असणाऱ्या अनुभवांच्या सुरकुत्या म्हणजे...सौंदर्य
म्हणूनच सांगतो,
"नश्वर जे सौंदर्याला अधिक महत्त्व देऊ नको!
क्षणात नष्ट होईल जे, त्या मागे तू धावू नको,
शाश्वत अभिजात सौंदर्याची साम्राज्ञी तू!
अगम्य शक्तीची धनी तू, त्याकडे सौंदर्याकडे दुर्लक्ष करू नको!"
सौंदर्याचे खरे परिमाण ललनेला उमगले,
सत्य जाणिवेचे अश्रूडोळ्यात तरंगले
स्वतःशीच लाजून ती ललना, वदलीझुकवून तिचे नयना,
"क्षमा असावी मज, बाळबोध मी बोलले,
आयुष्याचे खरे दर्पण, आज तुम्ही मला दावले"

(कीर्ती पालोदकर
मराठी शिक्षिका)

वाचू आनंदे

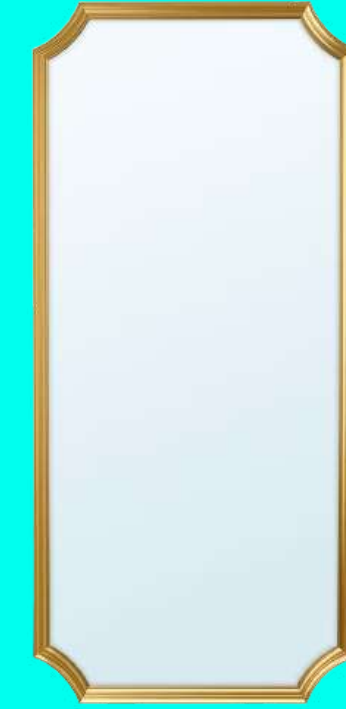
प्रत्येकाच्या मनात एक कलाकार दडलेला असतो. लहानपणीच जर आपल्यातील कलाकाराशी ओळख झाली तर जीवन आनंददायक होईल ! थोर साहित्यिक पु.ल. देशपांडे यांनी याबाबत एक उद्धोधक विचार मांडला आहे, "साहित्य, चित्रकला, संगीत, नाट्य, खेळ यातल्या एखाद्या तरी कलेशी मैत्री करावी कारण कलेशी जमलेली मैत्री का जगायचे ते सांगून जाईल."

भाषा हे अभिव्यक्तीचे सुंदर मध्यम आहे त्यामुळे विद्यार्थ्यांना व्यक्त होण्यासाठी आम्ही भाषा शिक्षक नेहमीच वेगवेगळे उपक्रम हाती घेतो. काव्यलेखन, प्रसंग लेखन, प्रवास वर्णन, मुलाखत अशी लेखन कौशल्ये आत्मसात करून विद्यार्थी आपल्या भावना, विचार उत्तमपणे मांडू लागले आहेत. नाटुकले, पाठांचे नाट्यीकरण, सूत्रसंचालन, अभिवाचन यासारख्या उपक्रमातून विद्यार्थ्यांचा आत्मविश्वास वाढीस लागला. विद्यार्थ्यांमधील लेखक, कवी, अभिनेता, अभिनेत्री यांची मला यानिमित्ताने नव्यानेच झालेली ओळख आनंददायी होती.

विपूल शब्दसंपत्ती, शुद्ध उच्चार व लेखन हे भाषेचे अलंकार आहेत. हे अलंकार प्राप्त करण्यासाठी मराठी साहित्यातील उत्तमोत्तम साहित्य वाचावे. वाचनालयातून मराठी पुस्तके आवर्जून घ्यावीत. किमान तीन महिन्यातून एकदा पुस्तक विकत घेऊन घरातील सर्व मंडळींना एकत्र बसवून त्याचे प्रकट वाचन करायला सुरुवात करा. चर्चा करा, आपली मते आवर्जून मांडा, कथेचा सारांश लिहून ठेवा. आजूबाजूला घडणाऱ्या घटना प्रसंगाना शब्दबद्ध करायला सुरुवात करा. या लेखन प्रवासातून तुम्हाला नक्कीच विलक्षण उर्जा मिळेल.

‘दिसामाजी काहीतरी लिहावे’ असे संत रामदास स्वामी यांनी म्हटले आहे. लेखन कौशल्य आत्मसात करून मिळणारा आनंद हा नक्कीच विलक्षण असेल यात शंकाच नाही.

(मंजिरी फडके
मराठी विषय शिक्षिका)



पोवाडा गायन स्पर्धा अहवाल

बुधवार दिनांक २७ जुलै, २०२२ रोजी इयत्ता आठवी ते दहावी द्वितीय भाषा मराठीच्या विद्यार्थ्यांसाठी 'गटनिहाय पोवाडा गायन स्पर्धेचे' आयोजन करण्यात आले होते.

महाराष्ट्राची संस्कृती व लोककला जिवंत ठेवण्याचे काम पोवाडाच्या माध्यमातून शाहिरींनी केले. हाच सांस्कृतिक वारसा विद्यार्थ्यांनी कलेच्या माध्यमातून जतन केला पाहिजे. शालेय अभ्यासक्रमाबरोबरच लोककला, लोकसंगीत याची विद्यार्थ्यांना माहिती व्हावी, भाषा शिकत असतानाच विद्यार्थ्यांना भाषेच्या माध्यमातून विविध साहित्यप्रकार व लोककला यांची ओळख व्हावी आणि विद्यार्थ्यांमधील सुप्तगुणांना वाव मिळावा हा पोवाडा गायन स्पर्धेमागील उद्देश होता.

या कार्यक्रमासाठी पवार पब्लिक स्कूल हिंजवडी शाखेचे श्री. सदानंद भताणे व स्वरसंस्कार शिक्षण व कौशल्यविकास संस्थेच्या संस्थापक संचालिका सौ. अनुराधा कुलकर्णी यांनी परीक्षकांची भूमिका बजावली. शाळेचे प्राचार्य, श्री. देवेंद्र कुमार, प्राथमिक विभागाच्या मुख्याध्यापिका सौ. नीता गोवर व माध्यमिक विभागाच्या मुख्याध्यापिका सौ. रीमा भट्टाचार्य उपस्थित होत्या.

हिमालय, निलगिरी, सह्याद्री व विंध्य या गटांचे गटप्रमुख यावेळी उपस्थित होते. विद्यार्थ्यांनी अतिशय उत्तमरीत्या सादरीकरण केले. या स्पर्धेमध्ये सह्याद्री गटाने प्रथम क्रमांक पटकावला तर द्वितीय क्रमांक निलगिरी आणि विंध्य गटांमध्ये विभागून देण्यात आला. तृतीय क्रमांक हिमालय गटास मिळाला.

या स्पर्धेच्या माध्यमातून विद्यार्थ्यांची सर्जनशीलता, कल्पकता, संवाद कौशल्य, सामाजिक जाणीवा हे गुण विकसित होण्यास नक्कीच मदत झाली आहे. लोकसाहित्याचे जतन व्हावे यासाठी पवार पब्लिक स्कूल, हडपसर च्या विद्यार्थ्यांनी उचललेले हे एक पाऊल ठरले.

(सौ. उज्ज्वला काळभोर,
मराठी विभाग प्रमुख)



माझा नृत्याचा प्रवास

म्हणतात ना इच्छा तिथे मार्ग! असंच काहीस माझ्या आयुष्यात घडलं. प्रत्येकाला कोणता तरी छंद असतो तसा मला नृत्याचा छंद लहानपणापासूनच होता. वाटलं होतं काका नाटक कंपनीत परेलला आहेत त्यांच्याकडे राहून मी नृत्याचे धडे शिकेन पण, ते शक्य झालं नाही. घरातच मग रेडिओ वरती गाणी लागली की मी नृत्य करत असे.

मला आठवतंय हायस्कूलला शाळेत इयत्ता आठवीमध्ये प्रवेश घेतला. क्रीडा महोत्सव व सांस्कृतिक कार्यक्रम सुरू झाले. सांस्कृतिक कार्यक्रमांमध्ये मला माझे नृत्य सादर करायचे होते पण, नेहमीच्याच ठरलेल्या मुलीच भाग घ्यायच्या. मला नृत्य सादर करण्यास नकार देण्यात आला. घरी येऊन आईला सांगितले. आई शाळेत आली व सांगितले की हिला नृत्याची आवड आहे तेव्हा तिला एकदा संधी द्या. तुम्ही एकदा तिचा नाच पहा. आवडला तर ठेवा नाहीतर नको. मग मॅडमनी दुसऱ्या दिवशी आम्हाला परत बोलावले. मी माझी कॅसेट व टेप घेऊन मॅडमकडे गेले. गाणं वाजवलं त्यावर मी नृत्य केलं. मॅडमना ते खूप आवडलं आणि नंतर प्रत्येक कार्यक्रमात माझेच नृत्य असायचे. ते नृत्य होते गणपतीचे. गणपती स्तुती. 'गणराज रंगी नाचतो.' अशाप्रकारे नृत्याचा पहिला श्री गणेशा शाळेत झाला.

लग्नानंतरही नृत्य काही थांबलं नव्हतं. अधून मधून घरात कोणी नसताना एकटीच रेडिओ लावून नाचत बसे. माझ्या सासऱ्यांनी माझ्या मुलीला नृत्याचे धडे घेण्यासाठी घरीच नृत्य शिक्षकांना बोलावले. त्यांना हेही माहिती होते की मलाही नृत्याची आवड आहे. माझी आवड लक्षात घेऊन त्यांनी सांगितले की, "तुलाही आवड आहे तर तू सुद्धा नृत्याचे धडे घ्यायला सुरुवात कर." हे वाक्य ऐकून माझा आनंद गगनात मावला नाही. मग मी आणि माझी लेकरे घरीच नृत्याचे धडे घ्यायला सुरुवात केली. काही वर्षांनी मग आम्ही सदाशिव पेठेतील भरत नाट्यमंदिर येथे श्रीयुत मुल्ला सर व श्रीयुत बेलसरे सर यांच्याकडे शास्त्रीय कथक नृत्याचे धडे घेऊ लागलो. परीक्षा देऊ लागलो. नृत्याचे धडे आम्ही मायलेकी घेत होतो. पाच परीक्षा देऊन झाल्या नंतर सासऱ्यांचे निधन झाले. परिस्थिती बदलली सगळ्या जबाबदाऱ्या आल्या त्या पार करत करत एकीकडे नृत्य सुरू होतं पण घर लांब असल्यामुळे दोघींनाही नृत्य क्लास बंद करावा लागला. पण मी मात्र अधून मधून ऑनलाईन नृत्याचे धडे घेत होते. पण आता शरीर साथ देत नाही. आवड आहे सवड आहे पण शरीर साथ देत नाही हे जरी असलं तरी नृत्य थांबलं नाही ते अविरत चालूच राहील. कधी मन उदास असले की एखादं क्लासिकल गाणं लावून त्यावर आधारित नृत्य करते. मन कसं अगदी प्रसन्न होतं. मनावर आलेली मरगळ निघून जाते. कुठे एखादं गाणं सुरू झालं की आजही माझे पाय त्या तालावर थिरकतात. असा हा माझा नृत्याचा प्रवास अविरत चालूच राहील.

(मराठी शिक्षिका
श्रीमती शर्मिला वडके.)



दिवसभर खूप काम झाले होते. दिवसभराच्या दगदगीने घरी आल्यावर थोडासा आराम करावा हाच विचार मनात चालू होता. घरी येईपर्यंत वातावरण ढगाळ बनले होते. आकाशात काळ्या ढगांचे थैमान सुरू होते. घरी येऊन पाय टेकवते एवढ्यात जोरदार पाऊस सुरू झाला. पावसाने आपली हजेरी लावली होती. पावसामुळे वातावरण कसं थंड झालं होतं. बाहेर पडलेल्या या थंड वातावरणासोबत गरम गरम चहा आणि सोबतच कांद्याचे भजे करून खाण्याची इच्छा जागृत झाली. गरम गरम वाफाळलेला चहा आणि खमंग भजी...मन प्रसन्न करून गेले. प्रसन्न झालेले मन, हे वातावरणामुळे झाले होते की शरीराला मिळालेल्या ताजेपणामुळे हे सांगणं कठीणच.

काही वेळातच पावसाचं बरसणं थांबलं. आकाश निरभ्र झालं. सर्वत्र ओलचिंब आणि प्रसन्न असा वातावरणसंध्याकाळची वेळ... 'थोडासा फेरफटका मारून येऊ' असं मनात येऊन गेलं आणि मग काय मनाने पण होकार दिला. तयार होऊन पांढरे शुभ्र वस्त्र घालून मी घराबाहेर पडले. आजूबाजूचं वातावरण मला मनापासून सुखावत होतं. कधी या वातावरणाशी मी एकरूप झाले मला कळलंच नाही. पायी पायी फिरत बदललेल्या वातावरणाचं निरीक्षण करत स्वतःच्या मनाला ताजेपणा देत त्या वातावरणाशी गप्पा करत, मी एकटीच पायी पायी चालत होते. त्या ओल्या चिंब झाडातून पडणारे पाणी, पाण्याचे थेंब आणि ओली चिंब झालेली पाखरं पंख फडफडवून स्वतःला कोरडी करताना पाहून मनाला आनंद मिळत होता.

निसर्गासोबत गप्पा मारत मारत मी एकटीच पायवाट तुडवत समोर येत होते. पाहता पाहता अंधार झाला. काळोखाने हाजेरी लावली. सर्वत्र काळोख पडला आणि पायी पायी फिरताना आपण बरेच अंतर पुढे निघून आलो याची जाणीव झाली. समोर निर्जन रस्ता, आजूबाजूला दाटलेला काळोख, अरुंद पायवाट किंचित मनाला भीती देऊन गेली.मग ठरवलं आता मागे फिरण्या पण त्या रस्त्याने गेलो तर पुन्हा वेळ लागेल हे माहीत होतं म्हणूनच एक छोटा आणि सोपा रस्ता निवडायचा ठरवलं. तो रस्ता ही अरुंदच आणि तशी पायवाटच पण अंतर जवळ म्हणून तिथूनच जाऊ असं ठरवलं. मी समोर पाय टाकला आणि बघते तर काय... त्याने स्वतःच अस्तित्व तिथे निर्माण केलं होतंअरे बापरे!आता काय करावं ?पाय टाकावा समोर ??तो तर आपल्या समोर निवांत बसलेला होता... जणू कोणाची वाटच बघत. खाऊ की गिळू असं काहीसं झालेलं होतं त्याला. मी मागे-पुढे पाहिलं. रस्त्यावर कोणीही नव्हतं. रस्त्यावरचे दिवे अजून लागलेले नव्हते. रस्त्यावरचे दिवे इतक्यात लागतील असं वाटतही नव्हते. दूर दूर पर्यंत कोणीही दिसत नव्हतं. आता काय करावं? मागे फिरता येणार नाही आणि समोर जाता येणार नाही. या द्विधा मनःस्थितीत काही सूचत नव्हतं. किंचाळूनही काही उपयोग नव्हता. कोणीही मदतीला धावून येऊ शकणार नव्हतं. त्या निर्जन रस्त्यावर प्रतिध्वनी म्हणून राहणार होती ती फक्त माझी किंचाळी.पण आलेल्या परिस्थितीला तोंड तर द्यावेच लागणार होते.मग सर्व शक्तीनिशी येईल त्या परिस्थितीचा सामना करण्याचे ठरवले आणि मग मनाचा निर्धार करून पाय समोर टाकला.

इतक्यात समोरून एक चार चाकी गाडी वेगाने माझ्या जवळून निघून गेली. तिच्या त्या दिव्यांचा लख्ख प्रकाश माझ्या डोळ्यांवर पडला आणि मी डोळे गच्च बंद केले. एवढ्यात ती चार चाकी गाडी समोरच्या खड्ड्यातून निघून गेली आणि माझ्या पांढऱ्या शुभ्र ड्रेसवर त्या खड्ड्यात साचलेल्या पाण्याचे डाग पडले. इतका वेळ पांढरे शुभ्र कपडे वाचावेत म्हणून तो खड्डा पार करावा का नाही या विचारात असणारी मी आता मात्र स्तब्ध झाले. शांत झाले. मनात विचार आला आता कशाचा विचार करायचा? ना मागे कोणी आहे, ना पुढेरस्ता निर्जन आहे, काळोखही आहे आणि आपल्याशिवाय हे पाहायला कोणीही नाही. म्हणूनच मी त्या रस्ताभर असणाऱ्या डबक्यात मनसोक्तउड्या मारून घेतल्या.माझ्या कपड्यांवर डाग पडतील हा विचार न करता मनसोक्त आनंद लुटला म्हणूनच सांगते, कधी कधी आपण खूप विचार करतो आणि मनाला योग्य-अयोग्य हे समजावत राहत कुठे ना कुठे अडकवून ठेवतो. हे असं न करता कधी कधी अविचारीपणे स्वतःला मनसोक्त भिजवण्यात, डुबवण्यात अगदी पाण्याच्या डुबक्यातही आनंद मिळतो म्हणूनच म्हणते जास्त विचार करू नका...कधी कधी मनाचेही ऐका आणि बालपण जगून घ्या..अशीही एक धुंद संध्याकाळ तुमच्याही वाट्याला येऊ द्या!

(कीर्ती पालोदकर
मराठी विषय शिक्षिका)



अहवाल - विषय मराठी (शैक्षणिक वर्ष- २०२२-२३)

दूरसंचार प्रणालीद्वारे शिक्षण देणे हळू हळू बंद झाले व हसत खेळत सर्व विद्यार्थी प्रत्यक्ष शाळेत आले. भाषेची उद्दिष्ट्ये श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन साध्य व्हावीत व विद्यार्थ्यांमध्ये उपजतच असणा-या निरीक्षण, निवेदन, संकलन, सादरीकरण आदी क्षमतांचा विकास घडावा यासाठी मराठी विषय शिक्षकांनी नियोजनपूर्वक प्रयत्न केले.

वाचनकट्टा- 'आधी केले मग सांगितले' या उत्तीप्रमाणे मराठी विभागातील सर्व शिक्षक दर मंगळवारी एक तास ग्रंथालयात जमून वाचन करू लागले. महिन्यांच्या पहिल्या मंगळवारी क्रमशः वाचन, दुसऱ्या आठवड्यात कोणत्याही एका साहित्यकाराचा व त्यांच्या साहित्याचा परिचय, तिसऱ्या आठवड्यात संकलित साहित्य वाचन व चौथ्या आठवड्यात स्वलिखित साहित्य वाचन असा हा वाचनकट्टा आजही छान रंगतो आहे.

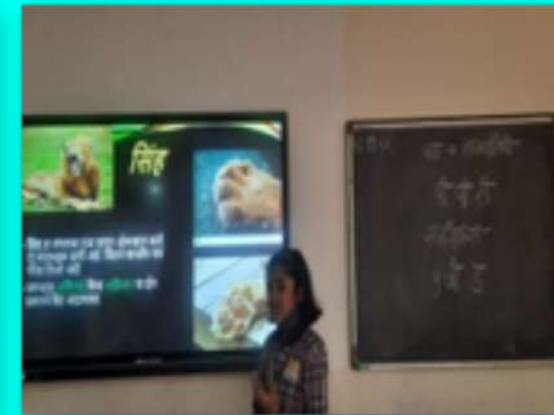
बैठक-प्रत्येक महिन्यामध्ये मराठी विभागाची बैठक होते. विचारांची देवाण घेवाण, समस्या निराकरण केले जाते. याचवेळी नियोजना प्रमाणे शिक्षक सूक्ष्म अध्यापन करतात. त्यामुळे एखादा पाठ्यघटक रंजकपणे कसा शिकवावा यासाठी नवनवीन कल्पना, युक्त्या यांचा वापर कसा करावा यावर चर्चा केली जाते. मराठी फलक लेखन हा सर्व शिक्षक व विद्यार्थ्यांसाठी कुतूहलाचा विषय असतो. नवनवीन माहिती, सामान्यज्ञान यासोबतच विविध भाषिक खेळ, कथा- कविता नियोजित फळ्यावर लिहिल्या जातात. यात शिक्षकांसोबत विद्यार्थी देखील आपला सहभाग नोंदवतात.

आय. सी. एस. ई. बैठक - शिक्षकांना योग्य मार्गदर्शन मिळावे यासाठी आय. सी. एस. ई मंडळाच्या मराठी विभागाकडून समन्वयिका सौ. आशा कुशारे यांनी दूरसंचार प्रणालीद्वारे बैठक घेतली. महाराष्ट्र सरकारच्या नवीन नियमाप्रमाणे द्वितीय भाषा व तृतीय भाषेसाठी कोणती पुस्तके शाळेत वापरावीत यावर मार्गदर्शन केले. इयत्ता दहावी साठी परीक्षा व प्रश्न पत्रिकेचे स्वरूप समजावण्यात आले. इतरही घटकांवर चर्चा झाली.

उपक्रम - प्राथमिक व माध्यमिक विभागात पाठ्यघटकांवर आधारित उपक्रम वर्गात राबविले गेले. भाषा विषयाशी इतर विषयांशी सांगड घातली गेली. कविता लेखन, नाट्यछटा, कारागिरी, दगडावरील रंगकाम, मातीच्या भांड्यांवर वारली रंगकाम, घोषवाक्य लेखन, तक्ते, विविध खाद्य पदार्थ तयार करणे इत्यादी उपक्रम राबविले गेले. विज्ञान प्रदर्शनाच्या उद्घाटनप्रसंगी विद्यार्थ्यांनी विज्ञानावर आधारित स्वलिखित भारुड सादर केले जे विशेष कौतुकाचा भाग ठरले. मराठी तृतीय भाषा शिकणे विद्यार्थ्यांना रंजक व्हावे यासाठी विविध शैक्षणिक साहित्याचा व नवनवीन तंत्रज्ञानाचा वापर केला जातो. जतन व संवर्धन संस्कृतीचे - आपली संस्कृती, परंपरा याची विद्यार्थ्यांना माहिती व्हावी यासाठी शाळेत भोंडल्याचे आयोजन करण्यात आले. विद्यार्थ्यांनी व शिक्षकांनी मोठ्या उत्साहात यात भाग घेतला. मराठी विभागातर्फे माध्यमिक विभागासाठी गटनिहाय पोवाडा गायन स्पर्धा व लोकनृत्य स्पर्धा घेण्यात आली.

महिना उपक्रमांचा - मराठी भाषा दिनाचे औचित्य साधून फेब्रुवारी हा महिना मराठी उपक्रमांचा महिना आहे. यामध्ये इयत्तेनुसार विविध उपक्रम व स्पर्धांचे आयोजन करण्यात आलेले आहे. त्यामध्ये विद्यार्थ्यांसाठी बडबडगीत, काव्यगायन/वाचन, थोर हुतात्मे वेशभूषा व माहिती, वक्तृत्व स्पर्धा, कथाकथन, स्वलिखित कविता सादरीकरण, पथनाट्य, मुलाखत लेखन, अभिवाचन अशा स्पर्धा होणार आहेत.

(डॉ.उज्वला काळभोर
मराठी विभागप्रमुख)



दीपावली

दीपों का त्योहार दीपावली,
खुशियों का त्योहार दीपावली।
श्री राम के वनवास से लौटने की खुशी में मनाते हैं
त्योहार,
खुशियाँ बांटते और देते एक दूसरे को कई उपहार।

सारी रात टिमटिमाती दीपों की रोशनी से,
भाई दूज पर होती बहनों की खुशियाँ भाई से।
हम पहनते नए - नए कपड़े,
जगमगाती रात में पटाखे हम फोड़े।

दीपावली जो आई है तो क्या इंतज़ार अब,
पकवान - मिठाई मिलकर खाए हम सब।
लक्ष्मी जी की पूजा करते हैं हम,
उनका आशीर्वाद रहे हमारे साथ हर दम।
हो चुकी जब बुराई की हार,
इसीलिए कह लाता है यह खुशियों का त्योहार ॥

(-इशिता जैन ६-३)



नन्हा बीज

पौधा लगाओ , पौधा लगाओ
सोए हुए बीज को फिरसे जगाओ,
बीज उठा, पर बन गया थोडासा झुठा
मिटठी ने सिखाया सच्चापन, फिरसे हो गया बच्चा छोटा

आया एक लंबा सफेद पैर, फिर आए हरे पत्ते
सभी रहे हसते- खेलते, जो उपर नीचे लटकते
हमेशा उनमे रहती थी प्रतियोगिता की कोन पहले बढ़ता
थी उन्हें बड़ी उत्सुकता की कोन जीतता और कोन हरता

पौधे ने उन्हें सिखाया प्यार
फिर हो गये वो बढ़ने के लिए तैयार
पौधा बना वृक्ष, आए नये पत्ते
अब वो अपने सच्चे विचारों से कभी ना हटते

(----- 6D)



कविता - हिन्दी

हिंदी हैं हमारी भाषा,
हिंदी हैं एक प्यारी भाषा,
हिंदी हैं भारत की राष्ट्रभाषा,
हिंदी हैं एक शुद्ध भाषा,
हमेशा बोलते या लिखते समय हिंदी,
सही होनी चाहिए हर मात्रा और बिंदी,
हमेशा बोलो शुद्ध हिंदी,
क्योंकि यह हैं भारत की मुख्या बिंदी।

(- साची लड्ढा) ६ - ड

क

ख

मुझे नींद नहीं आती!!

अगर मैं बिस्तर पर सोऊँ,
तो खरटे की आवाज आती।
अगर किचन में सोऊँ,
तो बूँद की टप-टप आवाज आती।
अगर मैं ट्रेन में सोऊँ,
तो छुक-छुक की आवाज है आती।
अगर मैं जहाज में सोऊँ,
तो लहरों की आवाज है आती।
अब मैं सोऊँ तो कहाँ सोऊँ?
वैसी कोई भी जगह नहीं है,
जहाँ मैं सुकून से सो सकूँ
लेकिन एक जगह हमेशा है और
रहेगी,
वह है मेरी माँ की गोद।

(- 6D)



अधूरी सी जिंदगी

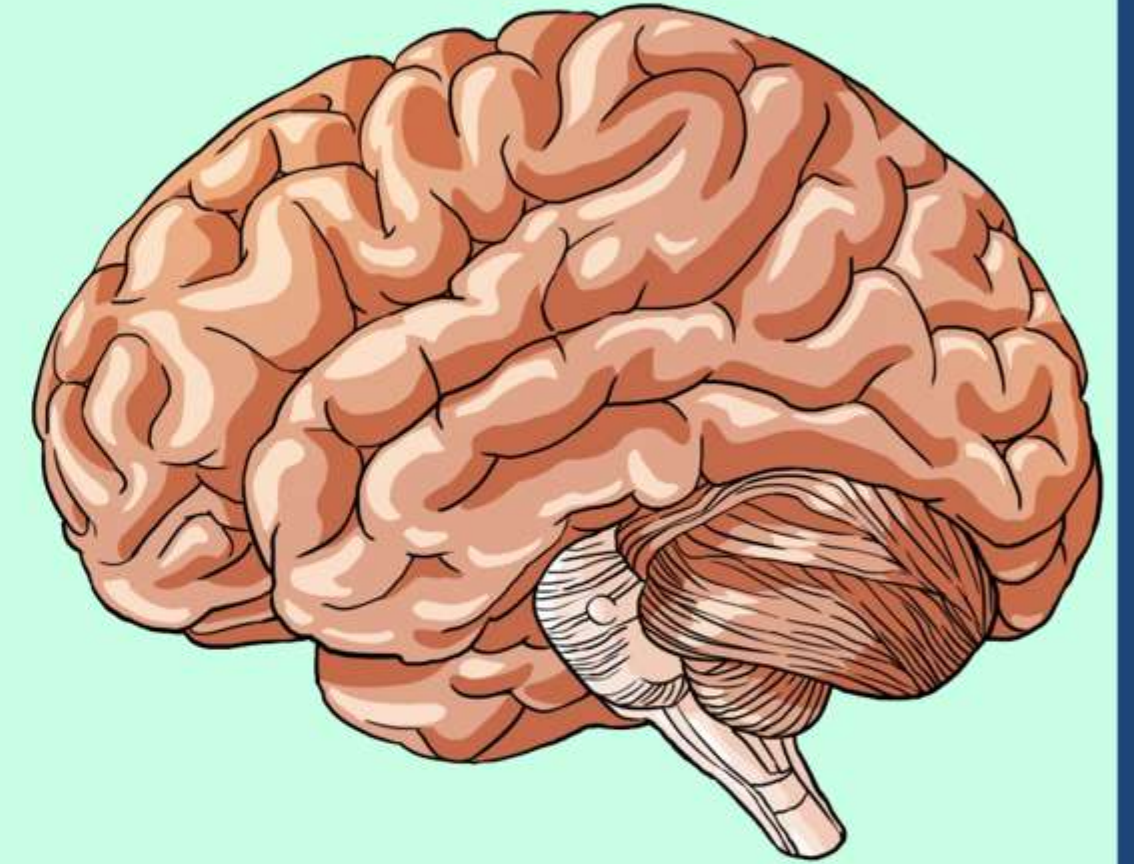
बार बार ऐसा लगता है
जिंदगी अधूरी सी है
चारों ओर सन्नाटा, अँधेरा है
उजाले में कुछ दूरी सी है
मेरी इच्छाओं का कोई
कातिल है
या मेरी इच्छाएँ कुछ दबी सी हैं

मेरे अपने सभी मेरे साथ हैं
फिर भी कुछ कमी सी है
मन के अंदर चल रहा दुन्द
पर बाहर की दुनिया हरी सी है
अधरों पर मुस्कराहट है
पर आँखों में नमी सी है
सभी आपस में जुड़े तो हैं
पर रिश्तों की डोर टूटी सी है
कभी बहुत कुछ खो गया है
पर फिर भी पाने के चाहत सी है
सुना है लिखने से मन हल्का हो
जाता है
पर लिखने में बहुत कुछ कमी सी है
बार बार ऐसा लगता है
जिंदगी अधूरी सी है
यह स्थिति पता नहीं किसकी है
मेरी है, उसकी है या हम सभी की है
(-पावनी दाते) 8A

जिंदगी चुनौतियों से भरी है... उसका कैसे सामना करके डरने से कुछ नहीं होगा उस चुनौती को डट कर सामना करो

~ २ प्रसिद्धि बंग ६ क
सह्याद्री हॉउस

#बाधाओं के खिलाफ लड़ाई



यह सब एक अच्छा दिमाग होने के बारे में नहीं है...

यह इस बारे में है कि आप इसे कितनी अच्छी तरह इस्तेमाल करते हैं... वैसे सच कहें तो उसमें आपकी चतुराई छुपी है

~ २ प्रसिद्धि बंग ६ क
सह्याद्री हॉउस

विषय - हिंदी
कक्षा - छठी

तिथि - २-९-२२

गतिविधि - नारा लेखन

उद्देश्य - छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ाना, भाषा में वृद्धि लाना, सहयोग की भावना बढ़ाना, नारा लेखन में लिए गए विषयों को प्रस्तुत करना। समाज को एक आदर्श संदेश देने के लिए नारा लेखन लिखा जाता है। लोगों को किसी भी कार्य को विशेष प्रेरित करने के लिए नारा लेखन लिखा जाता है। समाज के लोगों को किसी उद्देश्य को प्रेरित या जागृत करने के लिए नारा लेखन लिखा जाता है, यह बताना।

छात्रों के कला गुणों को निखारने के लिए कक्षा छठी के छात्रों के लिए २-९-२२ ' नारा लेखन प्रतियोगिता ' का आयोजन किया गया था। छात्रों के लिए यह एक अनोखा अनुभव था। नारा कुछ शब्द मिलाकर बनाया जाता है, जो व्यक्ति के अंदर उत्सुकता पैदा करता है। सभी ने कई सुंदर प्रस्तुतियों के साथ प्रदर्शन किया। यह वास्तव में एक सफलता थी। सभी ने बहुत अच्छे तरीके से नारा लेखन प्रस्तुत किए। बच्चों ने पर्यावरण, स्कूल से संबंधित सुवचन, नारी और सड़क सुरक्षा पर नारा लेखन का प्रदर्शन बहुत सुंदर प्रस्तुत किए। छात्रों को नारा लेखन प्रतियोगिता करने का मौका मिला जिस कारण छात्रों ने पाठ्यक्रम से अलग सीखा।

निष्कर्ष - छात्रों में विश्वास बढ़ा। भाषा में वृद्धि होने में मदद हुई। संगठन में शक्ति होती है, यह सीखा।

एक पुस्तक की कहानी

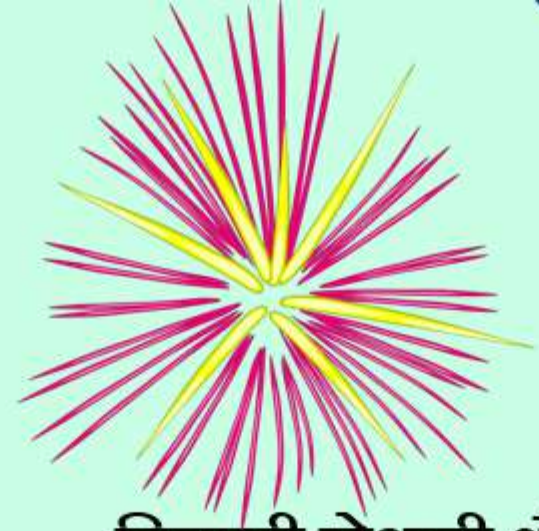
नमस्ते मित्रों मैं एक पुस्तक बोल रहा हूँ। चौक गए ना हां पर मैं पुस्तक ही बोल रहा हूँ। मेरे पास कथाओं और कहानियों का खजाना होता है। पुस्तक हमारे जीवन में बहुत जरूरी है, मानव की पढ़ाई में इसकी बहुत बड़ी भूमिका है। पुस्तक से हम नई भाषाएं सीख सकते हैं। आजकल अंग्रेजी भाषा मानव जाति के लिए महत्वपूर्ण भाषा है, यह तो सीखनी ही चाहिए। आज मैं एक पुस्तक! आपको एक मेरा अनुभव बताने जा रहा हूँ। मैं एक कविताओं की पुस्तक हूँ। मुझे ए.पी.जे अब्दुल कलाम जी ने लिखा है। मेरा नाम 'द लाइफ ट्री' है। मेरे पास कलाम साहब के जीवन पर आधारित कविताएं हैं। मुझे लिखने के बाद दो दिनों में ही छपवा दिया गया और विभिन्न जगहों पर भेजा गया। दुकानों से पुस्तकालय में सब आते और कुछ लोग मुझे खरीद के ले जाते। पर एक दिन एक लड़का आया, और मुझे खरीद के ले गया। मैं तो खुश हो गया, लेकिन वह मुझे अपने दोस्तों के पास ले गया। मुझे पहले तो कुछ पता नहीं था। लेकिन बाद में वह मेरे बारे में अपने दोस्तों के सामने ढींगे मारने लगा। तब मैं समझा कि वह मुझे पढ़ने के लिए नहीं सिर्फ दोस्तों को दिखाने के लिए ले आया था। उसके बाद उसने मुझे अपने अलमारी में बंद कर के रख दिया। बहुत साल बीत गए पर किसी ने मुझे छुआ तक नहीं मैं बेचारा फटा जा रहा था। पर एक दिन उसके रिश्तेदार आ गए। उसके रिश्तेदारों के साथ उसका भांजा भी आया था। उसके भांजे को पढ़ना बहुत पसंद था। उसकी नजर मेरे ऊपर पड़ गई। उसने मुझे पढ़ना शुरू कर दिया। उसे मेरी कविताएं बहुत पसंद आने लगीं। उसने अपने मामा से अनुमति लेकर मुझे अपने पास ले आया। मैं तो खुश हो गया नहीं जगा नहीं अलमारी। वह हर रोज मुझे पढ़ता था बार-बार वही कविताएं पढ़कर वह कभी ना थकता उसने मेरे पन्नों को अच्छे से त्रिपकाया और अपनी अलमारी में अच्छे से रखा। वह हर रोज मुझे साफ करता था उसके बाद उसके पास नई किताबें आ गईं। फिर क्या, मैं तो पुराना हो गया। उसने मुझे और मेरे साथ और पुरानी पुस्तकों को रीसाईकल दुकान में ले गया। वहां उसने मुझे बेच दिया वह भी हमारा अच्छा ख्याल रखा जाता था। बहुत से लोग हमें पढ़ने के लिए आते थे। और तब से आज तक मैं यहां मजे में हूँ। तो यह थी मेरे जैसे एक पुस्तक की कहानी।

----- श्रेयस भोईटे 7D



अधूरी सी जिंदगी
आँसू मुझसे कुछ कहते हैं
वो जिंदगी का एहसास देते हैं
वो आँसू कभी आखो से गिरते हैं
वो कभी आखो में ठहरते हैं
जब भी वो आखो में ठहरते हैं
वो आखो को बहुत चूमते हैं
वो आखो का आशिया नहीं चाहते
दिल के जरिया वो दस्तक देते हैं
आँसू मुझे कुछ कहते हैं
पलके बंद कर लो तुम अपनी
हम तुम्हारे गलो से बहना चाहते हैं
कोरकी रुकना जिंदगी का नाम नहीं
चलते जाने को ही जिंदगी कहते हैं

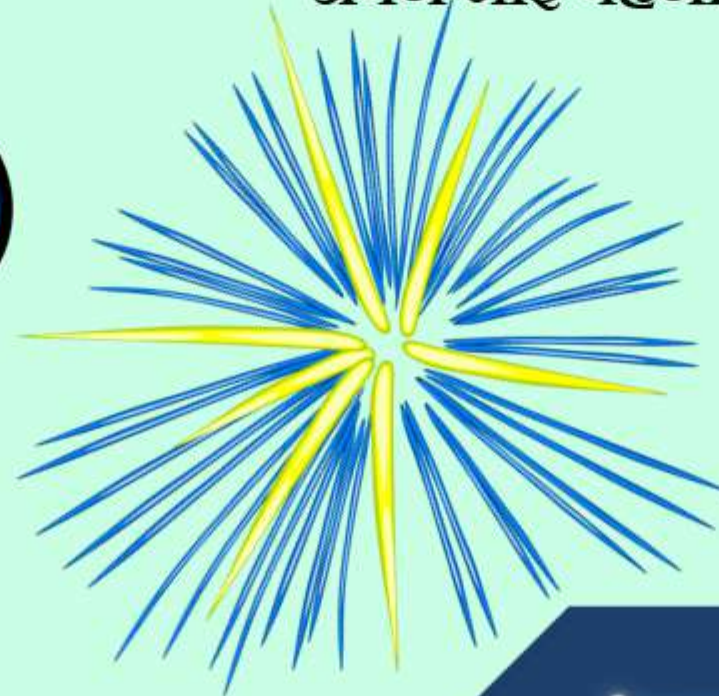
(-पावनी दाते) 8A



मैंने इस साल दिवाली कैसे मनाई

दिवाली रोशनी और खुशियों का त्योहार है। दिवाली राम की दुष्ट आत्मा रावण की अंतिम हार का जश्न मनाती है, और उसकी विजयी अपने घर लौट आती है। हर साल दिवाली अक्टूबर या नवंबर के महीने में आती है। इस साल मैंने अलग तरीके से दिवाली मनाई। इस साल मैंने दीवाली पर फटके नहीं फोड़े। इस साल मैंने दिवाली में अपनी मां को लाडू बनाने में मदद की, रंगोली निकाली, दिए को रंगाया, आकाशकंदिल बनाया और अपने परिवार के साथ समय बिताया। इस साल हम सब ने अनाथाश्रम में गए और सभी बच्चों को कुछ सामान दिया। हमें बहुत खुशी महसूस हुई। हमने साथ में पूजा-अर्चना की। हमने दीये, मोमबतियां और सजावटी रोशनी भी जलाई। मैंने अपना दिवाली का कार्य पूर्ण किया और अपने भाई बहनो के साथ मस्ती भी की। इस तरह से मैंने अपनी दिवाली मनाई।

(- साची लड्ढा) 6- डी





झीलों का शहर: भोपाल



भारत में लोग कई जगहों पर जाते हैं। कुछ क्षेत्र हमें उनके इतिहास के बारे में बताते हैं। मेरा दौरा मध्य प्रदेश में स्थित भोपाल में है। भोपाल को झीलों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। इसमें दो आश्चर्यजनक झीलें हैं, अर्थात् ऊपरी झील और निचली झील। जिस चीज ने मेरी यात्रा की वहां झीलें हैं जो इसे खास बनाती हैं। भोपाल भारत में सबसे अधिक रहने योग्य, सुरक्षित और आराम से कफायती शहरों में से एक है। जब मैं नौका विहार करने गया, तो झील चमक रही थी क्योंकि उस पर सूरज की किरणें पड़ रही थीं। ऐसा लग रहा था जैसे किसी ने उस पर चमक बिखेर दी हो। और सबसे दिलचस्प बात यह थी कि बत्तखें थीं। मैंने उन्हें खिलाने के लिए कुछ पॉपकॉर्न खरीदे। वह जगह अद्भुत थी।



जब हम झील के बीच में पहुँचते हैं तो सब कुछ खामोश हो जाता है। यह आराम महसूस करता है। बोटिंग और लेक न सिर्फ भोपाल को खास बनाते हैं, बल्कि खान-पान भी इसे खास बनाता है। 'हकीम का रेस्टोरेंट' मशहूर रेस्टोरेंट में से एक है। ताज़े पिसे हुए मसालों की महक, अनोखे फल और सब्ज़ियाँ, ये सब मुँह में पानी लाने वाली सुगंध के साथ मिश्रित हैं। शांत संगीत के साथ, मैंने और मेरे परिवार ने भोजन का आनंद लिया। जब मैंने भोपाल की अपनी यात्रा समाप्त की। मैं थका हुआ लेकिन उत्साहित और खुश महसूस कर रहा था। यह निश्चित रूप से एक ऐसा अनुभव था जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगा। अगर आप भोपाल में हैं तो आपको झीलों को जरूर देखना चाहिए।

यह एक अनोखा अनुभव है।

(-Maitri Shambharkar) 8D



विषय - हिंदी
कक्षा - आठवीं
तिथि - ८-९-२२

गतिविधि - विज्ञापन लेखन

उद्देश्य - छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ाना, भाषा में वृद्धि लाना, सहयोग की भावना बढ़ाना, विज्ञापन लेखन में लिए गए विषयों को नाटकीय ढंग से प्रस्तुत करना। विज्ञापन का उद्देश्य उत्पाद या विचार या सेवा की बिक्री के अलावा कुछ नहीं है, यह बताना। छात्रों के कला गुणों को निखारने के लिए कक्षा आठवीं के छात्रों के लिए ८-९-२२ 'विज्ञापन लेखन प्रतियोगिता ' का आयोजन किया गया था। छात्रों के लिए यह एक अनोखा अनुभव था। सभी ने कई सुंदर प्रस्तुतियों के साथ प्रदर्शन किया। यह वास्तव में एक सफलता थी। सभी ने बहुत अच्छे तरीके से विज्ञापन लेखन प्रस्तुत किए। छात्रों ने इस प्रतियोगिता से सीखा है कि संगठन में शक्ति होती है। बच्चों ने भारत के चार दिशा, ऋतु, ई पुस्तकालय और पौष्टिक पदार्थ पर विज्ञापन का प्रदर्शन बहुत सुंदर प्रस्तुत किए। सभी प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में लिए गए विषयों पर आकर्षक चित्र बनाए थे। छात्रों को विज्ञापन लेखन प्रतियोगिता करने का मौका मिला जिस कारण छात्रों ने पाठ्यक्रम से अलग सीखा। श्री नरेंद्र कुंभार और हिंदी विभाग अध्यक्ष श्रीमती रचना सूरी इस प्रतियोगिता के लिए उपस्थित थे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का मार्गदर्शन कर उन्हें प्रेरित किया। निष्कर्ष - छात्रों में विश्वास बढ़ा। भाषा में वृद्धि होने में मदद हुई। संगठन में शक्ति होती है, यह सीखा।



MENTAL HEALTH: A PRIORITY



Health is important for one's well-being. There are two aspects of health which include mental and physical health. Physical health is given more significance whereas mental health isn't. Mental health is the psychological, emotional and social well-being of an individual. It is the capability of one to cope up with the normal stresses and adversities of life. In many places talking about mental health is considered a shame. It is contemplated as a social stigma. People are uncomfortable to open up about their feelings because of the fear of being judged. This has developed us to mask our feelings from others which mostly leads to an unfortunate consequence. Many of us are strangers to what is actually going on with the people around us for which we have ourselves to blame. We unknowingly judge, compare, disregard and disdain instead of being considerate about the other person's situation.



Who are we to judge them? Making situational attributions about people might make us feel better about ourselves but it makes it worse for them. We never know what a person is really going through. People just want to be heard and our irrelevant opinions makes it even strenuous for them.

Countless people are unaware of mental illnesses and disorders. It is often considered to be a myth. Not enough awareness is spread about them. This also leads to people not being able to figure out what is going on with themselves. Disorders like ADHD, OCD, eating disorders, schizophrenia, PTSD, depression, bipolar disorder, anxiety disorders and many more are still unknown to a lot of people.



We can listen to people, not compare our situations to theirs, support them, tell them that they are strong and they can get through this, appreciate their efforts, respond sensitively to when they share something important, not force them to open up about their feelings and let them share as much or as little as they want, think multiple times before saying something that might trigger them, offer them in seeking professional help and there are many more ways that we can help people. It is big time we make mental health a priority instead of an option.

Yuvika Mundhra

The Divine Power



Ganesha, the elephant god, the son of Lord Shiva and Parvati is also considered as the most powerful being existing after Shiv and Parvati. His strength can be described in Brahma Vaivarta Purana, Ganapati Khanda Chapter 43.

Ganesha realised that Parashurama intended to attack him with a battle-axe. Therefore, citing dharma as his witness, he extended his trunk to crores of yojanas in length. According to modern day signs and conventions 1 yojanas=13 kilometres. Even the most powerful weapon in the entire universe- Pashupatastra which has the ability to destroy Heaven, Earth and Hell in a blink of an eye; cannot harm Shri Ganesha. His supremacy can be described in Mahabharata Vana Parva Kairata Parva Section XL



Vishnu is considered as the supreme most devotee of Shiva and is considered as being equivalent to Lord Shiva. Lord Vishnu's strength cannot be understood simply through human senses. So, the only way to understand him is by his Sudarshan Chakra's strength and its qualities.

Various Parts of Sudarshan Chakra

The stable middle part: They are named as Bhruvi (equality), Bhag (radiance), Sampada (nectar of nutrition), and Nirdesh (speed).

The spokes: consists of twenty-seven feminine principles created from Prajapati. It contains yoginipanchak - the five cosmic elements. It is beyond all restrictions of direction and time. These cosmic elements are described as:

- Yogini
- Lakshmi
- Narayani
- Murdhini
- Randhra

The Parigh (periphery): It has eight masculine principles.

- Aditya
- Varuni
- Juhu
- Narayan
- Navadha
- Gandhi
- Mahish

Size: It is so small that it can be kept on the tip of a leaf of Tulsi plant and at the same time it is so big that it can cover the entire universe.

Features of the Sudarshan Chakra

- Once it is released, the Sudarshan Chakra annihilates the enemy and returns back to the one who wielded it.
- Even after its release, the Sudarshan Chakra remains in complete control of the one who wielded it.
- The Chakra chooses the Shunyamarg (path of zero stress nature) for traveling and hence can reach anywhere within a moment.
- It increases its speed when posed with an obstacle. It is called as "Hansagati."
- It is soundless/noiseless.
- It has tremendous power to destroy everything.

Rishab Sen



On hearing this the very first thought that came to my mind was-

“Rejoice evermore, pray without ceasing in everything, give thanks for this is the will of God in Jesus Christ concerning you.”
(THESSALONIANS 5:16-18)

After having a conversation with him, I was inspired.

Suppose that you have a disease you never even thought you would have, and you are in a hospital, waiting to meet your doctor to be treated. Imagine the emotions that might be rushing through you!!!You are probably crying, sad and almost about to fall physically and slip into depression.

Don't worry things are going to be just fine, because nothing is forever!

Eventually, you will be fine. Nobody goes to a hospital with a happy face, but you will leave with a smile when all of this ends, thinking about either of the two reasons, the first that the person you love the most is happy, healthy and back to normal, or then that the person you loved the most left without suffering much.

Obviously, it's difficult , for no matter who it is, to digest the fact that the person you have been living with for so long, the person whom you look at every morning and every evening when the sun sets . Today all of a sudden, the same person stands in front of you, with a possibility of you losing that person! That is the exact moment when you actually hide your own feelings from yourself. So, all I'm saying is, let yourself feel that emotion no matter what it is, and honestly it doesn't matter if you are a girl or a boy, an oldie or a youngster, it's completely fine to let yourself feel what you are feeling at that moment. Express your feelings.

If you are very happy and feel like jumping with joy, screaming with happiness, then do that, because letting yourself feel your emotions is one of the best things you will ever experience.



JUST ACCEPT YOUR EMOTIONS AND HUG THEM WITH
BARE, OPEN ARMS !!!

Anjana Nambiar

Fascinating facts

1. Rats can survive without water longer than camels.

2. To make 1kg of honey, bees have to visit 4 million flowers by travelling a distance equal to 4 times around the earth.

3. The symbol of olympic-5 interlocked rings, represents the 5 continents in competition. North and South America are considered one continent.

4. Formula one (F1) race car drivers can sweat off up to 3 kg during a race.

5. Each king in the pack represents a great king from history. Spades-king David, Clubs-alexander the great, hearts-Charlemagne and Diamonds-Julius Caesar.

6. Calculating the DNA length for each person, it would stretch across the diameter of the solar system.

7. Touching wood for good luck is a Christian practice. The wood symbolizes the original cross on which Christ died.

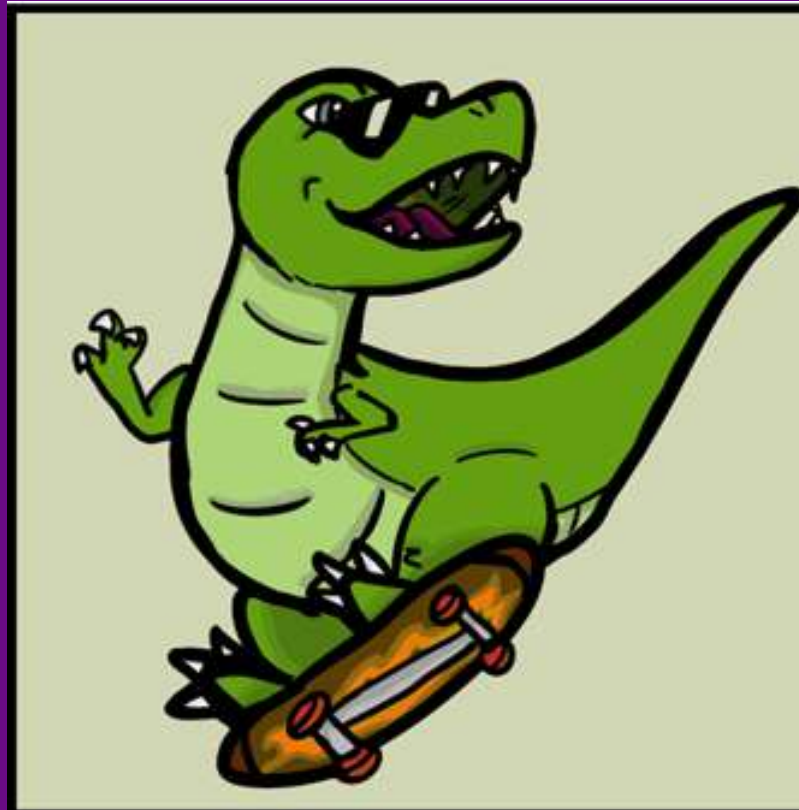
8. Three artists designed the Taj Mahal -a Persian, an Italian and a Frenchman. But the design is completely Muslim. Even the skilled artisans who built it were brought from Baghdad, Constantinople and other centers of Muslim faith.

9. Grasshoppers have white blood.

10.A horse sleeps in a standing position while a dolphin sleeps with one eye open.

Anvau Kurve

Broaden your Horizon



Digital art is work made with digital technology or presented on digital technology. This includes images done completely on computer or hand-drawn images scanned into a computer and finished using a software program like Adobe Illustrator. Digital art can also involve animation and 3D virtual sculpture renderings as well as projects that combine several technologies. Some digital art involves manipulation of video images.

Compared to traditional art, the most significant advantage of digital art is its convenience. Digital art is easy to carry, easy to publish and share, easy to be printed in many places, and most importantly, easy to be corrected. I am attracted to digital drawing because it allows me to easily produce visually appealing illustrations. These are some of my artworks. Hope it appeals to you too!



Param Abhyudhay



Naman Sharma